ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

शिवकुमार द्वारा फिल्म उद्योग के लोगों को धमकाने को लेकर बात करने... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 03 मार्च, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-61

यूएसएड फंडिंग के पर्दाफाश से कांग्रेस और कुछ मीडिया संस्थान बेचैन

ट्रंप के बयान को मोड़ने के कुचक्र में लगा इंडियन एक्सप्रेस

भारत में चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने के लिए अमेरिकी एजेंसी यूएसएड (यूएसएड) द्वारा फंडिंग किए जाने को लेकर बहस छिड़ी हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यूएसएड ने भारत में मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए 21 मिलियन डॉलर दिए थे। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता से हटाने के प्रयास का हिस्सा था। ट्रंप के इस बयान को भारत के सोरोस-परस्त नेता तोड़-मरोड़ कर पेश करने में लगे हैं। मानो भारत में ऐसा कोई पैसा आया ही नहीं या ट्रंप ने भूलवश ऐसा कह दिया। यूएसएड की साजिशी फंडिंग से लाभान्वित कांग्रेस ने ट्रंप के बयान को बेतुका भी कहा और राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश भी करार दिया। ऐसा विरोधाभासी बयान देकर कांग्रेस ने अपनी संलिप्तता का संकेत खुद ही दे दिया।

कांग्रेस और उसके नेताओं की बेचैनी इस बात के लिए भी है कि जिस रास्ते से यूएसएड का पैसा भारत आता था, सरकार ने फंडिंग लाइसेंस रद्द करके उसके स्रोत को ही बंद कर दिया है। कभी साम्प्रदायिक शक्तियों से लड़ने के नाम पर तो कभी हिंदू समाज को जाति में बांटकर चुनावों में इस विदेशी पैसे से कांग्रेस को लाभ पहुंचाया जाता था। इस पैसे का उपयोग भारत में उन आंदोलनों में किया जाता था, जो विकास योजनाओं के खिलाफ चलाए जाते थे। जैसे-जैसे विदेशी चंदे पर गृह मंत्रालय की निगरानी बढ़ी है, देश को बांटने वाली शक्तियां और कांग्रेस, दोनों कमजोर हुई हैं। विदेशी वित्तपोषण बंद होने से फाइव स्टार आंदोलनजीवी एनजीओ और थिंक टैंक परेशान हैं।

शुभ-लाभ चिंतन

FUND TO BE RELEASED CANCELLED said the DOGE. Indian Express, to cover up for foreign interference through USAID FUNDED GEORGE SOROS OSF (IFES), did a FAKE STORY on a 2022 funding to Bangladesh.

Team Musk flags, Trump waves, but a fact-check: $21 million did not go to India for 'voter turnout', was for Bangladesh

Agencies got $13.4 million for range of programmes in Bangladesh: 'Political and civic engagement' among youth, projects that questioned polls under Hasina

FAKE

The Indian EXPRESS

Department of Government Efficiency @DOGE

US taxpayer dollars were going to be spent on the following items, all which have been cancelled:
- $10M for "Mozambique voluntary medical male circumcision"
- $9.7M for UC Berkeley to develop "a cohort of Cambodian youth with enterprise driven skills"
- $2.3M for "strengthening independent voices in Cambodia"
- $32M to the Prague Civil Society Centre
- $40M for "gender equality and women empowerment hub"
- $14M for "improving public procurement" in Serbia
- $486M to the "Consortium for Elections and Political Process Strengthening," including $22M for "inclusive and participatory political process" in Moldova and $21M for voter turnout in India
- $29M to "strenghening political landscape in Bangladesh"
- $20M for "fiscal federalism" in Nepal
- $19M for "biodiversity conversation" in Nepal
- $1.5M for "voter confidence" in Liberia
- $14M for "social cohesion" in Mali
- $2.5M for "inclusive democracies in Southern Africa"
- $47M for "improving learning outcomes in Asia"
- $2M to develop "sustainable recycling models" to "increase socio-economic cohesion among marginalized communities of Kosovo Roma, Ashkali, and Egypt"

1:13 AM · Feb 16, 2025 · 15.4M Views

भारत में लोकसभा चुनाव प्रभावित करने के लिए दिया गया फंड

फंड को बांग्लादेश भेजे जाने का दुष्प्रचार कर रहा अंग्रेजी अखबार

विदेशी साजिशी फंडिंग का फायदा उठाने में देश के कई प्रमुख मीडिया हाउस भी लिप्त थे। इनमें इंडियन एक्सप्रेस का नाम अव्वल है। फंडिंग रुकने से कई मीडिया संस्थानों, खास तौर पर इंडियन एक्सप्रेस में काफी बौखलाहट है। इंडियन एक्सप्रेस ने 21 फरवरी को यूएसएड द्वारा वोटर टर्नआउट के लिए फंडिंग की एक अधूरी कहानी -21 मिलियन यूएस डॉलर भारत नहीं आ रहा था- शीर्षक से प्रकाशित की। इसमें बताया गया कि वह पैसा बांग्लादेश जा रहा था। इंडियन एक्सप्रेस ने कांग्रेस के परामर्श पर मनगढंत कथा प्रचारित करने की कोशिश की। उसने अपने पाठकों से न केवल सच्चाई छिपाई, बल्कि उन्हें गुमराह भी किया। अपने लेख में उसने फंडिंग का गलत संदर्भ दिया, जो वास्तव में भारत में मतदाता प्रतिशत को बढ़ावा देने के लिए प्रस्तावित था।

वोटर टर्नआउट के लिए 21 मिलियन डॉलर (लगभग 182 करोड़ रुपए) भारत को देने का बयान राष्ट्रपति ट्रंप ने बार-बार दोहराया। 2023-24 में यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएड) द्वारा 750 मिलियन डॉलर (लगभग 6,501 करोड़ रुपए) की जो फंडिंग भारत में की गई, ▶10 पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गृह प्रदेश गुजरात की यात्रा पर

सोमनाथ समेत सभी मंदिरों की सुरक्षा पर करेंगे विमर्श

सौराष्ट्र में प्रथम ज्योतिर्लिंग का दर्शन-पूजन किया

अहमदाबाद, 02 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज गुजरात पहुंचे। गुजरात दौरे के दरम्यान प्रधानमंत्री मोदी सोमनाथ मंदिर और भेंट द्वारका समेत सनातन आस्था के सभी मंदिरों की सुरक्षा को लेकर विमर्श करेंगे। अभी हाल ही इन मंदिरों के आसपास के गए भीषण अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया था। प्रधानमंत्री मोदी ने सौराष्ट्र स्थित प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ महादेव का दर्शन-पूजन भी किया। प्रधानमंत्री इससे पहले गुजरात के कई अन्य कार्यक्रमों में भी शामिल हुए। पीएम मोदी ने महादेव के शिवलिंग पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अभिषेक भी किया। पीएम मोदी ने सोमनाथ ट्रस्ट की बैठक की अध्यक्षता भी की। इससे पहले प्रधानमंत्री तीन दिवसीय दौरे पर शनिवार की शाम जामनगर पहुंचे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के संबंध में जारी सूचना के मुताबिक वे गिर जिले में सासन गिर नेशनल पार्क भी जाएंगे और जंगल सफारी का आनंद लेंगे।

सोमनाथ महादेव के दर्शन से पहले प्रधानमंत्री ने रविवार को रिलायंस फाउंडेशन के पशु बचाव और पुनर्वास केंद्र वनतारा का दौरा भी किया। ▶10 पर

पहले बुरी तरह पीटा, फिर दुपट्टे से गला घोंटा

कांग्रेस की युवा महिला नेता की बर्बर हत्या

रोहतक, 02 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी की युवा महिला नेता हिमानी नरवाल की हत्या कर दी गई। हरियाणा के रोहतक में शनिवार को बस स्टैंड के पास एक सूटकेस में हिमानी की लाश बरामद हुई। हिमानी नरवाल कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से सक्रियता से जुड़ी थीं। हिमानी नरवाल की हत्या ऐसे समय में हुई जब हरियाणा के 33 नगर निकायों के लिए मतदान होने वाले थे। हिमानी इन चुनावों में सक्रिय थीं। हालांकि होमिसाइड के विशेषज्ञ अधिकारियों का यह भी कहना है कि हिमानी की सक्रियता को चुनाव से जोड़ कर हत्या की असली वजहों से ध्यान हटाने की कोशिश भी हो सकती है।

सूटकेस में मिली लाश, मां ने कहा हत्यारे कांग्रेस के

रोहतक के सांपला बस स्टैंड के पास नीले रंग के सूटकेस से हिमानी की लाश बरामद होने के बाद फॉरेंसिक टीम ने मौके पर प्राथमिक छानबीन की और पुलिस ने लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने हिमानी नरवाल हत्या ▶10 पर

मुंबई की विशेष अदालत का आदेश

पूर्व सेबी चीफ और पांच अन्य पर होगी एफआईआर

मुंबई, 02 मार्च (एजेंसियां)।

मुंबई की एक विशेष अदालत ने सेबी की पूर्व प्रमुख माधबी पुरी बुच और पांच अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। उन पर शेयर बाजार में कथित धोखाधड़ी और नियामकीय उल्लंघन के आरोप लगे हैं। विशेष अदालत ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। मुंबई की विशेष एसीबी अदालत के न्यायाधीश शशिकांत एकनाथराव बांगर ने आदेश में कहा, प्रथम दृष्टया विनियामकीय चूक और मिलीभगत के सबूत हैं, जिसकी निष्पक्ष जांच की आवश्यकता है। अदालत ने कहा कि वह जांच की निगरानी करेगा और 30 दिनों के भीतर मामले की स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। अदालत ने आदेश में यह भी कहा है कि आरोपों से संज्ञेय अपराध का पता चलता है, जिसके लिए जांच जरूरी है। ▶10 पर

केरल की राजधानी में बोले उपराष्ट्रपति धनखड़

अपनी संभावनाओं से विश्व को आकर्षित कर रहा है भारत

तिरुवनंतपुरम, 02 मार्च (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत अब वायदे करने वाला देश नहीं रह गया है। भारत को अब संपेरों का देश नहीं माना जाता। भारत अब पूरी दुनिया को अपनी संभावनाओं से आकर्षित कर रहा है। उपराष्ट्रपति केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में लोकतंत्र, जनसांख्यिकी, विकास और भारत का भविष्य विषय पर आयोजित पी. परमेश्वरन स्मृति व्याख्यान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि पी. परमेश्वरन की भारतीय मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता, भारतीय लोकाचार की उनकी गहरी समझ और राष्ट्रीय एकता के लिए उनका अथक प्रयास पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। सांस्कृतिक रूप से निहित और आध्यात्मिक रूप से जागृत एक आत्मनिर्भर भारत के लिए उनका दृष्टिकोण पूरे देश में गहराई से गूंजता है। हाल के दशक में भारत के विकास को लेकर धनखड़ ने कहा कि जन-केंद्रित नीतियों और पारदर्शी जवाबदेह शासन ने पारिस्थितिकी तंत्र को उछाल दिया है। 1.4 बिलियन जनसंख्या वाला राष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्र में आए परिवर्तनकारी बदलाव को देखें। हर घर में शौचालय है, बिजली कनेक्शन है, पानी का कनेक्शन आने वाला है, गैस कनेक्शन है, कनेक्टिविटी, इंटरनेट और सड़क, रेल और स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में सहायता करने वाली नीतियां हैं। ये हमारे विकास पथ को परिभाषित करती हैं। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक पुनर्जागरण, जो कुछ साल पहले कल्पना से परे था, चिंतन से परे था, सपनों से परे था, उसने हमारे सनातन का सार, समावेशिता, गैर-भेदभावपूर्ण, समान, समान विकास के परिणाम और सभी के लिए फल उत्पन्न किए हैं। किसी भी योग्यता, जाति, धर्म, जाति, रंग के बावजूद प्रयास किया गया है कि लाभ अंतिम पंक्ति में रहने वाले लोगों तक पहुंचना चाहिए और यह बड़ी सफलता के साथ किया जा रहा है। ▶10 पर

केंद्रीय मंत्री की नाबालिग बिटिया से छेड़छाड़

छेड़खानी करने वाले गुंडे नेता के कार्यकर्ता

मुंबई, 02 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के जलगांव में कुछ गुंडों ने केंद्रीय मंत्री रक्षा खड़से की बेटी के साथ छेड़खानी की और उसकी वीडियो बनाई। मंत्री की बेटी के साथ मौजूद सिपाही पर भी गुंडों ने हमला किया। लड़की के साथ छेड़खानी करने वाले गुंडे शिव सेना शिंदे गुट के नेता चंद्रकांत पाटिल के कार्यकर्ता बताए गए हैं। इस घटना पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, यह एक राजनीतिक दल के पदाधिकारियों की करतूत है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जलगांव पुलिस ने इस संबंध में पॉक्सो कानून के तहत छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज की है। पुलिस ने कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया है। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 87,650/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 96,820/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 34^0

न्यूनतम : 23^0

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा

जम्मू कश्मीर में आतंकवाद अपनी औकात में है

श्रीनगर, 02 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि अनुच्छेद 370 निरस्त होने के बाद से प्रदेश निरंतर विकास के रास्ते पर बढ़ रहा है। लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं भी स्थापित तरीके से काम कर रही हैं। प्रदेश में लोकतांत्रिक सरकार है और सरकार के कामकाज में उपराज्यपाल का कोई हस्तक्षेप नहीं है। अब राज्य की कानून व्यवस्था नियंत्रण में है। आतंकवाद अपनी औकात में है और अब प्रदेश में किसी भी आतंकवादी संगठन का कोई भी शीर्ष कमांडर मौजूद नहीं है।

सोमवार से जम्मू-कश्मीर विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने से पहले उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि निर्वाचित सरकार के साथ काम करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं है। राजभवन में एक भी फाइल लंबित नहीं है। एलजी मनोज सिन्हा ने कहा, मैंने आज ही मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की। हमने विधानसभा के आगामी बजट सत्र से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उल्लेखनीय है कि सत्र की शुरुआत सोमवार को एलजी के संबोधन से होगी। मुख्यमंत्री के पास वित्त विभाग भी है। लिहाजा, वे 7 मार्च को अगले वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश करेंगे।

अब किसी आतंकी संगठन का कोई शीर्ष कमांडर नहीं

अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के ठीक एक साल बाद अगस्त 2020 में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल (एलजी) के रूप में शपथ लेने वाले मनोज सिन्हा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम ने निर्वाचित सरकार और एलजी प्रशासन की भूमिकाओं को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया है। उन्होंने कहा, मैं कानून और व्यवस्था से निपटता हूं, जबकि उनके पास शासन है। उन्होंने कहा कि मुझे सरकार के साथ काम करने में कोई सुविधा या परेशानी नहीं है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के यह कहे जाने पर कि विधानसभा वाले केंद्र शासित प्रदेश त्रुटिपूर्ण मॉडल हैं, क्योंकि वे उपराज्यपाल को सशक्त बनाकर सरकार के हाथ बांध देते हैं। एलजी सिन्हा ने कहा कि वे किसी भी संबंधित विभाग में हस्तक्षेप नहीं करते और अपने अधिकार का कोई अतिरंजित इस्तेमाल नहीं करते। एलजी ने कहा कि जम्मू कश्मीर विधानसभा वाला एकमात्र केंद्र शासित प्रदेश नहीं है। पांडिचेरी भी एक केंद्र शासित प्रदेश है। यह नया नहीं है, यह मॉडल काफी समय से अस्तित्व में है। दिल्ली भी विधानसभा वाला केंद्र शासित प्रदेश ही है। एलजी ने कहा, शासन में मेरी कोई भूमिका नहीं है और मैं किसी भी तरह से इसमें हस्तक्षेप नहीं करता। कोई भी ऐसी एक भी चीज की ओर इशारा नहीं कर सकता जिसे मैंने रोका हो। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

सरकारी स्कूल के 1100 बच्चों में स्कूल बैग और पाठ्य सामग्री का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा प्रकल्प शिक्षा सब के लिए के अंतर्गत शनिवार को बेंगलूरु से 150 किमी दूर स्थित कोलार जिले के केजीएफ तालुक में करीब 50 सरकारी स्कूलों के 1100 बच्चों में स्कूल बैग व पाठ्य सामग्री का वितरण किया। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए और शिक्षा सब को मिले, इसके लिए मायूम बेंगलूरु शाखा पिछले 4 साल से दूर जाकर शिक्षा ऑन व्हील कार्यक्रम के अंतर्गत छोटे गांव और कस्बों में स्कूल बैग और पाठ्य सामग्री का वितरण कर रहा है। अब तक 4 साल में करीब 16000 से अधिक सरकारी स्कूल के बच्चों में बैग और पाठ्य सामग्री का वितरण किया जा चुका है। इस अवसर पर मायूम बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष स्नेह कुमार जाजू, पूर्व शाखा अध्यक्ष बिकास पोद्दार, प्रांतीय एवं शाखा उपाध्यक्ष गोपाल कुमार, सुशील सैनी, प्रांतीय सचिव मोहित शर्मा, शाखा कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल, शाखा सदस्य पवन राजलीवाल, कन्हैया अग्रवाल, अमित मोदी, सनी जैन, विनोद गर्ग, सोनू शर्मा, गौरव शर्मा, तनुज टेकरीवाल, अशोक अग्रवाल, सुरेश माली, अमित यादुका, दीपाक्षी जाजू, शायना अग्रवाल, सविता गर्ग, उषा शर्मा, रजनी अग्रवाल और शाखा के करीब सभी सदस्य बड़ी संख्या के साथ उपस्थित रहे। शिक्षा के इस प्रकल्प को साथ देने के लिए, स्कूल बैग डोनर क्रिएशन ग्रुप के मालिक विजय गोयल, मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष नीतेश टिबरेवाल एवं प्रांतीय पदाधिकारी असित अग्रवाल, बृजेश अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल और मायूम बेंगलूरु शाखा के सलाहकार पंकज जालान एवं बड़ी संख्या में मायूम के सदस्य उपस्थित रहे। बैग वितरण कार्यक्रम की सराहना और सहयोग करते हुए स्थानीय लोगों और सरकारी स्कूलों के अधिकारियों ने भी इस कार्यक्रम में आगे बढ़कर हिस्सा लिया और मायूम टीम को धन्यवाद किया। कोलार जिला के 1100 स्कूल बैग वितरण की शुरुआत शनिवार को सुबह 6 बजे, लालबाग रोड स्थित प्राइड हुलकुल से हर बार की तरह कार रैली को हरी झंडी दिखा कर की गई। हरी झंडी दिखाने के लिए बेंगलूरु के मारवाड़ी समाज के कई गणमान्य व्यक्ति, दानदाता, वरिष्ठ सदस्य, प्रसिद्ध उद्योगपति और अनेक सामाजिक संस्थाओं के वरिष्ठ पदाधिकारी पहुंचे। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप से प्राइड ग्रुप के डायरेक्टर बीआर रविन्द्र, श्याम ग्रुप से बिजय सराफ उपस्थित रहे।

भविष्य में भी रहेगी जारी

शिक्षा के इस बैग वितरण कार्यक्रम के संयोजक और शाखा के पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी ने बताया कि इस शिक्षा सब के लिए कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए, मायूम बेंगलूरु टीम आने वाले भविष्य में भी शिक्षा के इस स्कूल बैग वितरण कार्य को इसी तरह से आगे बढ़ाती रहेगी और कर्नाटक के सभी जिले के गांव और कस्बों के सरकारी स्कूल में स्कूल बैग वितरण कार्य को करने का बड़ा लक्ष्य रखा है। मायूम कर्नाटक प्रांत के अध्यक्ष नितेश टिबरेवाल ने मायूम बेंगलूरु शाखा का मनोबल बढ़ाते हुए और शाखा सदस्यों को प्रोत्साहित करते हुए कहा शिक्षा के इस अद्भुत और नेक कार्यक्रम को अधिक से अधिक बढ़ावा देने के लिए प्रांत से जो भी सहयोग और मदत लगेगी, उसके लिए प्रांतीय कार्यकारणी टीम हमेशा तत्पर है। कोलार जिला के सरकारी स्कूलों में यह 1100 स्कूल बैग वितरण कार्यक्रम होने के बाद बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष स्नेह कुमार जाजू ने पधारे हुए सभी सदस्यों, अतिथिगणों, दानदाताओं, वरिष्ठ उद्योगपतियों, स्थानीय लोगों, सरकारी अधिकारियों, स्कूल टीचर्स, स्कूली बचों और मायूम कर्नाटका प्रांत एवं मायूम के सभी शाखा के सदस्यों का आभार जताया।

पेंटिंग कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार टी.दासरहल्ली तेरापंथ महिला मंडल द्वारा नारी स्वावलंबन के अंतर्गत उड़ान (सुनहरा भविष्य) एक कदम स्वावलंबन की ओर के अंतर्गत पेंटिंग कार्यशाला का आयोजन स्थानीय भवन में किया गया।

मंत्री नम्रता पितलिया ने सामूहिक नमस्कार महामंत्र द्वारा कार्यशाला की शुरुआत की। तत्पश्चात महिला मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणा गीत का संगान किया गया। स्वागत भाषण अध्यक्ष नेहा चावत ने किया एवं सभी को स्वावलंबी बनने हेतु प्रोत्साहित किया। प्रशिक्षिका सोनाली मेहर ने सभी बहनों को बेसिक पेंटिंग कोर्स से अलग अलग कोर्स लगातार 15 दिन करवाया। इस कार्यशाला की संयोजिका किरण मेहर रही, जिनका पूर्ण सहयोग रहा। मंडल से परामर्शक सुशीला बाई बाबेल, उपाध्यक्ष संगीता बोहरा, कोषाध्यक्ष हंसा बाबेल, कन्या मंडल प्रभारी पूर्णिमा कठोतिया भी उपस्थित थी। इस कार्यशाला में कार्यकारिणी इंद्रा देवी कठोतिया, विमला पितलिया, प्रिया पितलिया भी मौजूद थी।

मुकुल सरन माथुर दपरे के बने महाप्रबंधक

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुकुल सरन माथुर ने दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक का कार्यभार संभाला। वे 1988 बैच के भारतीय रेलवे यातायात अधिकारी हैं और उनके पास दिल्ली विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री और गुड़गांव के प्रबंधन विकास संस्थान से व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा है।

वर्तमान कार्यभार संभालने से पहले वे वाणिज्यिक रेलवे बोर्ड के अतिरिक्त सदस्य थे। अपने तीन दशक से अधिक के करियर में उन्होंने मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्वी तट रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे और रेलवे बोर्ड में विभिन्न पदों पर कार्य किया है। इससे पहले वे पीईडी/इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रिंसिपल चीफ ऑपरेशंस मैनेजर/पश्चिम मध्य रेलवे, प्रिंसिपल चीफ कमर्शियल मैनेजर, डिविजनल रेलवे मैनेजर/वाल्टेयर और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर/पीपीपी, रेलवे बोर्ड जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं। उन्होंने डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर प्रोजेक्ट्स, हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट और पोर्ट एंड माइन कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स समेत प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को संभाला है। साथ ही उन्होंने डिजिटल सॉल्यूशंस के जरिए यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने में भी योगदान दिया है। उन्होंने इंटरनेशनल यूनियन ऑफ रेलवे के एशिया कार्यालय के प्रमुख के रूप में भी काम किया है और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में रेल विकास में योगदान दिया है।

77वें अणुव्रत स्थापना दिवस का आयोजन

आचार्यश्री तुलसी ने व्यक्ति व्यक्ति में बदलाव की चेतना का जागरण किया: मुनि मोहजीत कुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
युगप्रधान आचार्य महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनिश्री मोहजीत कुमार जी के सानिध्य एवं अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के तत्वावधान में अणुव्रत समिति बेंगलूरु द्वारा 77वां अणुव्रत स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। मुनिश्री द्वारा नमस्कार महामंत्रोचार से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। शांतिनगर की बहनों द्वारा 'संयम मय जीवन हो' गीतिका द्वारा मंगलाचरण हुआ। महासभा से प्रकाश लोढ़ा ने अणुव्रत आचार संहिता का वाचन कर संकल्प दिलाया। निर्वतमान अध्यक्ष शांतिलाल पोरवाल ने स्वागत वक्तव्य दिया। अणु विभा संगठन मंत्री राजेश चावत ने आचार्यश्री तुलसी के दूर दृष्टिता एवं अणुव्रत की विशिष्टता पर विचार रखें। मुनि जयेश कुमार जी ने अणुव्रत उद्बोधन देते हुए कहा हमारे जीवन में संकल्प चाहिए। धर्म को सिर्फ क्रिया कांडों में उलझाया गया, सिर्फ स्वार्थ की सिद्धि के धराधर पर टिका दिया। अणुव्रत ने धर्म को क्रिया कांडों के जंजीरों से, संप्रदाय और जाती की जंजीरों से मुक्त कर दिया। मुनिश्री मोहजीत कुमार जी ने मंगलमय उद्बोधन में कहा आचार्य तुलसी का सार्वभौहिक चिंतन, अंतर जागरणा और भगवान महावीर के दिए संदेश से नए प्रवेश प्रस्तुत करते हुए अणुव्रत की स्थापना की। व्यक्ति व्यक्ति में बदलाव की चेतना का जागरण किया। उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को अणुव्रत के मिशन को जन जन तक पहुंचाने का प्रयत्न करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में समिति सह मंत्री प्रवीण बोहरा, संगठन मंत्री निर्मल पोखरणा, समिति सदस्यगण, तेरापंथ सभा गांधीनगर अध्यक्ष पारसमल भंसाली, विजयनगर सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, यशवंतपुर सभा अध्यक्ष सुरेश बरडिया, टी दासराहल्ली सभा अध्यक्ष भगवती लाल मांडोत, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारीगण सहित श्रद्धालुगण की अच्छी उपस्थिति रही। प्रकाश कुंडलिया एवं जितेंद्र घोषल का व्यवस्था में विशेष सहयोग रहा। कुशल संचालन मंत्री हरकचंद ओस्तवाल ने किया एवं सह मंत्री बबीता चोपड़ा ने आभार व्यक्त किया।

हमारी वाणी में विवेक होना चाहिए: साध्वी प्रतिभाश्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में राजाजीनगर स्थानक में प्रवचन देते हुए साध्वी प्रतिभाश्री ने कहा कि वाणी का संसार में बहुत महत्व है। जिसकी वाणी मीठी होती है, वह सबका प्रिय बन जाता है। हमारी वाणी में विवेक होना चाहिए। कब बोलना और कैसे बोलना आवश्यक है। जैसे भाव होंगे वैसे शब्द होंगे वैसी भाषा होंगी। अपने शब्दों को सम्भालकर बोलना जरूरी है। उन्नति के मार्ग में और आत्मिक उत्थान के लिए मीठी वाणी का होना आवश्यक है। साधना के लिए पहले शरीर को साधना आवश्यक है। ऐसा बोलना सार्थक है जिससे दूसरो की तकदीर बदल जाये। दूसरे प्रसन्न हो जाए भाषा से हम औरों के दिलो में बस सकते है। भाषा सरल और सटीक होनी चाहिए। इसके पूर्व साध्वी आस्थाश्री ने कहा कि क्रोध हमारे जीवन का नाश करता है। क्रोध विनाश का कारण बनता है और सभी विपत्तियों का मूल कारण है। हमें सर्वप्रथम क्रोध को खत्म करना है। ज्ञानी कहते है जब हमारी अपेक्षाएं पूर्ण नहीं होती है, जब प्रतिकूल स्थिति हमारे जीवन में आती हैं, तब हमें अहंकार आ जाता है और अहंकार से क्रोध आता है। क्रोध में मनुष्य विवेक शून्य हो जाता है और उचित-अनुचित का भेद भी भूल जाता है। जब व्यक्ति में अहंकार जन्म लेता है तब उसके व्यक्तित्व में असंतुलन आ जाता है और यह असंतुलन क्रोध को जन्म देता है। जब तक हमारे जीवन में परिवर्तन नहीं आएगा हमारा यह जीवन व्यर्थ है। क्रोध की एक चिंगारी हमारे जीवन को हमारे रिश्तों को नष्ट कर देती है। अगर क्रोध को खत्म करना है तो साधना के मार्ग पर कदम बढ़ाना होगा। साधना से क्रोध को कम किया जा सकता है। क्रोध अगर खत्म होगा तो जीवन में क्षमा भाव समता भाव और विनय भाव आएगा। सोमवार का प्रवचन प्रातः 9.15 से रहेगा। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने आभार ज्ञापित किया। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

गुरु भगवंतों से भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव में पधारने की विनती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जैन युवा संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष जैन महावीर मुणोत के नेतृत्व में श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव निमित्त बेंगलूरु में विचरण कर रहे साधु साध्वियों से आशीर्वाद प्राप्त करने एवं जन्म कल्याणक महोत्सव निमित्त सानिध्य प्रदान करने हेतु बेंगलूरु में विराजित श्री वीरेन्द्र मुनिजी, मुनिश्री मोहजीतकुमार जी और श्री कनकमुनिजी के दर्शन कर उनके श्रीचरणों में संगठन की ओर से जन्म कल्याणक महोत्सव हेतु अपना सानिध्य प्रदान करने की वन्दना की। मंत्री नीरज कटारिया ने जैन युवा संगठन की संस्था युवा संगठन सेवा ट्रस्ट के अन्तर्गत साधार्मिक परिवारों के लिये जारी जीवन सीक्षा, जीवन संजीवनी, जीवन रक्षा जैसे समाज हित कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल में जैन युवा संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत के नेतृत्व में मंत्री नीरज कटारिया, कोषाध्यक्ष संतोष डूंगरवाल, साधु साध्वी समिति चेयरमैन कपिल काल्या, सह चेयरमैन कमलेश कोटडिया, विक्रम पितलिया, सुनील मेहर, राकेश बोहरा, प्रथम पितलिया, अभय बोहरा आदि लोग मौजूद थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री अखिल भारतीय श्वेताम्बर मूर्तिपूजक युवक महा संघ बेंगलूरु शाखा के सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय चेयरमैन सुनील सिंघी का बेंगलूरु पदार्पण पर बहुमान सहित अभिनंदन किया। इस अवसर पर मनोज बाफना, अशोक गजानन, गौतम दांतेवाडिया, प्रकाश पिरगल, भेरूलाल दांतेवाडिया, कैलाश संखलेचा, रतन मेहता, अशोक छाजेड़, मुकेश पारलेचा, कपूर कटारिया आदि लोग उपस्थित थे। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

जन्म कल्याणक महोत्सव के लिए सांसद को किया आमंत्रित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जैन युवा संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने सांसद पीसी मोहन से मुलाकात कर श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव के लिए आमंत्रित किया। समस्त जैन समाज के सहयोग से जैन युवा संगठन पिछले 37 वर्षों से इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। इस वर्ष श्रमण भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव 10 अप्रैल 2024 को फ्रीडम पार्क में आयोजित होगा। संगठन के अध्यक्ष जैन महावीर मुणोत के नेतृत्व में संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने जन्मकल्याणक महोत्सव के लिए विशेष अतिथि के रूप में सांसद पीसी मोहन को आमंत्रित किया। सांसद ने आमंत्रण स्वीकार करते हुए जैन समाज एवं संगठन द्वारा किए जा रहे मानव कल्याण कार्यों की सराहना के साथ ही जैन युवा संगठन के सहयोग के लिए हमेशा तत्पर रहने का आश्वासन दिया। संगठन के मंत्री नीरज कटारिया ने सांसद को जैन युवा संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष जैन महावीर मुणोत के नेतृत्व में मंत्री नीरज कटारिया, सहमंत्री सुश्रुत चेलावत, पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता, अतिति आमंत्रण समिति चेयरमैन मोती गोटावत उपस्थित रहे।

अणुव्रत आन्दोलन दिवस समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आचार्य श्री महाश्रमणजी की विदुषी शिष्या साध्वी पुण्ययशाजी का आगामी चातुर्मास राजराजेश्वरी नगर में घोषित हुआ है। साध्वीवृन्द का बेंगलूरु की ओर विहार गतिमान है। विहार के दौरान हावेरी क्षेत्र में साध्वी के पावन सान्निध्य में अणुव्रत आन्दोलन के 77वें स्थापना दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अणुव्रत गीत से हुआ जो सभा व महिलामंडल द्वारा प्रस्तुत किया गया। साध्वी बोधिप्रभाजी ने अणुव्रत की महत्ता व उपयोगिता को सिद्ध करते हुए आत्महत्या, भ्रूणहत्या न करने पर बल दिया एवं नैतिक जीवन जीने की प्रेरणा दी। साध्वी विनीतयशाजी ने कहा आवश्यक्ताओं का अल्पीकरण, अहं का विलय इच्छाओं का नियंत्रण, संयम, संतोष, पवित्रता, परस्परता, समता ये अणुव्रत के स्वर्ण सूत्र है। साध्वी पुण्ययशा जी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री तुलसी ने मानव को मानव बनाने का आन्दोलन चलाया और इस अणुव्रत आन्दोलन के माध्यम से संयममय जीवन जीने पर बल दिया। लाखों लोगों को व्यसन मुक्त बनाया। अणुव्रत की आत्मा संयम है। संयम से जीवन मूल्यवान बनता है। इच्छाओं का संयम होने से जीवन में प्रामाणिकता एवं पवित्र आचरण बढ़ता है। अणुव्रत ही ऐसा आत्मविश्वास देता है। साध्वीजी ने उपस्थित जनमेदिनी को अणुव्रत आचार संहिता के नियम बताये तथा प्रत्याख्यान भी कराये। बालचंद जीरावला, कुंदनमल संचेती, चिरंजीलाल संचेती, राकेश जीरावला, हितैष संचेती, दीपक संचेती ने बदले युग की धारा गीतिका का संगान किया। मंच का कुशल संचालन साध्वी वर्धमानयशाजी ने किया।

शिवकुमार द्वारा फिल्म उद्योग के लोगों को धमकाने को लेकर बात करने की जरूरत नहीं: शिवकुमार

कोप्पल/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने फिल्म उद्योग के खिलाफ बोलने वाले केपीसीसी अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा वे कहते हैं कि सिनेमा उद्योग के लोगों से वे बहुत नाराज हैं। वे हमारे पास तभी आते हैं जब कोई काम होता है।

वे इसका उपयोग कर लेते हैं और फिर इसे फेंक देते हैं। मेकेदातु परियोजना के लिए हमारी पार्टी द्वारा आयोजित मार्च के दौरान फिल्म उद्योग से केवल कुछ ही लोग हमारे साथ शामिल हुए। उनमें से अधिकतर कभी नहीं आये। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि डी.के. शिवकुमार की धमकी के बारे में बात करने की कोई जरूरत नहीं है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मेकेदातु परियोजना के लिए मार्च का किसने समर्थन किया या किसने उसे छोड़ दिया, जो कांग्रेस द्वारा प्रायोजित थी। देश की जनता ने सत्ता चलाने के लिए 138 सीटें दी हैं। आइये इसका अच्छा उपयोग करें और काम करें। यदि कोई नट या बोल्ट ढीला हो जाए तो उसे ठीक करने वाले कई विशेषज्ञ उपलब्ध हैं। राज्य के लोगों ने सहयोग किया है। सत्ता उनके हाथ में है। उनका कहना था कि उन्हें जो करना है, वो करें। उन्हें जनता द्वारा दी गई शक्ति का इस्तेमाल लोगों की जिंदगी से खेलने के लिए नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकारों को लोगों द्वारा दी गई शक्ति का उपयोग कर कार्य करना चाहिए। मुझे नहीं पता कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने क्या कहा। पिछले एक वर्ष में राज्य में एक भी विकास कार्य नहीं हुए हैं। सत्तारूढ़ कांग्रेस को राज्य के विकास की चिंता नहीं है। राज्य में केवल राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हो रही है। वे उसके बारे में बात नहीं कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि विकास नहीं हो रहा है। लोगों की समस्याओं पर कोई प्रतिक्रिया नहीं है। पिछले वर्ष देश के कई भागों में अत्यधिक वर्षा और सूखे के कारण फसलें नष्ट हो गईं। उन्होंने कहा कि किसानों को फसल नुकसान का मुआवजा नहीं दिया गया है। मंत्री जमीर अहमद खान के जेडीएस विधायकों के कांग्रेस में शामिल होने के बयान पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि यह तो समय ही तय करेगा कि कौन शामिल होगा और क्या होगा।

वे हर दिन गारंटी का राग अलापने और केंद्र सरकार की आलोचना करने के अलावा कुछ नहीं कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में राज्य सरकार से और क्या उम्मीद की जा सकती है? वे गारंटी के नाम पर उच्च कर लगाकर जनता की संपत्ति का गलत तरीके से दुरुपयोग कर रहे हैं। सरकार में हर प्रकार का दुरुपयोग हो रहा है। किसानों और गरीबों के पैसे का दुरुपयोग किया जा रहा है। कर का पैसा कहां जा रहा है?

केकेआरडीबी के लिए 5,000 करोड़ देने की घोषणा की गई थी। लेकिन अभी तक एक भी रुपया जारी नहीं किया गया है। सरकारी खजाना खाली है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास के लिए आवंटित धन में काफी गड़बड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि जनता ने सरकार का खजाना भरने में सहयोग किया है। उन्होंने कहा कि इसे ध्यान में रखते हुए सुशासन कायम रखा जाना चाहिए। जब मैं कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन सरकार में मुख्यमंत्री था, तो मैंने 9 औद्योगिक क्लस्टर स्थापित करने की योजना बनाई थी। इसका उद्देश्य एक लाख युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना था। दुनिया में खिलौना उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। इस विषय पर विश्व में व्यापक बहस चल रही है। चीन को इसका सबसे बड़ा हिस्सा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इसीलिए उनका इरादा चीन से प्रतिस्पर्धा की योजना लाने का है। जब उद्योग स्थापित हों तो यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए कि पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे और आम लोगों के जीवन और स्वास्थ्य पर असर न पड़े। यहां एक स्थानीय कंपनी और सरकार के बीच समझौता हुआ है।

शिवकुमार ने लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के कदम का विरोध किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने रविवार को आरोप लगाया कि संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन की दिशा में केंद्र सरकार का कदम दक्षिणी राज्यों की लोकसभा सीटों को कम करने के उद्देश्य से है। कांग्रेस इसके खिलाफ लड़ेगी। उडुपी जाते समय मेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन का विरोध करती है। उन्होंने कहा यह सही नहीं है। कांग्रेस चुनाव आयोग और अदालत के माध्यम से इसके खिलाफ लड़ेगी। बाद में उन्होंने उडुपी के पास काउप में नए मरीगुडी मंदिर के ब्रह्मकलाशोत्सव समारोह में बात की। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार से किसी अनुदान के बिना मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी को मानवता के सामने सिर झुकाना चाहिए और सभी को अपने-अपने धर्मों की रक्षा करनी चाहिए। शिवकुमार ने कहा कि किसी भी धर्म ने दूसरे धर्मों के लोगों को परेशान करने का उपदेश नहीं दिया है। सभी को सौहार्दपूर्वक रहना चाहिए।

शिवकुमार ने ब्रह्मवार शुगर फैक्ट्री के प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की

निष्पक्ष जांच का दिया आश्वासन

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने ब्रह्मवार शुगर फैक्ट्री स्क्रैप बिक्री घोटाले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की। पूर्व स्पीकर प्रतापचंद्र शेट्टी के नेतृत्व में उडुपी जिला रायता संघ ने घोटाले की गहन जांच की मांग को लेकर ब्रह्मवार में अनिश्चितकालीन हड़ताल की है। रविवार को उडुपी जिले के अपने दौरे के दौरान डी के शिवकुमार ने ब्रह्मवार शुगर फैक्ट्री स्थल पर प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की और उनका ज्ञापन लिया। प्रतापचंद्र शेट्टी और पूर्व सांसद जयप्रकाश हेगड़े ने प्रदर्शनकारियों की मांगों को प्रस्तुत किया और उपमुख्यमंत्री को मुद्दे से अवगत कराया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए डी के शिवकुमार ने कहा हमारी सरकार ने पहले ही जांच की मंजूरी दे दी है। जिला प्रभारी मंत्री ने मुझसे प्रदर्शनकारियों से मिलने और उनका ज्ञापन लेने का अनुरोध किया। कानून सबके लिए समान है। मैं कानूनी आधार पर आपकी मांगों का समर्थन करूंगा। गृह विभाग और सहकारिता मंत्रालय लिखित बयान के साथ इस मुद्दे को संबोधित करेंगे। पिछले एक सप्ताह से आम जनता के कई सदस्य भी विरोध प्रदर्शन में भाग ले रहे हैं। मुझे विरोध प्रदर्शन के बारे में रोजाना अपडेट मिल रहे हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री और गृह मंत्री के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करूंगा और उसी के संबंध में एक बैठक की अध्यक्षता करूंगा। सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से लेगी और न्याय दिलाने का प्रयास करेगी। यह अच्छा होगा अगर इसके बाद विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया जाए। केपीसीसी अभियान समिति के अध्यक्ष विनय कुमार सोरके, उडुपी की डिप्टी कमिश्नर डॉ. विद्याकुमारी, उडुपी जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक कुमार कोडवूर और कांग्रेस नेता प्रसादराज कंचन, मुनियाल उदयकुमार शेट्टी, एमए गफ्फूर और अन्य मौजूद थे।

राज्य विधानमंडल का संयुक्त सत्र आज से

विभिन्न मुद्दों पर बहस की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य विधानमंडल का संयुक्त सत्र सोमवार से शुरू होगा और यह सत्ताधारी और विपक्षी दलों के बीच वाकयुद्ध का मंच होगा। राज्यपाल थावर चंद गहलोत सुबह 11 बजे विधानसभा भवन में दोनों सदनों के सदस्यों को संबोधित करेंगे। राज्यपाल को विदाई देने के बाद दोनों सदनों की अलग-अलग बैठक होगी। हाल ही में दिवंगत हुए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की जाएगी। राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस मंगलवार से गुरुवार तक होगी। इस संदर्भ में, सत्ताधारी और विपक्षी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप होना आम बात है। विपक्षी दल पहले से ही विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी कर रहे हैं, जिनमें माइक्रोफाइनांस, महिला श्रमिकों की मौत, कानून और व्यवस्था के मुद्दे, आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि और मेट्रो रेल किराए में वृद्धि शामिल हैं। मैसूरु में एक पुलिस स्टेशन पर पथराव की घटना, महाराष्ट्र में एक ट्रांसपोर्ट कंपनी संचालक पर स्याही फेंकने का मामला और बेलगावी में एक कंडक्टर पर हमले का मामला सदन में गूंजने की संभावना है। बृहद बेंगलूरु महानगर पालिका का

विभाजन कर ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण का गठन करने तथा बीबीएमपी को दो से सात निगमों में विभाजित करने के लिए विधायक रिजवान अरशद की अध्यक्षता वाली संयुक्त समीक्षा समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट को लेकर प्रशासन और विपक्ष के बीच वाकयुद्ध की संभावना है। हाल ही में भाजपा और जेडीएस नेताओं ने समन्वय समिति की बैठक की और सदन में प्राथमिकता के आधार पर उठाए जाने वाले मुद्दों पर चर्चा के लिए एकजुट होकर लड़ने का फैसला किया। भाजपा-जेडीएस केपीएससी भर्ती में लगाए गए आरोपों, किसान आत्महत्या के मामलों, विकास कार्यों के लिए धन उपलब्ध न कराने के आरोपों, गर्मियों में पेयजल की समस्या, बिजली और लोड शेडिंग समेत कई ज्वलंत मुद्दों पर राज्य सरकार को आड़े हाथों लेने के लिए तैयार हैं। सत्तारूढ़ पार्टी भी विपक्षी दलों के आरोपों का उतनी ही ताकत से जवाब देने की तैयारी कर रही है। भाजपा-जेडीएस विपक्षी दलों को करारा जवाब देने के लिए तैयार है, जिसमें वे बताएँगे कि जब वे सत्ता में थे, तो उन्होंने किस तरह शासन किया। संभावना है कि विपक्षी दल पंचखत्री योजनाओं के क्रियान्वयन में देरी को सरकार और सत्तारूढ़ दल के खिलाफ हमला करने के लिए एक बड़े हथियार के रूप में इस्तेमाल करेंगे। सरकार विधानसभा चुनावों से पहले किए गए वादे के अनुसार पांच गारंटियों को दृढ़तापूर्वक लागू करके अपना बचाव करेगी। इस प्रकार, जन मुद्दों, प्रशासनिक मामलों, विकास कार्यों के लिए धन के मुद्दे समेत कई मुद्दों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग होने की संभावना है। राज्यपाल के अभिभाषण में अगर सरकार की उपलब्धियों का मुद्दा उठाया जाता है, तो इस बात की संभावना है कि विपक्षी दल सरकार की विफलताओं को गिनाएंगे। वित्त विभाग का प्रभार संभालने वाले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया 7 मार्च को 2025-26 का बजट पेश करेंगे। अगले सप्ताह से दोनों सदनों में बजट पर लंबी बहस शुरू होगी। विभागीय और मांगों पर चर्चा होगी और सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के विधायक चर्चा में भाग लेंगे। यह संभव है कि सत्तारूढ़ दलों के विधायक सरकार की आलोचना करेंगे, नोट्स बनाएंगे और उसे सलाह देंगे। इसी प्रकार, सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक भी पिछले दो बजट घोषणाओं को उचित ठहराने तथा इस बजट की भी प्रशंसा करने की संभावना रखते हैं। यह सत्र सोमवार से 21 मार्च तक चलेगा। सदन की व्यावसायिक सलाहकार समिति की बैठक में यह निर्णय लिया जाता है कि सत्र कितने समय तक चलेगा। कुल मिलाकर, इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह संयुक्त एवं बजट सत्र सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी दलों भाजपा एवं जेडीएस के बीच वाकयुद्ध का प्रमुख मंच होगा।

दक्षिण कन्नड़ में गर्मी और जल प्रदूषण से दोहरा खतरा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले में भीषण गर्मी जारी है, इसलिए स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों को पानी की गुणवत्ता के बारे में सतर्क रहने की चेतावनी दी है। उन्होंने चेतावनी दी है कि दूषित पानी से बीमारियों में वृद्धि हो सकती है।

पिछले साल, भीषण गर्मी के बाद, जिले में कई खाद्य विषाक्तता के मामले सामने आए। मेंगलूरु और तटीय क्षेत्र के निजी और सरकारी अस्पतालों में घटनाओं की सूचना मिली। एक उल्लेखनीय मामला कॉलेज के छात्रावास के छात्रों से जुड़ा था, जहां एक बड़ी खाद्य विषाक्तता की घटना सुर्खियों में रही। खाद्य विशेषज्ञों के अनुसार, अत्यधिक गर्मी और पानी की गुणवत्ता में बदलाव के संयोजन ने इन मुद्दों में योगदान दिया। गर्मियों के दौरान खाद्य विषाक्तता के कई कारण हैं, लेकिन दूषित पानी एक प्राथमिक कारक बना हुआ है। दूषित पानी न केवल खाद्य विषाक्तता का कारण बनता है, बल्कि गंभीर बीमारियों का भी कारण बनता है। मेंगलूरु शहर में पानी की कमी के कारण अक्सर टैंकर के पानी पर निर्भरता होती है। हालांकि, टैंकर के पानी के स्रोत, गुणवत्ता और स्वच्छता पर रिपोर्ट की आवश्यकता है, जिस पर मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन (एमसीसी) और स्वास्थ्य विभाग सहित अधिकारियों ने अभी तक ध्यान नहीं दिया है। डीके जिला स्वास्थ्य अधिकारी (डीएचओ) डॉ. थिमैया ने बताया पिछली बार, कई छात्रावासों में अशुद्ध जल आपूर्ति के कारण समस्याओं का सामना करना पड़ा था। छात्रावासों को जल गुणवत्ता हलफनामा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था। जब वे इस पर काम कर रहे हैं, तो हम एमसीसी आयुक्त के साथ पानी के टैंकर की गुणवत्ता पर चर्चा करने की योजना बना रहे हैं। लोगों को सलाह दी जाती है कि वे सुरक्षित पेयजल को प्राथमिकता दें और स्वच्छता बनाए रखें, खासकर चल रही गर्मी के दौरान।

अशोक पहले अपनी पार्टी में चल रहे स्ट्रीट ड्रामा को ठीक करें: एस. मनोहर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केपीसीसी महासचिव एस मनोहर ने आर. अशोक पर निशाना साधते हुए कहा यदि आप उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को निलंबित करने की बात कह रहे हैं तो आपको कौन सी नैतिकता कहनी चाहिए? आपके अपने नेता हाईकमान का दरवाजा खटखटा रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि पहले आपको और विजयेंद्र को पार्टी से निलंबित किया जाए। उन पर ध्यान दें और पहले अपनी स्थिति सुरक्षित करें। फिर डी.के. शिवकुमार के बारे में बात करें। डी.के. शिवकुमार और सिद्धरामैया राज्य में भाजपा के लिए एक सपना सच हो गए हैं। सिद्धरामैया के शासन में डी.के. शिवकुमार की संगठनात्मक ताकत के कारण भाजपा ने राज्य में अपनी स्थिति खो दी है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन उप-चुनावों में जनता ने उन्हें सबक सिखाया है। हर दिन यतनाल टीम आपको और विजयेंद्र को भाजपा से बाहर निकालने के लिए चिल्ला रही है। आपका भ्रष्टाचार हर दिन मीडिया के सामने खुलेआम उजागर हो रहा है। पहले इसका उत्तर दो। डी.के. शिवकुमार एक वफादार कांग्रेस नेता हैं। उन्होंने कहा कि आपमें इतनी नैतिकता नहीं है कि आप उनके बारे में अनावश्यक बात करें और कहा पहले अपनी पार्टी में चल रहे स्ट्रीट ड्रामा को ठीक करें। उन्होंने कहा कि रेणुकाचार्य, यतनाल, रमेश जारकीहोली और कुमार बंगारप्पा पर ध्यान दें।

तेज धूप शुरू होते ही नारियल पानी की कीमतों में उछाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में दिन-प्रतिदिन गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है और लोग सूरज की तपिश से परेशान हैं। प्यास बुझाने के लिए लोग ठंडे पेय पदार्थों का सहारा ले रहे हैं। प्राकृतिक पेय नारियल पानी की कीमत 60 रुपये पहुँच गया है। शिवरात्रि बीतते ही सूर्य का तापमान बढ़ता जा रहा है और लोग सुबह के सूरज के अभ्यस्त होते जा रहे हैं, उन्हें चिंता हो रही है कि वे दिन कैसे बिताएंगे, क्योंकि सूर्य अगले दो महीने तक रहेगा। एक व्यक्ति ने बताया कि गर्मियों में मैं ज्यादा खाना नहीं खाता, सिर्फ पेट भरने के लिए पानी पीता हूं। सुबह आठ बजे ही सूरज तेज हो जाता है। दोपहर में घर से बाहर निकलना बहुत मुश्किल हो रहा।

इसके अलावा, गर्म मौसम के कारण बाहर काम करने वालों को हीटस्ट्रोक और गर्मी से थकावट का सामना करना पड़ रहा है। राजधानी बेंगलूरु समेत कई जगहों पर लोग प्यास बुझाने के लिए शीतल पेय पदार्थों का सहारा ले रहे हैं। मांग बढ़ने के साथ ही गर्मी के साथ-साथ कीमतों में भी बढ़ोतरी हो गई है। एक महीने पहले बेंगलूरु में 30 रुपये में

मिलने वाला नारियल पानी अब 60 रुपये में मिल रहा है। मांड्या, मद्दुर, तुमकुरु, रामनगर, मगदी और अन्य स्थानों से नारियल पानी आ रहा है। लेकिन मांग बढ़ गई है और अपेक्षित मात्रा प्राप्त नहीं हो रही है।

पिछले साल इतनी भीषण गर्मी पड़ी कि नारियल के पेड़ पानी के बिना सूख गए। बाद में, बारिश के बाद, जो पेड़ फिर से उग आए और बच गए, उनसे उतना नारियल पानी नहीं निकला। इसके अलावा, बीमारी के कारण पैदावार भी कम हो गई है और बाजार में अपेक्षित मात्रा में बिक्री नहीं हो रही है। कहा जा रहा है कि मांग बढ़ने के कारण कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। हाल ही में, लोग स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक हो गए हैं और कृत्रिम पेय पदार्थों की तुलना में नारियल पानी का सेवन कर रहे हैं, जो एक प्राकृतिक पेय है जो शरीर को ठंडा रखता है, रसायन मुक्त है, और इसमें उत्कृष्ट औषधीय गुण हैं जिनमें मिलावट नहीं की जा सकती। यदि बाजार में एक नारियल 30 रुपये में भी उपलब्ध हो, तो परिवहन, कटाई और मजदूरी की लागत मिलाकर बेंगलूरु पहुंचने तक इसकी कीमत 60 रुपये हो जाती है, और किसानों को इससे ही लाभ होता है। यहां, व्यापारियों का मुनाफा उपभोक्ता की कीमत पर है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने कहा है कि मई के अंत तक राज्य में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहेगा और लोगों को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की सलाह दी है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

डीके सुरेश ने अपने भाई शिवकुमार को कर्नाटक के सीएम के रूप में देखने की इच्छा व्यक्त की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक कांग्रेस इकाई में सत्ता के बंटवारे को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच, पूर्व कांग्रेस सांसद और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के छोटे भाई डी के सुरेश ने अपने भाई को कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनते देखने की अपनी इच्छा दोहराई। उन्होंने शनिवार शाम को बेंगलूरु में मीडिया से बात करते हुए यह बयान दिया। अपने पिछले बयान के बारे में पूछे जाने पर कि उनकी इच्छा अपने भाई को मुख्यमंत्री बनते देखना है, सुरेश ने जवाब दिया अभी भी, मैं कहता हूं कि मेरी यह इच्छा है। मैंने अपनी इच्छा को छिपाया नहीं है। लेकिन इसके लिए समय आना चाहिए। सुरेश ने राज्य में मौजूदा राजनीतिक स्थिति को स्वीकार करते हुए कहा अभी, सिद्धरामैया मुख्यमंत्री हैं। कोई उन्हें हटाकर किसी और को नहीं ला सकता। यह कैसे संभव है? जब सिद्धरामैया उस पद पर हैं, तो हमें उनके सम्मान और गरिमा और लोगों के उन पर भरोसे पर विचार करना चाहिए। पार्टी यह सब तय करेगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें विश्वास है कि पार्टी अंततः शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाएगी, तो

सुरेश ने पुष्टि की डी.के. शिवकुमार खुद आस्थावान व्यक्ति हैं। सभी को आस्था के साथ जीना चाहिए। क्या कोई आस्था के बिना रह सकता है? सभी को जीवन में एक-दूसरे पर भरोसा करना चाहिए। शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री बनाना पर्याप्त था या नहीं, इस बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा यह पार्टी को तय करना है। शिवकुमार पार्टी में विश्वास करते हैं। अभी सिद्धरामैया मुख्यमंत्री हैं। इस समय सीएम पद पर चर्चा करने का कोई मतलब नहीं है। मुझे नहीं पता कि वह समय आएगा या नहीं। मैं इसके बारे में कुछ कैसे कह सकता हूँ? सुरेश से हाल ही में आई उन रिपोर्टों के बारे में भी पूछा गया, जिनमें कहा गया था कि शिवकुमार ने दिल्ली में हाईकमान के सामने अपने अधिकारों का दावा किया। उन्होंने इस तरह के दावों को खारिज करते हुए कहा मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। सिर्फ इसलिए कि शिवकुमार दिल्ली गए हैं, इसका ज्यादा मतलब निकालने की जरूरत नहीं है। वह पार्टी अध्यक्ष हैं और हर महीने, कभी-कभी हर 15 दिन में दिल्ली आते हैं। चाहे वह अध्यक्ष पद पर हों या न हों, वह आलाकमान के नेताओं से लगातार संपर्क बनाए रखते हैं। उन्होंने आगे स्पष्ट किया, यहां तक कि जब वह आधिकारिक या व्यक्तिगत काम से दिल्ली जाते हैं, तो उन्हें आलाकमान के नेताओं से मिलने की आदत है। इसलिए, उनके दौरे को अलग तरह से व्याख्या करने की जरूरत नहीं है। सुशासन सुनिश्चित करने और पार्टी संगठन को मजबूत करने के अलावा, शिवकुमार के पास कोई और एजेंडा नहीं है। अब जब वह उपमुख्यमंत्री हैं, तो अपने अधिकारों का दावा करने का सवाल ही नहीं उठता। सुरेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शिवकुमार की हालिया बैठक और केंद्रीय मंत्री अमित शाह के एक कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति को लेकर अटकलों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने बताया जब शिवकुमार प्रधानमंत्री से मिले और ईशा फाउंडेशन के कार्यक्रम में शामिल हुए, तो उन्होंने हाईकमान को सूचित कर दिया था। वे गुप्त रूप से नहीं गए थे। उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपनी यात्रा की घोषणा की थी। सद्गुरु व्यक्तिगत रूप से हमारे घर आए और उन्हें आमंत्रित किया, और उन्होंने निमंत्रण स्वीकार कर लिया और कार्यक्रम में शामिल हुए।

धार्मिक केंद्रों का दौरा कर रहे

अधिक व्यक्तिगत रूप से, सुरेश ने शिवकुमार की धार्मिक प्रथाओं के बारे में बात करते हुए कहा शिवकुमार हमेशा भगवान के प्रति समर्पित रहे हैं। उनका नाम शिवकुमार इसलिए रखा गया क्योंकि उनका जन्म भगवान शिव को दिए गए व्रत के परिणामस्वरूप हुआ था। हमारे पिता कभी भी शिव मंदिर में जाए बिना अपना दैनिक कार्य शुरू नहीं करते थे। जब भी हमें अवसर मिलता है, शिवकुमार और मैं दोनों शिव मंदिर जाते हैं। उन्होंने आगे कहा पिछले 35 सालों से शिवकुमार लगातार राज्य और देश भर के धार्मिक केंद्रों का दौरा कर रहे हैं। आजकल मीडिया की वजह से उनके मंदिर दौरे को प्रचार मिल रहा है। वे साल में दो या तीन बार कोल्लूर, कुक्के सुब्रमण्य और धर्मस्थल मंदिरों में जाते हैं। इसके अलावा वे श्रृंगेरी मठ, केरल, तमिलनाडु और उत्तर भारत के मंदिरों में भी जाते हैं। इसमें कुछ भी असामान्य नहीं है। एक हिंदू के तौर पर वे अपनी संस्कृति और परंपराओं का पालन कर रहे हैं।

अश्लील वीडियो की धमकी देकर महिलाओं से जबरन वसूली करने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कादरी पुलिस ने करकला के इदु गांव से सतीश होसमारू (36) को सोशल मीडिया पर महिलाओं के अश्लील वीडियो जारी करने की धमकी देकर उनसे पैसे ऐंठने के आरोप में गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, सतीश ने कथित तौर पर इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए महिलाओं के मोबाइल नंबर हासिल किए। इसके बाद उसने महिलाओं को धमकाया और उनके अश्लील वीडियो होने का दावा किया और पैसे की मांग की। साथ ही, उसने चेतावनी दी कि अगर वे ऐसा नहीं करेंगी तो वह वीडियो वायरल कर देगा। महिला की शिकायत के बाद कादरी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है, जिसमें कथित तौर पर उसकी जबरन वसूली से जुड़े सबूत मिले हैं। पता चला है कि सतीश के खिलाफ करकला ग्रामीण और शहर के पुलिस स्टेशनों में पहले से ही चोरी, छेड़छाड़ और बलात्कार के कई मामले दर्ज हैं। वह करीब एक साल पहले करकला शहर के पुलिस स्टेशन में दर्ज चोरी के एक मामले में जेल भी जा चुका है। गिरफ्तारी अभियान का नेतृत्व कादरी पुलिस इंस्पेक्टर सोमशेखर जे सी, सब-इंस्पेक्टर मनोहर प्रसाद और क्राइम डिटेक्शन टीम ने किया।

कलाकारों का सम्मान करना सीखें: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि कलाकार आपकी पार्टी के कार्यकर्ता नहीं हैं। कलाकारों के साथ वैसा व्यवहार न करें जैसा आप अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ करते हैं। कलाकारों का सम्मान करना सीखें। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस बारे में पोस्ट किया और आरोप लगाया कि 'डीसीएम डी.के. शिवकुमार, जो यह दावा करते थे कि विधायकों को अनुदान चाहिए तो उन्हें उनके सामने झुकना चाहिए, अब सार्वजनिक मंच पर कन्नड़ सिनेमा के कलाकारों को धमका रहे हैं। उन्होंने कहा स्वामी डीसीएम डी.के. शिवकुमार, यह कांग्रेस पार्टी के विवेक पर निर्भर करता है कि फिल्म कलाकार राजनीतिक जुलूस में आएंगे या नहीं। आपका यह कहना कि कांग्रेस पार्टी के लिए जुलूस निकालने वाले कलाकारों को

मान्यता मिलेगी, अन्यथा नहीं मिलेगी, आपके पद की गरिमा को नहीं बढ़ाता है। उन्होंने कहा इस बुरी मानसिकता से बाहर आएं कि समाज में हर किसी को उन्हें और उनकी पार्टी को सलाम करना चाहिए और उनके अधीनस्थों की तरह व्यवहार करना चाहिए। कलाकार किसी की संपत्ति नहीं हैं। कलाकारों को अपनी मर्जी के मुताबिक व्यवहार करने, किसी के साथ पहचान बनाने या न बनाने की स्वतंत्रता और अधिकार है। शनिवार को आयोजित बेंगलूरु फिल्म महोत्सव के उद्घाटन समारोह में अपने भाषण के दौरान, शिवकुमार ने अपनी नाराजगी व्यक्त की कि हालांकि उन्होंने मेकेदातु पदयात्रा को आमंत्रित किया था, लेकिन अभिनेता दुनिया विजय और साधु कोकिला के अलावा, अन्य अभिनेताओं और अभिनेत्रियों में से किसी ने भी भाग नहीं लिया।

सांसद के हस्तक्षेप के बाद एनएचएआई मुल्की-तलपडी राजमार्ग पर 4 स्थानों पर सर्विस रोड बनाएगा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बढ़ती यातायात संबंधी चिंताओं से निपटने के लिए, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनए-चएआई) ने मुल्की-तलपडी राजमार्ग खंड पर चार महत्वपूर्ण स्थानों पर सर्विस रोड बनाने की योजना की घोषणा की है। यह खुलासा तब हुआ जब सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने जिला विकास समन्वय और निगरानी (दिशा) की बैठक के दौरान मुल्की-हेजमाडी खंड पर सर्विस रोड निर्माण में देरी के बारे में कई महत्वपूर्ण सवाल उठाए। शनिवार शाम को जिला पंचायत में आयोजित इस बैठक में प्रमुख अधिकारियों ने कई सड़क अवसंरचना परियोजनाओं पर बहुत जरूरी अपडेट दिए। एनएचएआई के प्रतिनिधि अब्दुल्ला जावेद ने पुष्टि की कि मुल्की, पदुपनंबुर, हलियांगडी और बीरी में सर्विस रोड का निर्माण किया जाएगा,

जिसका निर्माण मानसून के बाद शुरू होगा।

यह क्षेत्र में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने और यातायात की भीड़ को दूर करने के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है। जावेद ने अन्य चल रही परियोजनाओं पर भी आशावादी प्रगति साझा की, जिसमें बताया गया कि अडाहोल और पेरियाशांति के बीच 95.4 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, और बी सी रोड से पेरियाशांति तक 75 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। बहुप्रतीक्षित कल्लदका फ्लाईओवर का काम पूरा होने वाला है और अप्रैल तक यह यातायात के लिए खुल जाएगा। यात्रियों के लिए अच्छी खबर यह है कि मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन (एमसीसी) के अधिकारियों ने घोषणा की है कि पंपवेल से गोरी-गुड्डा तक सर्विस रोड का निर्माण अगले सप्ताह शुरू होगा, जिसकी अनुमानित लागत 4 करोड़ रुपये है, जिसका उद्देश्य इस घनी आबादी वाले क्षेत्र में यातायात प्रवाह को आसान बनाना है। बुनियादी ढांचे पर चर्चा के दौरान, विधायक उमानाथ कोटियन ने हेजमाडी ग्राम पंचायत के स्थानीय निवासियों पर टोल के बोझ के बारे में चिंता जताई, और हेजमाडी टोल गेट पर टोल-मुक्त पहुंच की मांग की। एनएचएआई ने जवाब दिया, और आश्वासन दिया कि निवासियों को रियायती पास जारी किए गए हैं। जवाब में, सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने डिप्टी कमिश्नर को इस मुद्दे को आगे बढ़ाने और एक स्थायी समाधान खोजने के लिए एक समर्पित बैठक आयोजित करने का आदेश दिया। सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए, सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने केएसआरटीसी अधिकारियों को नेट्टाना से सुब्रमण्य क्षेत्र तक एक बस सेवा शुरू करने पर विचार करने का भी निर्देश दिया, यह एक ऐसा कदम है जो मेंगलूरु सेंट्रल से कबाका पुत्तुर ट्रेन सेवा के सुब्रमण्य रोड तक विस्तार के बाद तीर्थ नगरी को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान कर सकता है। कानून और व्यवस्था पर बढ़ती चिंताओं के मद्देनजर, एमएलसी किशोर कुमार ने अधिकारियों से क्षेत्र में बढ़ती नशीली दवाओं की समस्या के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया, जो कथित तौर पर स्थानीय समुदायों को प्रभावित कर रही है। बैठक में विधायक हरीश पूंजा ने 15 मार्च से एक महीने के लिए शिरडी घाट को बंद करने पर भी चिंता जताई। हासन के डिप्टी कमिश्नर द्वारा जारी किए गए इस फैसले से जिले में काफी व्यवधान पैदा होने की उम्मीद है, पूंजा ने यात्रियों पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए अधिकारियों के बीच समन्वय का आग्रह किया।

शिवकुमार ने सद्गुरु जग्गी वासुदेव के ईशा योग केंद्र की अपनी यात्रा का किया जोरदार बचाव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सत्तारूढ़ कांग्रेस के एक वर्ग की आलोचना के बीच कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रविवार को महाशिवरात्रि समारोह के लिए तमिलनाडु में सद्गुरु जग्गी वासुदेव के ईशा योग केंद्र की अपनी यात्रा का जोरदार बचाव करते हुए कहा कि यह उनका निजी विश्वास है। शिवकुमार, जो राज्य कांग्रेस के प्रमुख भी हैं, ने आने वाले दिनों में राज्य में तेजी से बदलते राजनीतिक घटनाक्रमों के बारे में भाजपा नेताओं के दावों को फर्जी करार देते हुए कहा कि भगवा पार्टी के कई नेता और विधायक उनकी पार्टी के संपर्क में हैं। शिवकुमार ने एक सवाल के जवाब में कहा सद्गुरु कर्नाटक से हैं। वे कावेरी जल और मिट्टी के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से आकर मुझे आमंत्रित किया। उनके बहुत से अनुयायी हैं और वे कुछ बेहतरीन काम कर रहे हैं।

कार्यक्रम में विभिन्न राजनीतिक दलों के विधायक और नेता मौजूद थे। मैं वहां गया था। यह मेरा निजी विश्वास है। इससे पहले सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना ने पलटवार करते हुए कहा है कि उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को स्वयं सद्गुरु जगदीश वासुदेव के साथ मंच साझा करने के बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए, जिन्होंने कहा था कि वह नहीं जानते कि राहुल गांधी कौन हैं। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने हाल ही में तमिलनाडु के कोयम्बत्तूर में आयोजित महाशिवरात्रि समारोह में भाग लिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस पर बड़ी राजनीतिक बहस हुई। इस बात के कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे कि डी.के. शिवकुमार ने अपना ध्यान भाजपा की ओर मोड़ लिया है। अधिकांश कैबिनेट मंत्री डी.के. शिवकुमार के कदम को कोई विशेष महत्व नहीं दे रहे हैं। मंत्रियों का कहना है कि उनकी मान्यताएं और प्रथाएं उनकी अपनी हैं। डी.के. शिवकुमार एक कट्टर कांग्रेसी हैं। वे इस हास्यास्पद व्याख्या का बचाव कर रहे हैं कि वे दलबदल कर लेंगे। लेकिन राजन्ना ने इसके विपरीत प्रतिक्रिया देते हुए कहा डी.के. शिवकुमार को अपनी राय व्यक्त करने दीजिए। उन्होंने कहा कि डी.के. शिवकुमार को सद्गुरु के साथ मंच साझा करने के बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए, जिन्होंने कहा था कि वह नहीं जानते कि राहुल गांधी कौन हैं। उन्होंने कहा कि डी.के. शिवकुमार को मुझसे ज्यादा जानकारी है कि राजनीति के बारे में कौन बात कर रहा है और क्या कह रहा है।

मेट्रो के लिए भूमि उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध: एम.बी. पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल ने कहा राज्य सरकार मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब के निर्माण के लिए हेब्बाल में 45 एकड़ जमीन बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को सौंपने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने मेट्रो को क्षेत्र सौंपने से जुड़ी कानूनी जटिलताओं और संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए अधिकारियों के साथ बैठक की।

बैठक के बारे में मीडिया को बयान देने वाले मंत्री पाटिल ने कहा बैठक में उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार भी मौजूद थे। राय व्यक्त की गई कि जमीन से जुड़े कानूनी मुद्दों को सुलझाने के बाद ही आगे कदम उठाए जाने चाहिए। अन्यथा, समस्या और भी बदतर हो जाएगी। इसलिए, सरकार सभी संभावनाओं की जांच करेगी और निर्णय लेगी। हेब्बाल के पास पर्यटन केंद्र के निर्माण के लिए एक निजी कंपनी ने 20 साल पहले 55 एकड़ 13 गुंटे जमीन का अधिग्रहण किया था। लेकिन परियोजना को लागू नहीं किया गया। जमीन का अधिग्रहण कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड ने किया था और जमीन मालिकों को अभी तक मुआवजा नहीं दिया गया है। इस संबंध में अदालत में कई विवाद हैं। उन्होंने कहा हालांकि जमीन दिए जाने के बाद कई साल बीत चुके हैं, लेकिन पिछली भाजपा सरकार ने निजी कंपनी को परियोजना पूरी करने के लिए तीन साल का समय और दिया था। देरी का यही कारण है। लेकिन हमारा लक्ष्य इन सभी बाधाओं को दूर करके जमीन मेट्रो को सौंपना है।

मत्स्य पालन मंत्री के खिलाफ राज्यपाल से शिकायत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मत्स्य पालन, बंदरगाह और अंतर्देशीय जल परिवहन मंत्री मंकल एस. वैद्य के खिलाफ वन भूमि पर कथित अतिक्रमण को लेकर राज्यपाल थावरचंद गहलोत को शिकायत सौंपी गई है। यह शिकायत कारवार जिले के भटकल कस्बे के आरटीआई कार्यकर्ता शंकर नाइक, नागेंद्र नाइक और नागेश नाइक ने दर्ज कराई है।

इसी तरह की एक शिकायत मुख्य वन संरक्षक को भी सौंपी गई है। साथ ही, कार्रवाई की मांग करते हुए कोर्ट में याचिका दायर की गई है। शिकायत के अनुसार, मंत्री ने अपने चिकित्सा शिक्षा संस्थान के लिए भटकल तालुक के बायलुरु वन क्षेत्र से वन भूमि पर कथित रूप से अतिक्रमण किया है। शिकायत में आगे कहा गया है कि अतिक्रमण 18 मई, 2024 को हुआ था। शिकायत दर्ज होने के बावजूद, वन अधिकारियों ने कथित तौर पर मंत्री वैद्य का नाम नहीं लिखा और इसके बजाय अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया। शिकायतकर्ताओं ने मंत्री वैद्य पर

कार्रवाई से बचने के लिए अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। इस घटनाक्रम को 3 मार्च से शुरू होने वाले बजट सत्र से पहले कांग्रेस सरकार के लिए झटका माना जा रहा है। इससे पहले यह बयान देकर विवाद खड़ा कर दिया था कि वे अधिकारियों को सार्वजनिक रूप से गौ तस्करों पर गोली चलाने का आदेश देंगे। कारवार जिला पंचायत में एक बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री वैद्य ने क्षेत्र में गाय चोरी की घटनाओं की एक श्रृंखला के बारे में बात की। उन्होंने कहा मैंने पुलिस अधीक्षक को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यह हर हाल में रुकना चाहिए। यह अन्याय है। हम गायों की पूजा करते हैं और उनका बहुत प्यार से पालन-पोषण करते हैं। हम उनका दूध पीकर बड़े हुए हैं और आज भी उसका सेवन करते हैं। उन्होंने आगे कहा मैंने पुलिस विभाग को बिना किसी हिचकिचाहट या बाहरी प्रभाव के सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। मैंने इसमें शामिल लोगों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की है। मंत्री वैद्य ने चेतावनी दी अगर स्थिति बिगड़ती है और ऐसी घटनाएं जारी रहती हैं, तो मैं कारणों की परवाह नहीं करूंगा। अगर मैं यह बयान देता हूं, तो इसे अतिवादी माना जा सकता है, लेकिन मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि इसमें शामिल लोगों को घेरे में खड़ा किया जाए और गोली मार दी जाए। अगर आगे भी कोई घटना हुई तो मैं उन्हें सार्वजनिक रूप से गोली मार दूंगा। कर्नाटक कांग्रेस ने मंत्री मंकल वैद्य की गाय तस्करों को गोली मारने' वाली टिप्पणी को ज्यादा तवज्जो नहीं दी।

मणिपुर में राज्यपाल की अपील का दिख रहा है असर

पांच जिलों में जमा कराए गए 42 हथियार और कारतूस

इंफाल, 02 मार्च (एजेंसियां)। मणिपुर में लोग लगातार अपने हथियार और कारतूस जमा कराने के लिए आगे आ रहे हैं। शनिवार को इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, चूराचांदपुर, बिष्णुपुर और तामेंगलोंग के लोगों ने 42 हथियार और कारतूस जमा कराए। पुलिस ने बताया कि बिष्णुपुर में दो पिस्टल, छह ग्रेनेड, 75 से अधिक कारतूस समेत पांच हथियार जमा करवाए गए। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला की अपील का असर दिख रहा है। लोग लगातार हथियार और कारतूस जमा कराने के लिए खुद ही आगे आ रहे हैं। शनिवार को इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, चूराचांदपुर, बिष्णुपुर और तामेंगलोंग के लोगों ने 42 हथियार और कारतूस जमा कराए। पुलिस ने बताया कि बिष्णुपुर में दो पिस्टल, छह ग्रेनेड, 75 से अधिक कारतूस समेत पांच हथियार जमा करवाए गए। बताया जाता है कि अब तक 300 हथियार जमा कराए जा चुके हैं।

तामेंगलोंग जिले के कैमाई पुलिस स्टेशन में सत्रह बंदूकें, नौ पोम्पी और कारतूस जमा किए गए। जबकि यिंगंगपोकपी, पोरोमपट, चूराचांदपुर और लामसांग में 10 हथियार और कारतूस जमा कराए गए। वहीं इंफाल पश्चिम के सैरेमखुल में सुरक्षा बलों ने 20 राउंड गोला बारूद से भरी मैगजीन के साथ इंसास राइफल, एके-56 राइफल, तीन एसएलआर राइफल, एसएमजी 9 एमएम कार्बाइन, एक डीबीबीएल बंदूक, चार ग्रेनेड, एक चीनी हथगोला और अन्य सामान जब्त किया।

कांगपोकपी में सुरक्षा बलों ने दो अवैध बंकरों को ध्वस्त कर दिया। इसके अलावा वाकन पहाड़ी पर तीन अन्य अवैध बंकरों को ध्वस्त किया गया। राज्यपाल ने 20 फरवरी को मैतेई और कुकी समुदाय से सुरक्षा बलों से लूटे गए हथियार तथा अवैध हथियार सात दिनों के भीतर स्वेच्छा से सौंपने की अपील की थी। उन्होंने आश्वासन दिया था कि ऐसा करने पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। शुक्रवार को राज्यपाल ने लूटे गए और अवैध हथियारों को पुलिस को सौंपने की समयसीमा बढ़ाकर छह मार्च शाम चार बजे तक कर दी।

मणिपुर में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था और विधानसभा को निलंबित कर दिया गया था। इससे कुछ दिन पहले ही एन बीरेन सिंह ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इससे राज्य में राजनीतिक अनिश्चितता की स्थिति पैदा हो गई थी। एन बीरेन सिंह ने करीब 21 महीने तक चली जातीय हिंसा के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इस हिंसा में अब तक 250 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

सीआरपीएफ कर्मी ने पाकिस्तानी से ऑनलाइन ब्याह रचाया

जम्मू, 02 मार्च (ब्यूरो)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक कर्मचारी ने पाकिस्तानी युवती से ऑनलाइन ब्याह रचाया। जम्मू के भलवाल में राब्ता तहसील के पास हंदवाल गांव के निवासी नजीर अहमद के पुत्र 72वीं बटालियन सीआरपीएफ में कार्यरत मुनीर अहमद पाकिस्तान के गुजरांवाला की रहने वाली मीनल खान ऑनलाइन निकाह किया। मीनल खान 15 दिन का प्रवेश परमिट प्राप्त करने के बाद कल देर रात भारत पहुंची। पंजाब में वाघा सीमा पर उसके ससुराल वालों ने उसका स्वागत किया और उसे हंदवाल गांव में उसके पति के घर तक पहुंचाया।

इस बीच दूल्हे के परिवार ने भी पुष्टि की है कि मीनल के प्रवेश के लिए सभी कानूनी प्रोटोकॉल का पालन किया गया था, और संबंधित एजेंसियों द्वारा आवश्यक अनुमति दी गई थी। नौ महीने के लंबे इंतजार के बाद शुक्रवार देर रात मीनल अपनी ससुराल पहुंचीं। जम्मू के भलवाल तहसील के राब्ता हंडवाल गांव निवासी नाजिर अहमद ने अपने बेटे मुनीर अहमद की शादी पाकिस्तान के सियालकोट पंजाब में स्थित कोटली फकीर चंद गुंजन निवासी अपने साले असगर खान की बेटी मीनल से तय की थी।

शादी से पहले मुनीर ने मीनल के वीजा के लिए आवेदन भी कर रखा था। लेकिन सरहद पर चल रही तल्खियों के चलते मीनल को वीजा नहीं मिल सका। आखिरकार पिछले साल 24 मई को मुनीर व मीनल ने ऑनलाइन निकाह कर अपने प्यार को रिश्ते का नाम दे दिया। शादी के बाद मीनल को 15 दिन का वीजा मिला है। लंबे इंतजार के बाद शुक्रवार सुबह वह वाघा बार्डर पहुंचीं। मुनीर बार्डर पर अपनी दुल्हन का इस्तकबाल करने के लिए पहले से ही पहुंचे थे। देर रात मीनल ससुराल पहुंचीं, जहां मुनीर के परिवारीजन ने उनका जोरदार स्वागत किया। परिवारीजन के मुताबिक मीनल के परिजन 1947 में देश के विभाजन के बाद पाकिस्तान चले गए थे।

75 ई-एफआईआर दर्ज कर जम्मू कश्मीर ने फिर मारी बाजी

जम्मू, 02 मार्च (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर पुलिस ने नए आपराधिक कानून, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत 75 से अधिक ई-एफआईआर दर्ज की हैं। इस तरह से इतनी ई-एफआईआर दर्ज करने वाला जम्मू कश्मीर पहला प्रदेश बन गया है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि नागरिकों को मौखिक, टेलीफोन या लिखित शिकायतों के अलावा एसएमएस, ईमेल, व्हाट्सएप, नागरिक सेवा केंद्र, वेब पोर्टल/इंटरनेट (ईफॉर्म) जैसे किसी भी इलेक्ट्रानिक फार्म में अपनी शिकायत दर्ज कराने की सुविधा प्रदान की गई है। अधिकारी ने बताया कि आज तक यूटी के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में एसएमएस और ईमेल के माध्यम से 52 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इसके अलावा नागरिक सेवा केंद्रों पर 64 शिकायतें और वेब पोर्टल/इंटरनेट (ईफार्म) से 10 शिकायतें प्राप्त हुई हैं और 75 से अधिक ऐसी शिकायतों को एफआईआर में बदल दिया गया है। बीएनएसएस की धारा 173 के अनुसार, पुलिस द्वारा प्राप्त कोई भी शिकायत (इलेक्ट्रानिक) रिकार्ड में दर्ज की जाएगी; हालांकि, शिकायतकर्ता को तीन दिनों के भीतर उस शिकायत (इलेक्ट्रानिक) पर हस्ताक्षर करना होगा।

अधिकारी ने कहा कि जीरो एफआईआर के संबंध में, अब तक केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में 100 से अधिक एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें से 83 एफआईआर जम्मू कश्मीर के बाहर विभिन्न पुलिस स्टेशनों में स्थानांतरित कर दी गई हैं। अधिकारी का कहना था कि चूंकि आम जनता साइबर अपराध के रुझानों के बारे में अच्छी तरह से जानती है, इसलिए विभिन्न स्तरों पर जांच और संतुलन शुरू किया गया है, ताकि किसी भी बदमाश द्वारा ईएफआईआर आदि प्रावधान की सुविधा का दुरुपयोग न किया जा सके।

अब कश्मीर में मचेगी ट्यूलिप की धूम

जम्मू, 02 मार्च (ब्यूरो)। इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन में 15 मार्च के बाद पर्यटकों का स्वागत करने की तैयारी तेजी से हो रही है। इस बार ट्यूलिप गार्डन में नीदरलैंड से आयातित दो नई किस्में भी शामिल हैं। डल झील और जबरवान पहाड़ियों के बीच बसे इस गार्डन में 75 किस्मों के 1.7 मिलियन ट्यूलिप बल्ब हैं। पिछले साल की जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद अधिकारियों को एक और रिकार्ड तोड़ने वाले सीजन की उम्मीद है, जिसमें केवल 30 दिनों में 4.5 लाख टूरिस्ट आए थे।

ट्यूलिप गार्डन के प्रभारी जाविद मसूद कहते हैं, कर्मचारी लगातार यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि गार्डन समय पर तैयार हो जाए। लगभग 100 माली और दिहाड़ी मजदूर रखरखाव और सौंदर्यीकरण में लगे हुए हैं। हमें इस साल और भी अधिक लोगों के आने की उम्मीद है। प्रत्याशित भीड़ को समायोजित करने के लिए पार्किंग स्थान का विस्तार किया गया है। मसूद के बकौल, पिछले साल, हम टूरिस्टों की भारी संख्या के कारण भीड़भाड़ से जूझ रहे थे। इस बार, हमने एक सहज अनुभव प्रदान करने के लिए पार्किंग क्षमता बढ़ा दी है।

स्थानीय दुकानदार भी पर्यटकों की आमद के लिए कमर कस रहे हैं।

गार्डन के पास एक हस्तशिल्प की दुकान चलाने वाले रियाज अहमद ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि ट्यूलिप का मौसम हमारे लिए सबसे अच्छा समय है। हम विदेशी पर्यटकों सहित अच्छी संख्या में ग्राहकों को देखते हैं, जो कश्मीरी शाल और स्मृति चिन्ह खरीदना पसंद करते हैं। पर्यटक भी उतने ही उत्साहित हैं। दिल्ली से आए एक पर्यटक अनिल शर्मा कहते हैं, मैंने पिछले साल यहां का दौरा किया था, और यह लुभावना था। इस साल ट्यूलिप की अधिक किस्मों के विचार से मुझे फिर से यहां आने का मन हुआ।

याद रहे ट्यूलिप गार्डन ने 2023 में एशिया के सबसे बड़े के रूप में वर्ल्ड बुक आफ रिकार्ड्स (लंदन) में प्रवेश किया, जिससे इसकी वैश्विक अपील मजबूत हुई। अधिकारियों ने पर्यटकों की आसान पहुंच की सुविधा के लिए ई-टिकट भी शुरू किए हैं। जीवंत फूलों और बढ़ी हुई सुविधाओं के साथ, इस साल का ट्यूलिप सीजन प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों दोनों के लिए एक खुशी की बात है।

ताजा बर्फबारी से सोनमर्ग में रौनक लौटी

जम्मू, 02 मार्च (ब्यूरो)। लंबे समय तक सूखे के बाद, मध्य कश्मीर के गंदरबल जिले में लोकप्रिय पर्यटन स्थल सोनमर्ग में कल और आज दो फुट की ताजा बर्फबारी हुई, जो इस मौसम की पहली बर्फबारी थी। अचानक हुई बर्फबारी ने सोनमर्ग को एक मनमोहक शीतकालीन वंडरलैंड में बदल दिया, जिसने कश्मीर और अन्य जगहों से पर्यटकों को आकर्षित किया। दूसरे शब्दों में कहें तो इस बर्फबारी के कारण न सिर्फ सोनमर्ग में नई जान आई है बल्कि रौनक भी लौटी है।

इस बर्फबारी के बाद बर्फ से ढके परिदृश्य के साथ एक आदर्श शीतकालीन पृष्ठभूमि प्रदान करते हुए, पर्यटकों को बर्फ से खेलते, रोमांचक स्लेज की सवारी का आनंद लेते और सफेद-टोपी वाले पहाड़ों के बीच खूबसूरत क्षणों को कैद करते देखा गया। पर्यटकों ने क्षेत्र की शांत सुंदरता में डूबते हुए अपनी उत्तेजना व्यक्त की, कुछ ने यह भी टिप्पणी की कि ऐसा लगा जैसे वे किसी सपने में कदम रख रहे हों। पहली बार सोनमर्ग का दौरा करने वाले हैदराबाद के एक परिवार का कहना था कि आज सोनमर्ग पहुंचकर और बर्फ की ताजा परत से सजे मनमोहक पहाड़ों को देखकर ऐसा लग रहा है जैसे हमारा सपना सच हो गया हो सुरंग के खुलने से सोनमर्ग तक पहुंच काफी आसान हो गई है, जिससे पर्यटक आसानी से इस क्षेत्र में पहुंच सकते हैं और ताजी बर्फबारी का आनंद ले सकते हैं।

सोनमर्ग विकास प्राधिकरण (एसडीए) यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है कि पर्यटकों की आमद को पर्याप्त सुविधाएं मिलें। स्थानीय अधिकारी टूरिस्ट्टों को ठहराने और क्षेत्र में उनके अनुभव को बेहतर बनाने के लिए व्यवस्था करने में लगे हुए हैं। एक अधिकारी का कहना था कि अब सभी सड़कें सोनमर्ग की ओर जाती हैं, क्योंकि देश भर से पर्यटक इस जगह की सर्दियों की खूबसूरती का आनंद लेने के लिए उत्सुक रहते हैं। बर्फबारी और नई सुरंग के माध्यम से बेहतर पहुंच के संयोजन ने सोनमर्ग को सर्दियों के पर्यटकों के लिए और भी अधिक आकर्षक गंतव्य बना दिया है। चूंकि सोनमर्ग में पर्यटन में लगातार वृद्धि हो रही है, इसलिए स्थानीय प्रशासन आगंतुकों के लिए सुगम यात्रा और इष्टतम सुविधाएं सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिससे सोनमर्ग को कश्मीर के सबसे पसंदीदा सर्दियों के स्थलों में से एक के रूप में अपना स्थान फिर से हासिल करने में मदद मिल रही है।

कैसे कैसे जज!

12 साल तक जज ने बीवी को नहीं दिया गुजारा भत्ता

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जारी किया सख्त फरमान

प्रयागराज, 02 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि एक जज जिसे पत्नी के कानूनी अधिकारों की जानकारी है, गुजारा भत्ता देने के बजाय कानूनी प्रक्रिया में उलझाये रखा। पत्नी को परिवार अदालत के आदेश के बावजूद गुजारा भत्ते का भुगतान नहीं किया। पति ने कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग किया। पत्नी के साथ कानूनी लड़ाई जारी रख न्याय में देरी की। पत्नी हाईकोर्ट से सहानुभूति पाने की हकदार है।

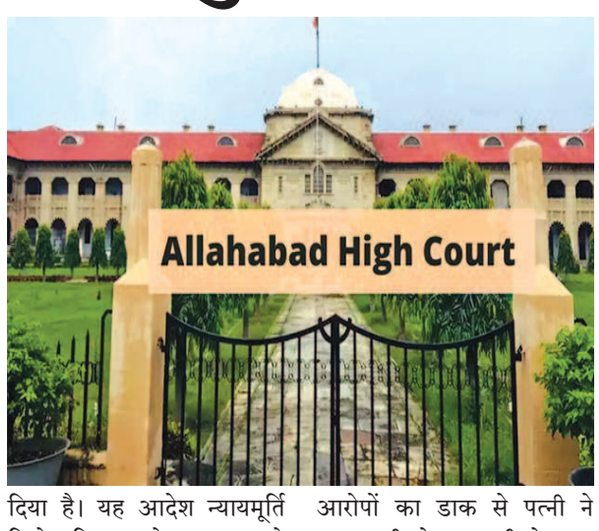

हाईकोर्ट ने कहा, पत्नी अर्जी की तिथि से गुजारा भत्ता पाने की हकदार हैं। कोर्ट ने विशेष न्यायाधीश डकैती प्रभावित एरिया एटा के पद पर कार्यरत पति अली रजा के वेतन खाते से हर माह 20 हजार रुपए पत्नी को भेजने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने प्रधान न्यायाधीश परिवार अदालत सोनभद्र को तीन हफ्ते में जोड़कर 50 हजार रूपए वाद खर्च सहित पूरा बकाया छह माह में भुगतान सुनिश्चित कराने का भी निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने शबाना बानो की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। याचिका में गुजारा भत्ता बढ़ाने की भी मांग की गई थी।

दोनों का निकाह 4 मई 2002 को हुआ था। याची का कहना था कि विपक्षी सिविल जज था। शादी में तीस लाख खर्च हुआ। इंडिका कार भी दी। फिर भी 20 लाख अतिरिक्त मांगे। दोनों से चार बच्चे (तीन लड़की एक लड़का) भी है जो पति के साथ है। 18 नवम्बर 2013 को उसे घर से निकाल दिया। 2 दिसम्बर 2013 को तलाकनामा भेज दिया। झूठे आरोपों का डाक से पत्नी ने जवाब भी भेजा। पत्नी ने धारा 125 में कंप्लेंट दाखिल किया।

हाईकोर्ट ने कहा 15 जनवरी 2014 से केस की 64 बार सुनवाई तिथि लगी। विपक्षी नोटिस के बावजूद कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ। मामला मेडियेशन भी भेजा गया। 35 बार सुनवाई टलवाई गई। अंतरिम भत्ता अर्जी पर 47 तिथि लगी। निष्पादन अदालत में हाजिर नहीं हुए और न ही भत्ते का भुगतान किया। कोर्ट ने परिवार अदालत के प्रधान न्यायाधीश की भी अदालती कार्यवाही को लेकर आलोचना की है।

सब्जी के नीचे छिपाकर ले जा रहे थे विदेशी शराब, पुलिस ने 1153 लीटर जब्त की

किशनगंज, 02 मार्च (ब्यूरो)। किशनगंज पुलिस ने शराब तस्करी के बड़े मामले का पर्दाफाश करते हुए 1153 लीटर विदेशी शराब बरामद की है। पाठामारी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए टाटा इंट्रा वाहन से शराब जब्त की और एक तस्कर को गिरफ्तार किया।

पुलिस को सूचना मिली थी कि ठाकुरगंज की ओर से एक वाहन में बड़ी मात्रा में शराब तस्करी की जा रही है। इस पर रविवार दोपहर पुलिस ने वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक गति बढ़ाकर भागने लगा। पुलिस टीम ने छक-327-ए पर पीछा कर वाहन को रोका। गिरफ्तार आरोपी की पहचान धर्मेंद्र राय (35 वर्ष), निवासी गोरगामा, थाना महुआ, जिला वैशाली के रूप में हुई। पूछताछ में उसने बताया कि वाहन में शिमला मिर्च और अन्य सब्जियां लदी हैं, लेकिन जब पुलिस ने तलाशी ली तो सब्जियों के नीचे छिपाकर रखी गई विदेशी शराब के कई कार्टून मिले।

थाना अध्यक्ष आनंद कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि छापेमारी दल में पुलिस अधिकारी मणि पासवान, राज कुमार रजक और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस ने शराब के साथ टाटा इंट्रा वाहन को भी जब्त कर लिया है। आरोपी से पूछताछ जारी है और आगे की जांच की जा रही है।

सड़क हादसे कम करने के लिए सीएम योगी का फैसला

एक्सप्रेस-वे पर नहीं बिकेगी शराब

लखनऊ, 02 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में हाइवे किनारे दुकानों में हो रही शराब बिक्री पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में होने वाले सड़क हादसों को रोकने के लिए हाईवे के किनारे स्थित दुकानों में शराब बिक्री रोकने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ओवर स्पीडिंग, ड्रंकन ड्राइव, गलत साइड पर गाड़ी चलाना, जंपिंग रेड लाइट एवं मोबाइल फोन का उपयोग सड़क दुर्घटना घटित होने के मुख्य कारक हैं। इसके लिए लोगों में जागरूकता फैलाने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अक्सर यह देखा गया है कि शराब की दुकानों के साइनेज बहुत बड़े होते हैं, इन्हें छोटा किया जाए। बिना परमिट की बसें सड़कों न चलने पाएं। डग्गामार वाहनों एवं ओवरलेडेड ट्रकों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करें। दूसरे प्रदेश से आने वाले बिना परमिट के वाहनों को बॉर्डर पर रोकें। सीएम योगी ने कहा कि ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन एवं व्हीकल एसोसिएशन से संवाद स्थापित कर यह सुनिश्चित कराएं कि लंबी दूरी के वाहनों पर दो ड्राइवर हों। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सड़क दुर्घटनाओं के वार्षिक आंकड़ों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 में 46052 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। इसमें 34600 लोग घायल हुए हैं, जबकि 24 हजार से अधिक मौतें हुई हैं, जो कि अत्यंत दुखद है। इसे हर हाल में न्यूनतम करना होगा। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय बनाकर सामूहिक प्रयासों के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करें। साथ ही प्रदेश के सभी मार्गों पर ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर उन्हें ठीक कराएं।

मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों के उपचार के विषय में चिंता करते हुए कहा कि सभी एक्सप्रेस-वे के दोनों तरफ फूड प्लाजा की तरह अस्पताल की व्यवस्था करें।

साथ ही सभी मंडल मुख्यालयों के अस्पतालों में ट्रामा सेंटर, एंबुलेंस एवं ट्रेंड की स्टाफ को तैनाती भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 में प्रदेश के 75 जनपदों हुई दुर्घटनाओं में सबसे ज्यादा 20 जनपदों- हरदोई, मथुरा, आगरा, लखनऊ, बुलन्दशहर, कानपुर नगर, प्रयागराज, सीतापुर, उन्नाव, बाराबंकी, लखीमपुर खीरी, बरेली, अलीगढ़, गौतमबुद्धनगर, शाहजहांपुर, गोरखपुर, कुशीनगर, बदायूं, मेरठ और बिजनौर में जनहानि हुई है। प्रदेश में कुल हुई दुर्घटना मृत्यु में 42 प्रतिशत इन जनपदों से है। उन्होंने इसको नियंत्रित करने के लिए दुर्घटना के कारकों को खोजने एवं लोगों में सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यह आवश्यक है कि जनपद स्तर पर प्रत्येक माह एवं मंडल स्तर पर त्रैमासिक मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक अनिवार्य रूप से हो। उन्होंने कहा कि प्रदेश के छह मंडलों अयोध्या, प्रयागराज, वाराणसी, आजमगढ़, सहारनपुर एवं आगरा मंडल में पिछले वर्ष हुई सिर्फ एक ही बैठक हुई है, जिसे बढ़ाने की आवश्यकता है। बस्ती, लखनऊ, गोरखपुर और मिर्जापुर में हुई चार बैठकों पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों के उपचार के विषय में चिंता करते हुए कहा कि सभी एक्सप्रेस-वे के दोनों तरफ फूड प्लाजा की तरह अस्पताल की व्यवस्था करें। साथ ही सभी मंडल मुख्यालयों के अस्पतालों में ट्रामा सेंटर, एंबुलेंस एवं ट्रेंड की स्टाफ को तैनाती भी सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि एक्सप्रेस-वे एवं हाइवे पर क्रेन, पेट्रोलिंग वाहन और एंबुलेंस की संख्या बढ़ाएं। प्रदेश में एनएचआई की 93 सड़कें हैं, इनमें से सिर्फ चार सड़कों पर कैमरे लगें, बाकी सड़कों पर भी कैमरे लगाएं। सीएम योगी ने कहा कि अक्सर यह देखा गया है कि सड़क पर करते समय भी बहुत सी दुर्घटनाएं हो जाती हैं, इसके दृष्टिगत एनएचआई की बहुत सी सड़कों पर फुट ओवर ब्रिज की आवश्यकता है, स्थानों को चिन्हित कर उनका भी निर्माण कराएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी प्रमुख मार्गों पर सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित साइनेज अवश्य लगाएं।

सीएम योगी ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में यह देखने को मिलता है नाबालिक बच्चे ई-रिक्शा चला रहे हैं। इस पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए। साथ ही सभी ई-रिक्शा ड्राइवर का वैरिफिकेशन अवश्य कराएं। उन्होंने कहा कि आरटीओ ऑफिस को बिचौलियों से पूर्णतः मुक्त रखें, इसके लिए समय-समय पर रैंडम चेकिंग अभियान चलाएं। सीएम योगी ने कहा कि सड़क जाम एक बड़ी समस्या बनती जा रही है, ट्रैफिक के सुचारू संचालन के लिए प्रदेश में प्रयाप्त मैनपॉवर उपलब्ध है। आवश्यकता पड़ने पर सिविल पुलिस, पीआरडी और होमगार्ड के जवानों को ट्रेनिंग देकर ट्रैफिक प्रबंधन को बेहतर बनाएं। उन्होंने कहा कि अस्पतालों, स्कूलों एवं मुख्य बाजारों के बाहर टेबल टॉप स्पीड ब्रेकर का निर्माण कराए।

मिशनरियों का मिशन मुस्लिम

गरीब मुस्लिम परिवारों पर साध रहे निशाना

लखनऊ, 02 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में मिशनरियों के मिशन मुस्लिम में बात सिर्फ धर्मांतरण तक ही सीमित नहीं है। परिवार की पृष्ठभूमि खंगाल कर सीधे संस्कार पर चोट की जा रही है। इसके लिए आर्थिक रूप से कमजोर और सामाजिक रूप से उपेक्षित मुस्लिम परिवारों का विवरण जुटाया गया है। अवध क्षेत्र के सीतापुर, अंबेडकरनगर व अयोध्या में केरल व झारखंड की तरह विपन्न मुस्लिम परिवारों के धर्मांतरण के लिए मिशनरियां महिलाओं के बीच पैठ बना रही हैं। बात शिक्षा, स्वास्थ्य और नौकरी से होते हुए पूजा पद्धति में बदलाव तक पहुंच रही है।

सुरक्षा एजेंसियों की रिपोर्ट बताती है कि मिशनरियों का मिशन मुस्लिम एक दिन का प्रयास नहीं है। इसके लिए उन्होंने बकायदा रणनीति तैयार की है। चरणवार काम कर रहे हैं। पहला चरण संबंधित परिवार के आर्थिक व सामाजिक स्तर का अध्ययन होता है।

इसके बाद देखा जाता है कि परिवार में कोई गंभीर बीमार तो नहीं है। पूरे विवरण और अध्ययन के बाद मिशनरी का एक सदस्य परिवार के पास सामान्य रूप से पहुंचता है। अब शुरू होता है दूसरा चरण। वह मानवीय स्तर पर संबंधित परिवार से जुड़ने की कोशिश करता है। इसमें छह महीने से एक वर्ष तक का समय लग जाता है। तीसरे चरण की शुरुआत होम प्रेयर (प्रार्थना) से होती है। पांचवें चरण में परिवार की आर्थिक रूप से मदद की जाती है। इलाज में सहयोग किया जाता है। इलाज को चमत्कार बताते हुए ईशु की महिमा का बखान होता है।

आईबी के पूर्व अधिकारी संतोष सिंह बताते हैं कि धर्मांतरण का सबसे अहम छठा चरण है। इसी में संस्कृति और आस्था को अलग किया जाता है। यह क्रम पूजा पद्धति में बदलाव के रूप में सामने आता है। संबंधित व्यक्ति न नाम बदलता है और न ही पहनावा। वह मन से तो धर्म बदल चुका होता है, लेकिन रहन सहन पूर्व की तरह होने से पहचानना मुश्किल होता है कि धर्मांतरण हुआ है या नहीं। ज्वाय मैथ्यू ने कहा कि धर्मांतरण की बात गलत है, लेकिन लोग खुद किसी धर्म से प्रभावित होकर उसे अपनाना चाहते हैं तो इसमें गलत क्या है। इसका विरोध नहीं होना चाहिए। धर्म आखिर धारण करने का विषय है, बशर्ते उसमें दबाव और प्रलोभन न हो।

लखनऊ विवि के समाजशास्त्री डॉ. पवन मिश्रा ने बताया कि पूर्वांत्तर भारत की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। वहां 80 प्रतिशत लोग ईसाई धर्म स्वीकार चुके हैं। श्रीमंत शंकर देव अगर असम में नव वैष्णव आंदोलन (एक शरणीया नाम-धर्म) नहीं शुरू करते तो वहां हिंदू बचते ही नहीं। अब अगर मिशनरियां मुस्लिम परिवारों का भी धर्मांतरण करा रही हैं तो यह सोचने वाली बात है। उनकी योजना बड़ी सुनियोजित होती है।

यूपी परिवहन निगम की बसों से महाकुंभ पहुंचे 3.25 करोड़ श्रद्धालु

लखनऊ, 02 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों ने 3.25 करोड़ श्रद्धालुओं को महाकुंभ पहुंचाया। इसके लिए प्रदेश के सभी रूटों के लिए बसों का पूरा इंतजाम किया गया। विभिन्न स्थानों से 750 शटल बसें निरंतर लोगों की सेवा में लगी रही हैं।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा, शटल सेवा ने 45 दिनों तक चले इस महाकुंभ में 1.25 करोड़ लोगों को पार्किंग स्थल से महा कुंभ के नजदीकी स्थान तक पहुंचाया। महाकुंभ में उमड़े जन सैलाब को देखते हुए बसों और चार पहिया वाहनों को शहर के

बाहर पार्किंग में खड़ा करना यातायात योजना का हिस्सा था। पार्किंग स्थल से कुंभ क्षेत्र तक लाने में जुटी रही शटल बस सेवा निरंतर इस कार्य में लगी रही।

होली के दौरान लखनऊ से दिल्ली, कानपुर, गोरखपुर, बहराइच, गोंडा, आजमगढ़, दे-हरादून, हरिद्वार, बनारस, प्रयागराज, आगरा और रायबरेली के बीच सबसे ज्यादा सवारियों के आवागमन की संभावना है। इसे देखते हुए होली स्पेशल बसों का आवंटन हर रूट के लिए किया गया है। इस संबंध में लखनऊ परिक्षेत्र के सभी सातों डिपो को आरएम की ओर से दिशा निर्देश भेज दिए गए हैं। आठ दिनों तक संचालित होने की होली स्पेशल बसें चारबाग, आलमबाग, कैसरबाग, अवध, रायबरेली बाराबंकी, हैदरगढ़, उपनगरीय डिपो शामिल हैं। एसी बसें भी संचालित की जाएंगी। यात्रियों के लिए एसी बसों में तत्काल या एडवांस बुकिंग खोल दी गई है।

मेरे जिंदा रहते अब कोई नहीं होगा मेरा उत्तराधिकारी

यह कहते हुए मायावती ने आकाश आनंद को सभी पदों से हटाया

लखनऊ, 02 मार्च (एजेंसियां)। बसपा प्रमुख मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया है। मायावती ने कहा, मेरे जिंदा रहने तक अब कोई मेरा उत्तराधिकारी नहीं होगा। रिश्ते नातों का कोई महत्व नहीं है। आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ के निष्कासन के बाद मायावती का यह दूसरा बड़ा फैसला है।

दूसरी तरफ मायावती ने आकाश के भाई आनंद कुमार और रामजी गौतम को बड़ी जिम्मेदारी दी है। दोनों को नेशनल

कोआर्डिनेटर बनाया गया है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि अब मैंने खुद भी यह फैसला लिया है कि मेरे जीते जी और मेरी आखिरी सांस तक भी अब पार्टी में मेरा कोई भी उत्तराधिकारी नहीं होगा। मायावती के इस फैसले का पार्टी के लोगों ने दिल से स्वागत किया है। मायावती ने कहा, मेरे लिए पार्टी और मूवमेंट पहले है। भाई-बहन और उनके बच्चे तथा अन्य रिश्ते नाते सब बाद में आते हैं।

मायावती ने कहा, आनन्द कुमार के बारे में मैं यह भी अवगत कराना चाहती हूं कि वर्तमान में बदले हुए हालात में पार्टी और मूवमेंट के हित में अब इन्होंने अपने बच्चों का रिश्ता भी गैर-राजनीतिक परिवार के साथ ही जोड़ने का फैसला लिया है ताकि अशोक सिद्धार्थ की तरह अब आगे कभी भी अपनी पार्टी को किसी भी प्रकार से कोई नुकसान न हो। मायावती ने कहा, अशोक सिद्धार्थ को, जो आकाश आनन्द के ससुर भी हैं, उन्हें अब पार्टी से निकाल कर बाहर किया है। उसने उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में पार्टी को दो गुटों में बांटकर इसे कमजोर करने का घिनौना कार्य किया है, जो कतई बर्दाश्त करने लायक नहीं है।

बसपा सुप्रीमो ने मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव नहीं लड़ने के फैसले के बावजूद समाजवादी पार्टी की हार का उल्लेख करते हुए कहा कि अब इसके लिए सपा किसको ज़िम्मेदार ठहराएगी क्योंकि पिछले उपचुनाव में पार्टी की हार के लिए सपा ने बसपा को जिम्मेदार ठहराने का मिथ्या प्रचार किया था। जबकि कुल मिलाकर, सपा और भाजपा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और भाजपा व अन्य जातिवादी पार्टियों को केवल अम्बेडकरवादी नीति व सिद्धान्त वाली बसपा ही पराजित कर सकती है, यह बात पूरे देश के सर्वसमाज के लोगों को जरूर समझना चाहिए।

राम दरबार की मूर्तियों पर ट्रस्ट ने लगाई मुहर

मंदिर के शिखर निर्माण का काम 80 फीसदी पूरा

अयोध्या, 02 मार्च (एजेंसियां)। श्रीराम मंदिर ट्रस्ट की टीम ने राम दरबार की जयपुर में बन रहे विग्रह पर स्वीकृति दे दी है। राम जन्मभूमि परिसर में राम मंदिर के अलावा 15 अन्य मंदिर भी बन रहे हैं। राम मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार की स्थापना रामनवमी के पहले हो सकती है। जयपुर में बन रहीं राम दरबार की मूर्तियां तैयार हो चुकी हैं। मार्च के दूसरे सप्ताह में मूर्तियों के अयोध्या पहुंचने की संभावना है। राम दरबार की मूर्तियों पर राम मंदिर ट्रस्ट ने मुहर लगा दी है। 26 फरवरी को जयपुर गई ट्रस्ट की टीम ने मूर्ति निर्माण कार्य देखा। जयपुर में 15 मंदिरों की मूर्तियां बन रही हैं।

राम जन्मभूमि परिसर में राम मंदिर के अलावा 15 अन्य मंदिर भी बन रहे हैं। इन मंदिरों में स्थापित होने वाली मूर्तियों का निर्माण जयपुर में मूर्तिकार सत्यनारायण पांडेय की टीम कर रही है। विगत दिनों राम मंदिर

ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, आर्किटेक्ट आशीष सोमपुरा ने जयपुर जाकर मूर्ति निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। सफेद संगमरमर पर बन रहीं दरबार की मूर्तियां ट्रस्ट को पसंद आ गई हैं और ट्रस्ट ने इसे फाइनल कर दिया है। बताया गया कि राम दरबार की मूर्तियों के निर्माण का काम 90 फीसदी पूरा हो चुका है। 15 मार्च के बाद इन मूर्तियों के अयोध्या पहुंचने की संभावना है।

रामनवमी का पर्व 30 मार्च से शुरू हो रहा है। रामनवमी का मुख्य उत्सव रामजन्मोत्सव छह अप्रैल को मनाया जाएगा। रामनवमी के उत्सव से पहले राममंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार की स्थापना की जा सकती है। राम मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार की स्थापना के लिए गर्भगृह बनकर तैयार है। महापीठ (जहां मूर्ति स्थापित होगी) भी बनकर तैयार है। दूसरे तल पर दुनिया में प्रचलित सभी भाषाओं की रामायण का संग्रह किए जाने की योजना है।

राम दरबार के लिए बनाए जा रहे विग्रह की ऊंचाई 4.5 फीट तय की गई है। दरबार का सिंह-आसन भी स्वर्ण जड़ित होगा। मंदिर के दरवाजे भी स्वर्ण जड़ित होंगे। भगवान राम और माता सीता का श्रीविग्रह श्वेत संगमरमर की एक शिलाखंड पर ही निर्मित हो रहा है, जबकि हनुमान जी के अलावा तीनों भाइयों (भरत-शत्रुघ्न व लक्ष्मण) के विग्रह का निर्माण अलग-अलग शिलाखंड में हो रहा है। इनकी ऊंचाई दो से तीन फीट के बीच होगी। बाण व धनुष का निर्माण अलग से किया जा रहा है। इसके लिए जयपुर में परकोटा के छह मंदिर व सप्त मंडपम के सात मंदिरों की भी मूर्तियां सफेद संगमरमर पर ही बन रही हैं।

राम मंदिर के शिखर निर्माण का 80 फीसदी काम पूरा हो चुका है। शिखर का निर्माण कुल 29 लेयर में किया जाना है। अब तक 21 लेयर का काम पूरा हो चुका है। आठ लेयर का काम बाकी है, शिखर निर्माण का काम मार्च के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। राममंदिर के 161 फीट ऊंचे शिखर पर 44 फीट ऊंचा धर्मध्वज दंड भी लगाया जाना है।

संभल के 4 प्राचीन तीर्थ स्थलों के कुंड में मिलेगा त्रिवेणी का जल

संभल, 02 मार्च (एजेंसियां)। संभल जनपद के चार प्राचीन तीर्थ स्थलों के कुंड में प्रयागराज संगम के त्रिवेणी का जल छोड़ा जाएगा।

जो लोग महाकुंभ-2025 में स्नान करने के लिए प्रयागराज नहीं जा पाए थे वे इन कुंड में आस्था की डुबकी लगा सकते हैं। यह जानकारी रविवार को पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने मीडिया से बात करते हुए दी।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि शासन द्वारा प्रयागराज से त्रिवेणी संगम का पवित्र जल टैंकर के माध्यम से जनपद में भेजा जा रहा है। यह जल संभल के चंदौसी स्थित वंश गोपाल तीर्थ, कुरुक्षेत्र मंदिर तीर्थ, नैमिषारण्य तीर्थ (शिवनाथधाम), तीर्थ रोड मंदिर हयातनगर के कुंडों में मिलाया जाएगा। जो लोग प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में नहीं जा पाए थे वह इन कुंडों में स्नान कर सकते हैं। साथ ही इस पवित्र जल को अपने घर भी ले जा सकते हैं।

गोरखपुर में मस्जिद कमिटी ने खुद गिराया 4 मंजिला ढांचा

गोरखपुर, 02 मार्च (एजेंसियां)। गोरखपुर में मस्जिद कमिटी ने घोष कंपनी चौक पर स्थित अबू हुरैरा मस्जिद को स्वेच्छा से गिराना शुरू कर दिया है। इस मस्जिद को अवैध तरीके से बनाया गया था। अवैध निर्माण को लेकर गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने 15 दिन पहले नोटिस जारी किया था। नोटिस की अवधि खत्म होने के साथ ही मस्जिद कमिटी ने शनिवार को खुद ही ढांचा गिराना शुरू कर दिया।

गोरखपुर में घोष कंपनी चौक के पास नगर निगम की जमीन पर अवैध रूप से चार मंजिला का मस्जिद बना दिया गया था। निगम ने इस अवैध ढाँचे को हटाने के लिए मस्जिद कमिटी को कई नोटिस जारी किए थे। कुछ महीने पहले बुलडोजर लगाकर अवैध अतिक्रमण को हटा दिया गया था।

हालाँकि, उसी जमीन पर चार मंजिल की एक मस्जिद फिर से बना दी गई। कहा जा रहा है कि डिजाइन को मंजूर कराए बिना ही इस मस्जिद का निर्माण किया गया था। इसके बाद गोरखपुर विकास प्राधिकरण ने मस्जिद समिति को

नोटिस जारी कर उन्हें 15 दिनों के भीतर परिसर खाली करने का आदेश दिया। यह नोटिस मस्जिद की देखभाल करने वाले के बेटे शोएब अहमद को 15 फरवरी को दी गई थी और अवैध निर्माण हटाने का निर्देश दिया गया था।

समय सीमा समाप्त होने के बाद मस्जिद समिति के सदस्यों ने शनिवार (1 मार्च) को खुद ही निर्माण को ध्वस्त करना शुरू कर दिया। अब उसी जमीन पर बहुस्-तरीय व्यावसायिक परिसर का निर्माण किया जाएगा। बता दें कि हाल ही में गोरखपुर के पड़ोसी जिले कुशीनगर में मदनी मस्जिद को बुलडोजर लगाकर गिरा दिया गया था। इसी तरह मेरठ में 85 साल पुरानी जहाँगीर खान मस्जिद भी गिरा दी गई। पिछले महीने की शुरुआत में गोरखपुर विकास प्राधिकरण ने एक तीन मंजिला मस्जिद को गिराने के लिए 15 दिन का अल्टीमेटम जारी किया था। इसे पिछले विध्वंस के बाद हाल ही में फिर से बनाया गया था। जीडीए के अनुसार, मस्जिद को घोष कंपनी चौराहे के पास नगर निगम की जमीन पर अवैध रूप से बनाया गया था।

इस नोटिस को 15 फरवरी को मस्जिद के ट्रस्टी के बेटे शोएब अहमद को दिया गया। इसमें कहा गया कि मस्जिद को 15 दिन के अंदर ध्वस्त कर दिया जाए। नोटिस में कहा गया था कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो जीडीए बुलडोजर से इमारत को ध्वस्त कर देगा और बिल्डर से उसका खर्च वसूल करेगा। नोटिस की एक कॉपी मस्जिद पर भी चिपका दी गई।

संपादकीय

खाद का संकट

देश के कई राज्यों में रासायनिक खादों की मांग में अप्रत्याशित वृद्धि ने नीति-नियंताओं को चौंकाया है। विशेषकर हरियाणा में यूरिया और डाई-अमोनियम फॉस्फेट यानी डीएपी की खपत में तीव्र वृद्धि ने उर्वरक मंत्रालय की चिंताएं बढ़ा दी हैं। यह तथ्य चौंकाने वाला है कि इस रबी के सीजन में हरियाणा में यूरिया खाद का उपयोग अट्ठारह फीसदी तक बढ़ गया है। जबकि कुछ जिलों में डीएपी की खपत में 184 फीसदी का उछाल देखा गया है। दरअसल, रासायनिक खादों के अत्यधिक उपयोग और सब्सिडी वाले उर्वरकों की जरूरत से ज्यादा खपत, असामान्य स्थिति का संकेत दे रही है। जिसके चलते अधिकारियों को शंका है कि सब्सिडी वाले नीम कोटेड यूरिया को बड़ी मात्रा में खरीदकर प्लाइवुड, राल व खनन विस्फोटक जैसे उद्योगों के लिये ले जाया जा रहा है। जिनके लिये तकनीकी-ग्रेड वाला यूरिया खासा महंगा पड़ता है। आशंका जतायी जा रही है कि इन व्यवसाय में लगे कुछ लोग इस मूल्य अंतर का लाभ उठाकर बड़े पैमाने पर सब्सिडी वाली खाद की हेराफेरी कर रहे हैं। एक अनुमान के अनुसार ये असामाजिक तत्व करीब दस लाख टन यूरिया का दुरुपयोग कर रहे हैं, जिसकी कीमत छह हजार करोड़ रुपये बतायी जा रही है। इसकी पड़ताल के लिये केंद्र सरकार ने राज्य के अधिकारियों के साथ संयुक्त अभियान आरंभ किया है। साथ ही दोषी लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इतना ही नहीं, केंद्रीय उर्वरक विभाग आपूर्ति श्रृंखलाओं की निगरानी और रासायनिक खादों के रिसाव पर अंकुश लगाने के लिये विभिन्न मंत्रालयों के साथ समन्वय कर रहा है। कोशिश है कि किसानों को सब्सिडी पर मिलने वाली खाद के दुरुपयोग पर अंकुश लगाया जा सके। आशंका जतायी जा रही है ऐसी कोशिश पर यदि समय पर अंकुश नहीं लगाया गया तो कालांतर किसानों के लिये खाद की आपूर्ति बाधित हो सकती है। जिसके सामाजिक व राजनीतिक निहितार्थों को समझते हुए केंद्र सरकार के संबंधित विभाग सतर्क प्रतिक्रिया दे रहे हैं। यह तथ्य निर्विवाद है कि खेती में अत्यधिक उर्वरकों का उपयोग एक जटिल समस्या बनता जा रहा है। दरअसल, आम किसानों को ठोस जानकारी नहीं मिल पाती कि इसका कितना उपयोग अधिक फसल लेने व भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिये काफी है। आम किसान पैदावार बढ़ाने के लिये बड़ी मात्रा में यूरिया का उपयोग करते हैं। खासकर नई उच्च नाइट्रोजन वाली गेहूं की किस्मों के लिये। वहीं एनपीके यानी सोडियम, फॉस्फोरस व पोटेशियम उर्वरक की खपत में वृद्धि ने यूरिया पर निर्भरता को और अधिक बढ़ा दिया है। जिससे मिट्टी का क्षरण, कीट जोखिम बढ़ने के साथ ही भूजल प्रदूषण में तेजी से वृद्धि हो रही है। निर्विवाद रूप से रासायनिक उर्वरकों का अंधाधुंध उपयोग न केवल मिट्टी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल रहा है बल्कि कृषि भूमि की दीर्घकालीन उपादेयता को भी कम कर रहा है। उर्वरकों की खपत में तेजी से वृद्धि देश की आर्थिकी पर प्रतिकूल असर डाल रही है। उर्वरकों के आयात पर देश की बढ़ती निर्भरता वित्तीय संकट को भी बढ़ावा दे रही है। देश वार्षिक रूप से करीब 75 लाख टन यूरिया का आयात करता है। यूरिया की बढ़ती वैश्विक कीमतों ने उर्वरक सब्सिडी को 1.75 ट्रिलियन रुपये से अधिक कर दिया है। यदि इस स्थिति पर समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो बढ़ती उर्वरक मांग अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव डालेगी। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि सरकार उर्वरक की बिक्री की निगरानी को सशक्त बनाए । सब्सिडी वाली रासायनिक खाद का दुरुपयोग करने वालों के लिये सख्त दंड की व्यवस्था लागू करने की जरूरत है। इसके अलावा किसानों को भी जागरूक करने की जरूरत है कि खेती में खाद का उपयोग कैसे संतुलित ढंग से किया जाना चाहिए। रासायानिक खाद की बिक्री को अनियंत्रित छोड़ देने से न केवल संकट का असर करदाताओं पर बोझ बढ़ाएगा वरन अर्थव्यवस्था पर भी दबाव बढ़ने की आशंका है।

हरियाणा में यूरिया और डाई-अमोनियम फॉस्फेट यानी डीएपी की खपत में तीव्र वृद्धि ने उर्वरक मंत्रालय की चिंताएं बढ़ा दी हैं। यह तथ्य चौंकाने वाला है कि इस रबी के सीजन में हरियाणा में यूरिया खाद का उपयोग अट्ठारह फीसदी तक बढ़ गया है। जबकि कुछ जिलों में डीएपी की खपत में 184 फीसदी का उछाल देखा गया है। दरअसल, रासायनिक खादों के अत्यधिक उपयोग और सब्सिडी वाले उर्वरकों की जरूरत से ज्यादा खपत, असामान्य स्थिति का संकेत दे रही है। जिसके चलते अधिकारियों को शंका है कि सब्सिडी वाले नीम कोटेड यूरिया को बड़ी मात्रा में खरीदकर प्लाइवुड, राल व खनन विस्फोटक जैसे उद्योगों के लिये ले जाया जा रहा है। जिनके लिये तकनीकी-ग्रेड वाला यूरिया खासा महंगा पड़ता है। आशंका जतायी जा रही है कि इन व्यवसाय में लगे कुछ लोग इस मूल्य अंतर का लाभ उठाकर बड़े पैमाने पर सब्सिडी वाली खाद की हेराफेरी कर रहे हैं। एक अनुमान के अनुसार ये असामाजिक तत्व करीब दस लाख टन यूरिया का दुरुपयोग कर रहे हैं, जिसकी कीमत छह हजार करोड़ रुपये बतायी जा रही है। इसकी पड़ताल के लिये केंद्र सरकार ने राज्य के अधिकारियों के साथ संयुक्त अभियान आरंभ किया है।

जीव-जंतु, प्राकृतिक स्रोत एवं वनस्पति विलुप्त हो रहे हैं, जिससे पृथ्वी असंतुलित हो रही

जीवन के लिये प्रकृति-वन्यजीवों का संरक्षण जरूरी

ललित गर्ग

विलुप्त होते जीव-जंतु और वनस्पति की रक्षा के लिये विश्व-समुदाय को जागरूक करने के लिये ही विश्व वन्यजीव दिवस को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य दुनिया के लुप्त होते वन्य जीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। जिसकी शुरुआत थाईलैंड द्वारा दुनिया के जंगली जीवों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और मनाने के लिए प्रस्तावित किया गया था।। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वन्यजीवों के पारिस्थितिकी, आनुवांशिक, वैज्ञानिक, सौंदर्य सहित विभिन्न प्रकार से अध्ययन अध्यापन को बढ़ावा देने को प्रेरित किया। विभिन्न जीवों और वनस्पतियों की प्रजातियों के अस्तित्व की रक्षा भी इसका उद्देश्य कहा जा सकता है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कई प्रजाति के जीव-जंतु, प्राकृतिक स्रोत एवं वनस्पति विलुप्त हो रहे हैं, जिससे पृथ्वी असंतुलित हो रही है। विलुप्त होते जीव-जंतु और वनस्पति की रक्षा के लिये विश्व-समुदाय को जागरूक करने के लिये ही विश्व वन्यजीव दिवस को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य दुनिया के लुप्त होते वन्य जीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। जिसकी शुरुआत थाईलैंड द्वारा दुनिया के जंगली जीवों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और मनाने के लिए प्रस्तावित किया गया था।। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वन्यजीवों के पारिस्थितिकी, आनुवांशिक, वैज्ञानिक, सौंदर्य सहित विभिन्न प्रकार से अध्ययन अध्यापन को बढ़ावा देने को प्रेरित किया। विभिन्न जीवों और वनस्पतियों की प्रजातियों के अस्तित्व की रक्षा भी इसका उद्देश्य कहा जा सकता है। साल 2025 की थीम है, "वन्यजीव संरक्षण वित्तः लोगों और ग्रह में निवेश", यह थीम वन्यजीव संरक्षण के लिए नए वित्तीय समाधानों की खोज और उनका आदान-प्रदान करने के लिए बनाई गई है। वन्यजीव प्रजातियों, उनके आवासों, पारिस्थितिकी तंत्रों का निरंतर नुकसान एवं वनों का दोहन पृथ्वी पर मनुष्यों सहित सभी जीवन को खतरे में डाल रहा है। दुनिया भर के लोग अपने जीवन के लिए प्रकृति पर निर्भर हैं। भारत एवं दुनिया में कई वन्य जीव लुप्त होने के कगार पर हैं। शेर, चीता, बाघ, सफ़ेद तेंदुआ, गैंडा, जंगली भैंसा, गंगीय डॉल्फ़िन, लाल पांडा, नीलगिरि लंगूर, कस्तूरी हिरन, संगाई हिरन, बारहसिंघा, कश्मीरी हिरन, जंगली गधा, एक सींग वाला गैंडा, तेंदुआ, अजगर, सियार, जरख, जंगली बिल्ली, भेड़िया, नेवला, सेंड ग्राउज़ झाऊ चूहा एवं गौरया आदि अनेक वन्यजीव प्रजातियां लुप्त हो रही है। कम मांस खाने और लुप्तप्राय जानवरों, जैसे हाथीदांत से निर्मित वस्तुओं से परहेज आदि वन्यजीवों को बचाने की मुहिम में कारगर है। यह दिवस महत्वपूर्ण रूप से लुप्तप्राय वन्य जीव प्रजातियों के भविष्य को संरक्षित करने, उनकी आदतों और पारिस्थितिकी तंत्र के पुनर्वास में सहायता करने और मानव जाति द्वारा इन जानवरों के सतत उपयोग को प्रोत्साहित करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करेगा। आज चिन्तन का विषय न तो रूस-यूक्रेन युद्ध है और न मानव अधिकार, न कोई विश्व की राजनैतिक घटना और न ही किसी देश की रक्षा

का मामला है। चिन्तन एवं चिन्ता का एक ही मामला है लगातार लुप्त होती वन्य जीव प्रजातियां, विकराल एवं भीषण आकार ले रही गर्मी, सिकुड़ रहे जलस्रोत, विनाश की ओर धकेली जा रही पृथ्वी एवं प्रकृति के विनाश के प्रयास। बढ़ती जनसंख्या, बढ़ता प्रदूषण, नष्ट होता पर्यावरण, दूषित गैसों से छिद्रित होती ओजोन की ढाल, प्रकृति एवं पर्यावरण का अत्यधिक दोहन- ये सब पृथ्वी एवं पृथ्वीवासियों के लिए सबसे बडे.खतरे हैं और इन खतरों का अहसास करना ही विश्व वन्यजीव दिवस का ध्येय है। हमारा सुविधावादी नजरिया एवं जीवनशैली पृथ्वी, उसके पर्यावरण, प्रकृति और वन्य जीवों के लिये एक गंभीर खतरा बन कर प्रस्तुत हो रहा हैं। लुप्तप्राय जंगली जानवरों और पौधों के संरक्षण आज की सबसे बड़ी जरूरत है। सूखे, नए रेगिस्तान, आग और बाढ़ की रोकथाम के लिए वन्यजीवों का संरक्षण आवश्यक है। जंगली जानवरों और पौधों का यह संरक्षण सुनिश्चित करता है कि मनुष्यों और वन्यजीवों की आने वाली पीढ़ियाँ प्रकृति से घिरी रहेंगी, तभी पृथ्वी का जीवन संभव होगा। जरूरत है हम वन्यजीवों एवं प्रकृति से प्यार करे और वन्यजीवों के महत्व को समझें। भविष्य की आशा मानवीय कब्जे एवं दोहनके प्रभाव को रोकने में है - इसके लिए पहले ही बहुत देर हो चुकी है, बल्कि उस प्रभाव की सीमा के बारे में बेहतर समझ बनाने और उसके शासन के लिए एक नई नैतिकता बनाने में है। तभी मानव जीवन एवं वन्य जीवों की अन्योन्याश्रयता को देख पाएंगे, तभी प्रकृति को क्षमाशील, उदार और लचीला पाएंगे। तभी हम प्रकृति दोहन को मात दे सकेंगे तथा उसकी मिठास का स्वाद लेने और उसकी वरिष्ठता का सम्मान करने की पात्रता प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिये यह दिवस वन्यजीवों और वनस्पतियों के विविध रूपों का जश्न मनाने और उनके संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़ाने का दिन है। यह वन्यजीव अपराधों के खिलाफ़ लड़ाई को तेज करने का आह्वान करता है। पृथ्वी पर प्रजातियों का विलुप्त होना स्वाभाविक रूप से होता है, लेकिन मनुष्यों की भागीदारी विलुप्त होने की दर को तेज करती है। विलुप्त होने के कुछ कारणों में निवास स्थान का नुकसान, जलवायु परिवर्तन, आक्रामक प्रजातियाँ, अत्यधिक मछली पकड़ना और शिकार शामिल हैं। वन्यजीव संरक्षण पर्यावरण में पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है और प्रजातियों को और अधिक विलुप्त होने से भी रोकता है, जो हमें हरित समृद्धि से समृद्ध जीवन बनाने के लिए प्रोत्साहित करती है। वन्य जीव एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशील एवं पृथ्वी के संरक्षण के लिये जागरूक अभियान जरूरी है। वन्य जीवों के प्रति उपेक्षा एवं लापरवाही ने न केवल इंसानों के जीवन को खतरे में डाला है बल्कि पृथ्वी, प्रकृति एवं पर्यावरण पर भी घातक असर डाला है। दुनिया में पृथ्वी के विनाश, प्रकृति प्रदूषण एवं जैविक संकट को लेकर काफी चर्चा हो रही है। मनुष्य प्रकृति एवं वन्यजीवों के साथ अनेक वर्षों से छेड़छाड़ कर रहा हैं, इसे देखने के लिए हमें ज्यादा दूर जाने की जरूरत नहीं है। धरती पर बढ़ रही बंजर भूमि, फैलते रेगिस्तान, जंगलों का विनाश, लुप्त होते पेड़-पौधे और जीव जंतु, दूषित होता पानी, शहरों में प्रदूषित हवा और हर साल बढ़ते बाढ़ एवं सूखा, ग्लोबल वार्मिंग, वैश्विक तापमान वृद्धि, ग्लेशियर पिघलना, ओजोन का क्षतिग्रस्त होना आदि इस बात का सबूत हैं कि, हम वन्यजीवों, धरती और पर्यावरण की सही तरीके से देखभाल नहीं कर रहें हैं। जिससे ग्लोबल वार्मिग एवं जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं आज हमारे सामने हैं। ये आपदाएँ पृथ्वी पर ऐसे ही होती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी से जीव-जन्तु व वनस्पति का अस्तिव ही समाप्त हो जाएगा। जिस पृथ्वी को हम माँ का दर्जा देते हैं उसे हम खुद अपने ही हाथों दूषित एवं प्रताड़ित करने में कैसे लगे रहते हैं? अगर वन्यजीवों के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाए तो मानव जीवन कैसे सुरक्षित एवं संरक्षित रहेगा? जल, जंगल और जमीन इन तीन तत्वों से पृथ्वी, वन्यजीवों और प्रकृति का निर्माण होता है। इनके बिना जीवन अधूरा है। विश्व में ज्यादातर समृद्ध देश वही माने जाते हैं जहां इन तीनों तत्वों का बाहुल्य है।

दृष्टि कोण

सद्भाव व मानवीय मूल्यों के संवर्धन का महोत्सव

कुंभ को लेकर विपक्ष की जो भूमिका रही, उस पर आश्चर्य होता है। आप भाजपा सरकार का विरोध कर सकते हैं, उसकी आलोचना कर सकते हैं, मगर जो लोग इतनी लम्बी-लम्बी यात्राओं के बाद प्रयागराज आए, उनकी आलोचना करने और मजाक उड़ाने का क्या अर्थ है। किसी की भावनाओं को अपने-अपने राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। क्या उन लोगों के वोट विपक्ष को नहीं चाहिए। देश के दूर-दराज के इलाकों से ही नहीं, विदेशों से भी बहुत से लोग आए। एक से एक बड़े लोग आए। बड़े-बड़े नेता आए। उद्योगपति आए। अम्बानी सपरिवार आए। अडानी ने तो वहां बड़े स्तर पर खाने-पीने का प्रबंध किया। कैटरीना कैफ, रवीना टंडन, विक्की कौशल, अनुपम खेर, ममता कुलकर्णी, मिलिंद सोमन, राजकुमार राव, अक्षय कुमार जैसे अनेक अभिनेता, अभिनेत्रियां भी आए। क्या ये सब मजाक उड़ाने लायक हैं। और क्यों। आप कौन होते हैं किसी का मजाक उड़ाने वाले। किसने ये अधिकार दिया। इतनी संवेदनहीनता की तो उम्मीद नहीं की जा सकती। सच तो ये है कि जब आप किसी का मजाक उड़ाते हैं, तो अपना मजाक उड़वाने की तैयारी कर रहे होते हैं। कई परिचित कुंभ में गए थे। बहुराष्ट्रीय निगम में काम करने वाली एक लड़की भी गई थी। बाकी जहां रहती हूं, वहां से भी बहुत से लोग गए थे। सभी ने एक सुर में कहा कि वहां इंतजाम बहुत अच्छे थे। कोई बीमार पड़ा तो उसे तत्काल इलाज की सुविधा मिली। खास तौर से पुलिस की भूमिका बेहद सराहनीय थी। उसी लड़की ने कहा कि वह जिनके साथ गई थी, उनसे बिछुड़ गई। घबराहट में रोने लगी। तभी एक पुलिस वाला उसके पास आया। सारी बात जानकर उसने कहा- रोओ मत। अभी मैं तुम्हें मिलवाता हूं। फिर उसने लड़की से उन लोगों के नम्बर लिए जिन्हें लड़की मिला रही थी और मिल नहीं रहे थे। उसने काफी प्रयास के बाद उन लोगों से सम्पर्क साधा और लड़की को मिलवाया। इसी तरह गुड़गांव की एक महिला को पुलिस ने रोते देखा । पूछने पर पता चला कि वह गुड़गांव से आई है, साथ वालों से बिछड़ गई है। उसे पता नहीं कि अकेली कैसे लौटना है। पुलिस ने उसे ढांढस बंधाया। कहा कि अगर उसके साथ के लोग नहीं मिले, तो वे उसे गुड़गांव तक छोड़कर आएंगे। कुंभ के समापन के दिन पुलिस ने बताया कि इस दौरान तीस हजार बिछड़े लोगों को मिलवाया गया। तीस हजार कोई मामूली संख्या नहीं है। पुलिस के अच्छे कामों की शायद ही कभी सराहना की जाती है। बल्कि बुद्धिजीवी वर्ग अक्सर बाल की खाल निकालने को तत्पर रहते हैं। क्योंकि किसी की तारीफ करने के मुकाबले आलोचना करना बड़ा आसान है। इतनी बड़ी भीड़ का प्रबंधन कैसे किया गया होगा। सरकार और ब्यूरोक्रेसी ने अपने को झोंक दिया होगा। कुंभ के बाद न जाने कितने दिन इन लोगों को अपनी थकान उतारने में लगेंगे। पर इनकी चिंता भला किसी को क्यों हो । लेकिन हम इन सब बातों को याद नहीं रखेंगे। सिवाय तरह-तरह से आलोचना करने के। यह बात अलग है कि जब हमारे घर में शादी-ब्याह होता है, तो हम मात्र सौ-पचास लोगों का इंतजाम करने में सारी ताकत झोंक देते हैं। सिर के बल खड़े हो जाते हैं, फिर भी आने वाले खुश नहीं होते। यही हाल किसी सभा-सेमिनार का होता है। तो हम तो सौ-पचास का इंतजाम करने में घबरा जाते हैं, मगर आलोचक बनते वक्त परम निंदक बन जाते हैं। प्रयागराज में कुंभ के दौरान जो हादसा हुआ, लोगों की जान गई, या कि नई दिल्ली स्टेशन की भगदड़ में लोगों की जान गई वह बहुत दर्दनाक है। ऐसा नहीं होना चाहिए था। किसी परिवार के लिए अपने परिजन की जो कीमत होती है, वह वही जानता है। लेकिन इसमें कुंभ का क्या दोष। वहां आने वाले श्रद्धालुओं को क्यों हम अपने चश्मे से देख रहे हैं। या वे इस देश के नागरिक नहीं। फिर उन्हें यहां आने के लिए शायद ही किसी तरह की सरकारी सहायता दी गई है। जिस से जो साधन बना, वह उसके जरिए यहां पहुंचा। हमें उनकी हिम्मत की दाद देनी चाहिए। इसके अलावा जो लोग नहीं गए, वे भी किसी आक्षेप के दोषी नहीं हैं, न ही मजाक उड़ाने लायक हैं। अपनी मर्जी है, जो जाना चाहे वह जाए, जो नहीं जाना चाहता उस पर कोई जबर्दस्ती नहीं। एक धर्मिक नेता ने कहा कि जो लोग कुंभ नहीं आ रहे हैं, वे देश से प्रेम नहीं करते। यह बात भी गलत है। ऐसी खबरें आईं कि प्रयागराज में बहुत से मुसलमानों ने लोगों की भरपूर सहायता की। मस्जिदों के दरवाजे खोल दिए गए। मुसलमानों द्वारा संचालित स्कूलों, कालेजों में भी लोगों के खाने-पीने, रहने आदि की व्यवस्था की गई। यह बात काबिले तारीफ है। और यही अपने देश की विशेषता भी है।

कुछ अलग

आईएमएफ का अनुमान

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष यानि आईएमएफ का अनुमान है कि भारत मजबूत निजी निवेश और व्यापक आर्थिक स्थिरता के दम पर 2025- 26 में 6.5 प्रातिशत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर्ज करके सबसे तेजी से बढ़ती प्रामुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखेगा। आईएमएफ के इस अनुमान से मिलता जुलता भारत सरकार का भी आंकलन है जो उसने बजट 2025-26 से एक दिन पहले जारी अपने आर्थिक सव्रेक्षण में स्पष्ट कर दिया था। आर्थिक सव्रेक्षण में 6.4 प्रातिशत जीडीपी रहने का अनुमान लगाया गया है जो दशकीय औसत के करीब है। सव्रेक्षण में यह अनुमान लगाया गया है कि वित्त वर्ष 2026 के लिए भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6.3 से 6.8 प्रातिशत के बीच रहेगी। यही नहीं आईएमएफ ने निजी निवेश और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए संरचनात्मक सुधारों के गहन कार्यान्वयन की आवश्यकता पर भी जोर दिया है। आर्थिक सव्रेक्षण में भी यही कहा गया है कि औपचारिक क्षेत्र में नौकरियों की संख्या में वृद्धि हुई, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानि ईपीएफओ का शुद्ध वेतन अधिग्राहण 2019 में 61 लाख से दो गुना होकर वित्त वर्ष 2024 में 131 लाख हो गया। वास्तविकता तो यह है कि निजी निवेश और एफडीआई यानि प्रात्यक्ष विदेश निवेश को बढ़ावा देकर ही जीडीपी में वृद्धि की जा सकती है। किन्तु इसके लिए स्थिर नीतिगत ढांचे, व्यापार करने में अधिक आसानी, शासन सुधार और व्यापार एकीकरण वृद्धि की आवश्यकता होगी। भारत सरकार और हमारे निजी क्षेत्र की सामूहिक कोशिश यही है कि हमारी अर्थव्यवस्था का आकार जल्दी से जल्दी 5 ट्रिलियन तक पहुंच जाना चाहिए। यह सच है कि डॉ. मनमोहन सिंह और नरसिम्हाराव ने मिलकर 1991 में आर्थिक सुधारों के नाम पर अर्थव्यवस्था को वामपंथी दल-दल से निकाल कर ठोस जमीन पर लाकर खड़ा जरूर किया किन्तु दशकों तक संयुक्त अर्थव्यवस्था के अच्छे से बहाने के पीछे सार्वजनिक सेक्टर को ही बचाने में लगे रहे क्योंकि हमारी मानसिकता ही दोहरेपन की है। हमने 1991 में भले ही आर्थिक सुधारों को अपना लिया किन्तु सच तो यही है कि भारत आर्थिक नीति में कम्युनिस्टों से भी दस कदम आगे चल रहा था जबकि वास्तविक वामपंथी देश चीन ने हकीकत समझकर ही 1971 में पूंजीवादी व्यवस्था को अपना लिया था। यही कारण है कि जब भारत गठबंधन की राजनीति में उलझा हुआ था, चीन ने उसी वक्त पूंजीवाद का ऐसा चोला अपनाया कि यूरोपीय देश जो पहले से ही पूंजीवादी अर्थव्यवस्था अपनाए बैठे थे वे भी पीछे छूट गए। भारत चीन से तभी पिछड़ता चला गया। यह सच है कि जन कल्याण की भावना से वामपंथी अर्थशास्त्र का जो ढिढोरा पीटा गया उससे न तो लोगों के जीवन स्तर में सुधार आया और न ही लोगों की जेब में पैसे आए। पूंजी निर्माण के क्षेत्र में उदासीनता की स्थिति बनी रही। असल में भारत ने कभी भी खुलकर खुली अर्थव्यवस्था और बाजारवाद का समर्थन किया ही नहीं कारण कि हमारी तो दशकों की आदर्श वामपंथी अर्थव्यवस्था थी। दशकों से हमने पूंजीवाद को सारी मुसीबतों की जननी बताकर नुक्कड़ नाटक खेले और देखे थे। हमने पूंजीवाद के खिलाफ माहौल तैयार करने के लिए वामपंथी और समाजवादी डफली की तान का आनन्द लिया। यही नहीं हमने मुफ्त में वामपंथी दुष्प्राचार के लिए प्राकाशित होने वाली पत्रिकाओं और बड़े-बड़े अखबारों के वामपंथियों के लेख पढ़कर यह धारण स्थाई भाव के रूप में बना ली कि अर्थव्यवस्था का सही रास्ता वामपंथ और समाजवादी है।

देश दुनिया से

यूक्रेन के दुर्लभ खनिज पर अमेरिकी गिद्ध दृष्टि

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को कहा था, कि अमेरिका और यूक्रेन ने महत्वपूर्ण खनिजों के सौदे के मसौदे पर सहमति जताई है, जिसकी कीमत लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर हो सकती है। यह सौदा यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की द्वारा पहले के मसौदे को अस्वीकार करने के एक सप्ताह बाद हुआ है। ट्रम्प ने मंगलवार को ओवल ऑफिस में संवाददाताओं से कहा कि ज़ेलेंस्की शुक्रवार को वाशिंगटन आकर एक 'बहुत बड़ी डील' पर हस्ताक्षर करना चाहते हैं। बुधवार शाम को, ज़ेलेंस्की ने कहा कि यह अमेरिका के साथ सहयोग के लिए एक आर्थिक ढांचा है, जिसमें अभी तक कोई अमेरिकी सुरक्षा गारंटी शामिल नहीं है। पिछले हफ़्ते ज़ेलेंस्की ने एक पुराने ड्राफ्ट को अस्वीकार कर दिया था, क्योंकि इसमें यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी के बारे में विवरण नहीं था। ट्रंप अब भी बदले नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने बुधवार को कहा, 'मैं बहुत ज़्यादा सुरक्षा गारंटी नहीं देने जा रहा हूं। हम यूरोप से ऐसा करवाने जा रहे हैं।' नोक-झोंक में ट्रम्प ने ज़ेलेंस्की को 'तानाशाह' तक कह डाला था। सोमवार को, ज़ेलेंस्की ने कहा था कि मैं शांति के लिए इस्तीफ़ा देने के लिए तैयार हूं। ज़ेलेंस्की ने मांग की, कि यूक्रेन को अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की सदस्यता दी जानी चाहिए। लेकिन, वाशिंगटन ने नाटो का सदस्य बनने की मांग को 'अवास्तविक' करार दिया है। अमेरिका की गिद्ध दृष्टि यूक्रेन की दुर्लभ खनिज संपदा पर है। दुर्लभ मृदा खनिज वैश्विक स्तर पर पृथ्वी के गर्भ में पाए जाने वाले 17 भारी धातुओं का एक समूह है। नियोडिमियम, लैंथेनम, सेरियम, प्रेजोडियम, यिट्रियम, टेरबियम और यूरोपियम जैसे कुछ दुर्लभ मृदा तत्वों का उपयोग कंप्यूटर हार्ड ड्राइव, टेलीविज़न, मोबाइल स्क्रीन और कैमरा लेंस जैसे उच्च तकनीक वाले उत्पादों के निर्माण में किया जाता है। वर्तमान में, ऐसे दुर्लभ खनिजों का सबसे बड़ा उत्पादक चीन है, जो दुनिया की आपूर्ति का कम से कम 60 प्रतिशत निकालता है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, 2024 में अमेरिका अपनी 80 प्रतिशत दुर्लभ खनिजों की जरूरतों के लिए चीन, मलेशिया, जापान और एस्टोनिया पर निर्भर था। कीव के साथ दुर्लभ खनिजों का सौदा करने के पीछे की मंशा, अमेरिका को बड़ी तकनीक का अधिकेंद्र बनाना है। अपने अभियान के दौरान, ट्रम्प ने एक अन्य करीबी सहयोगी ताइवान पर अमेरिका के चिप व्यवसाय को चुराने का भी आरोप लगाया था। टैरिफ की धमकियों के बीच, ताइवान ने अमेरिका में निवेश बढ़ाने का वादा किया। इस महीने की शुरुआत में, ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा था, कि हम यूक्रेन को वाशिंगटन द्वारा भेजे गए लगभग 375.8 बिलियन डॉलर की वापसी चाहते हैं। कीव को भेजी गई सहायता के बारे में ट्रम्प के अनुमान अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के विपरीत हैं। 'यूक्रेन ओवरसाइट' के अनुसार, 30 सितंबर, 2024 तक अमेरिका ने यूक्रेन की सहायता के लिए कुल 183 बिलियन डॉलर भेजे थे, जो यूक्रेन को भेजी गई सहायता को रिकॉर्ड करने के लिए अमेरिकी सरकार द्वारा बनाई गई एक वेबसाइट है। जिस स्टाइल में ट्रंप यह सब कर रहे हैं, उसका दुनिया भर में विरोध होना शुरू हो गया है। 'सेंटर फॉर यूरोप एशिया स्टडीज' की निदेशक और 'शिकागो काउंसिल ऑन ग्लोबल अफेयर्स' की सीनियर फेलो थेरेसा फॉलन ने कहा, 'ऐसा लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसा करके अंतर्राष्ट्रीय नीति के सभी मानदंडों को तोड़ दिया है, और वह इतना लेन-देन करके अमेरिका की बहुत सी सॉफ्ट पावर खो रहे हैं।' फॉलन ने फिर कहा, 'लेन-देन करना ठीक है, लेकिन यह तो जबरन वसूली है।' यूक्रेन के पास 34 पदार्थों में से 22 मिनरल्स हैं जिन्हें यूरोपीय संघ 'महत्वपूर्ण कच्चे माल' के रूप में परिभाषित करता है। दुनियाभर में 110 मिलियन टन दुर्लभ खनिज हैं। इसमें से 44 मिलियन टन चीन में हैं, जो दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक है। इसके अलावा ब्राजील में 22 मिलियन टन, वियतनाम में 21 मिलियन टन, रूस में 10 मिलियन टन, और भारत में 7 मिलियन टन दुर्लभ खनिज का अनुमान है। कोई सुरक्षा गारंटी नहीं, फिर भी जेलेंस्की अमेरिका के साथ समझौते पर हस्ताक्षर कर रहे हैं, क्या यह किसी क़िस्म का ब्लैकमेल है? मॉस्को ने यूक्रेन के बड़े हिस्से पर कब्ज़ा कर रखा है, जिसमें क्रीमिया भी शामिल है, जिसे उसने 2014 में अपने साथ मिला लिया। ठीक से देखा जाये, तो यूरोप के नेता इस ज़बरदस्ती के सौदे वाले सवाल पर बंटे हुए हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने दुर्लभ खनिज सौदे का समर्थन किया है। यूरोजोन की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी, दुर्लभ खनिज सौदे का विरोध कर रहा है। निवर्तमान जर्मन चांसलर ओलाफ शॉल्त्स ने दुर्लभ खनिज सौदे के लिए ट्रंप के प्रयास की आलोचना करते हुए, इसे 'बहुत अहंकारी' और 'बहुत आत्मकेंद्रित' बताया। ओलाफ शॉल्त्स ने तर्क दिया है कि यूक्रेन को युद्ध के कारण हुए विनाश से उबरने के लिए अपने प्राकृतिक संसाधनों की आवश्यकता है। विगत रविवार को जर्मनी के चुनाव में जीत हासिल करने वाले क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) के नेता फ्रीडरिष मैर्त्स ने भी ज़ेलेंस्की पर ट्रंप के हमलों की निंदा की है। लेकिन, ट्रम्प यूरोपीय नेताओं द्वारा निंदा की परवाह नहीं करते। उन्होंने कहा, 'पिछले प्रशासन ने हमें बहुत खराब स्थिति में डाल दिया था, लेकिन हम एक ऐसा सौदा करने में सक्षम हैं, जिसके तहत हमें पैसा वापस मिलेगा, और भविष्य में बहुत सारा पैसा मिलेगा।' रूस को इस सौदे से कोई आपत्ति नहीं है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा, कि अमेरिका और रूसी अधिकारी गुरुवार को इस्तांबुल में मिलेंगे। लेकिन ये लोग दिल्ली में क्यों नहीं मिलते? पीएम मोदी ने कितनी मेहनत की थी!

आप का नजरिया

कामयाबी का जनोत्सव

सरकारी आंकड़ों पर विश्वास करें तो इस महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों ने गंगा-यमुना व अदृश्य सरस्वती के संगम पर महाकुंभ के दौरान डुबकी लगायी। एक भगदड़ की घटना में कुछ श्रद्धालुओं का असमय काल-कवलित होना दुखद ही था। कुछ अग्निकांड भी हुए। लेकिन यदि बात करोड़ों श्रद्धालुओं के संगम में स्नान व उनके आने-जाने व रहने की व्यवस्था की हो तो योगी सरकार अपनी पीठ थपथपा सकती है। रूस-अमेरिका जैसी महाशक्तियों की आबादी से अधिक जनसंख्या का प्रबंधन निश्चय ही एक बड़ी चुनौती थी। ऐसे दौर में जब उपभोक्ता संस्कृति सिर चढ़कर बोल रही है, तब सनातन संस्कृति का ऐसा उफान चौंकाता है। जिसमें लोग तमाम कष्ट सहकर संगम में डुबकी लगाने को आतुर दिखे। त्याग-संयम से परिचित कराना कुंभ संस्कृति का उद्देश्य भी रहा है। इस तरह हमने अपने पुरखों की गौरवशाली विरासत का सम्मान किया। जिसमें सदियों से करोड़ों लोग बिना चिट्ठी-पत्री के स्वतःस्फूर्त भाव से कुंभ के मेले में जुटते रहे हैं। भारतीय संस्कृति में ऐसी क्या खासियत है? महाकुंभ जैसे इतने बड़े आयोजन कैसे सफलतापूर्वक होते हैं? यह देखने पूरी दुनिया के जिज्ञासु, विभिन्न धर्मों के अनुयायी, फोटोग्राफर और पत्रकार सदियों से महाकुंभ में जुटते रहे हैं। महाकुंभ के सफल आयोजन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुंभ ने पूरी दुनिया को युग-परिवर्तन की आहट और विशाल आयोजन की क्षमता से रूबरू कराया है। महत्वपूर्ण यह है कि तीर्थयात्रियों ने जिस तरह दिल खोल कर खर्च किया, वो निश्चय ही उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का तारणहार बनेगा। बताते हैं कि इससे प्रदेश की जीडीपी में करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपये का इजाफा होगा। जो देश की तमाम देशी-विदेशी इनवेस्ट समिटों से कहीं ज्यादा ठोस आय का स्रोत बना है। कई गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड इस महाकुंभ के नाम हुए। वीरवार को तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रमाणपत्र मुख्यमंत्री योगी को सौंपे गए। विपक्ष, खासकर सपा व कांग्रेस कुंभ आयोजन को लेकर हमलावर रहे हैं। वहीं शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने महाकुंभ के समापन पर कहा कि ये सरकारी महाकुंभ है। असली कुंभ तो माघ पूर्णिमा को ही संपन्न हो चुका था। इस बार के महाकुंभ को टेक्नोलॉजी के महाकुंभ के रूप में भी याद किया जाएगा। महाकुंभ में विशेष एल्गोरिदम के जरिये इस्तेमाल पांच सौ एआई कैमरे क्राउड डेंसिटी व फैशियल रिकग्निशन के लिये इस्तेमाल किए गए। जिसके जरिये करोड़ों श्रद्धालुओं की गिनती संभव हुई। वहीं बिछुड़ों को परिजनों से मिलाने, आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। निस्संदेह, इतने बड़े जनसैलाब को संभालना किसी भी सरकार के लिये बड़ी चुनौती होती है। लेकिन भविष्य में महाकुंभ के आयोजन के लिये प्रयागराज महाकुंभ के अनुभवों से सबक लेने की जरूरत है। इस बात का वैज्ञानिक अध्ययन होना चाहिए कि भगदड़ को कैसे टाला जाए। आखिर क्यों दो सौ- तीन सौ किलोमीटर के जाम लगते रहे हैं। कैसे ट्रेनों का संचालन बिना किसी व्यवधान के किया जाए। हालांकि, 16 नई ट्रेनें चलाने की बात कही गई, लेकिन तमाम स्टेशनों पर ट्रेन में चढ़ने के लिये मारामारी होती रही है।

रूस-यूक्रेन मुद्दे पर लंदन में बड़ी बैठक, यूरोप के दिग्गज करेंगे मंथन

लंदन, 02 मार्च (एजेंसियां)।

रूस और यूक्रेन मुद्दे पर ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर की अगुवाई में रविवार को बैठक बुलाई गई है जिसमें यूरोप के तमाम दिग्गज हिस्सा ले रहे हैं। जर्मनी के निवर्तमान चांसलर और अन्य प्रमुख नेताओं को बैठक के लिए आमंत्रित किया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच हुई तीखी बहस के बाद हो रही इस बैठक पर दुनिया भर की निगाहें हैं।

इस बीच अमेरिका से वापस लौटे जेलेंस्की शनिवार को लंदन पहुंचे जहां उनका जबर्दस्त स्वागत किया गया। ब्रिटेन ने उन्हें 2.84 बिलियन डॉलर के ऋण की घोषणा की।

रूस-यूक्रेन के मुद्दे पर लंदन में होने जा रही महत्वपूर्ण बैठक के लिए ब्रिटेन के पीएम स्टार्मर ने यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन, नाटो महासचिव मार्क रुटे और यूरोपीय परिषद् के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा को भी आमंत्रित किया है। पोलिश पीएम डोनाल्ड टस्क, इटली की पीएम जियोर्जिया मेलोनी और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की भी इसमें हिस्सा लेंगे।

ट्रम्प और जेलेंस्की के बीच हुई तीखी बहस के बाद हो रही इस आपात बैठक का उद्देश्य रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराना और कीव की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

इस मुद्दे पर ट्रम्प के नेतृत्व में अमेरिका के रुख में आए ताजा बदलाव के बाद यूरोपीय देशों के नेता अपने एक्शन प्लान पर चर्चा करेंगे।

इसमें ट्रम्प और जेलेंस्की के बीच हुई तीखी बहस पर भी चर्चा होगी। यूरोपीय देश चाहेंगे कि जेलेंस्की और ट्रम्प के बीच संबंध सामान्य बना रहे और यूक्रेन के मुद्दे पर अमेरिका हमेशा साथ रहे।

इसके साथ ही बैठक के दौरान अमेरिका पर यूरोप की निर्भरता कम करने को लेकर भी चर्चा होगी।

न्यूज ब्रीफ

शव के साथ सफर मामले पर कतर एयरवेज की आई सफाई

मेलबर्न। कतर एयरवेज इन दिनों सुर्खियों में है। एक ऑस्ट्रेलियाई कपल ने फ्लाइट में यात्री के शव के साथ यात्रा करने को लेकर नाराजगी जताई थी। अब एयरलाइन ने इस पूरे मामले पर सफाई दी है। यह घटना मेलबर्न से दोहा जा रही कतर एयरवेज की फ्लाइट में हुई। यह यात्रा 14 घंटे लंबी थी। उड़ान के दौरान एक महिला यात्री की मृत्यु हो गई। उसी फ्लाइट में सफर कर रहे मिशेल रिंग और जेनिफर कॉलिन नाम के ऑस्ट्रेलियाई कपल ने दावा किया कि एयरलाइन ने शव को उनके ठीक बगल में बैठा दिया और उसे कंबल से ढक दिया गया। मिशेल रिंग ने बताया, कि क्रू ने पहले शव को बिजनेस क्लास में ले जाने की कोशिश की। लेकिन महिला का वजन ज्यादा होने के कारण उसे गलियारे (कॉरिडोर) से ले जाना संभव नहीं था। इसलिए शव को उन्हीं की सीट के पास रखा गया। दूसरी तरफ कपल ने शव को किसी अन्य खाली सीट पर शिफ्ट करने का अनुरोध किया, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। यह स्थिति लगभग 4 घंटे तक बनी रही। जब यह मामला चर्चा में आया, तो कतर एयरवेज ने अपनी सफाई पेश की और एक साक्षात्कार के दौरान कहा कि हमारी क्रू टीम ने पूरी स्थिति को पेशेवर और उचित तरीके से संभाला। हमने इंडस्ट्री स्टैंडर्ड और ट्रेनिंग के अनुसार ही काम किया। मृतक के शव के साथ चालक दल का एक सदस्य लगातार मौजूद था। अन्य यात्रियों को सीटें आवंटित कर दी गई थीं, इसलिए शव को स्थानांतरित करना संभव नहीं था। मृतक के परिवार और प्रभावित यात्रियों को सहायता और मुआवजा दिया जाएगा। यहां बताते चलें कि इससे पहले, कतर एयरवेज ने इस घटना के लिए माफी भी मांगी थी।

संजय भंडारी को कोर्ट से मिली राहत, अपील स्वीकार

लंदन। लंदन उच्च न्यायालय ने रक्षा क्षेत्र के सलाहकार संजय भंडारी की भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील को मंजूर कर लिया है। 62 वर्षीय भंडारी पर कर चोरी और धन शोधन के आरोप हैं। लॉर्ड न्यायमूर्ति टिमोथी होलोयडे और न्यायमूर्ति करेन स्टेन ने मानवाधिकारों के उल्लंघन का हवाला देते हुए यह फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि तिहाड़ जेल में उन्हें जबरन वसूली और हिंसा का वास्तविक खतरा हो सकता है। इसी के साथ भारत सरकार के प्रत्यर्पण आदेश को अदालत ने किया अस्वीकार कर दिया है। गौरतलब है कि नवंबर 2022 में वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट ने भंडारी के प्रत्यर्पण का आदेश दिया था, जिसे ब्रिटेन की तत्कालीन गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने मंजूरी दी थी। लेकिन लंदन उच्च न्यायालय ने अब इस आदेश को निरस्त कर दिया। अदालत के फैसले में कहा गया कि भंडारी को अन्य कैदियों और जेल अधिकारियों से धमकी या हिंसा का वास्तविक खतरा हो सकता है। तिहाड़ जेल की अत्यधिक भीड़भाड़ और कम स्टाफिंग का हवाला देते हुए अदालत ने कहा कि भंडारी एक अमीर व्यक्ति होने के कारण जबरन वसूली के लिए एक आसान लक्ष्य हो सकते हैं। भारत सरकार द्वारा दिए गए आश्वासन से भंडारी की सुरक्षा की गारंटी नहीं मिलती। लंदन उच्च न्यायालय के इस फैसले के बाद भारत सरकार के पास अब सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का विकल्प बचा है। हालांकि, इस फैसले से संजय भंडारी को बड़ी कानूनी जीत मिली है और वह फिलहाल ब्रिटेन में ही रह सकेंगे।

नदी में पोत और नौका की टक्कर से 11 की मौत, 5 लापता

बीजिंग। चीन के हुनान प्रांत में स्थित युआनशुई नदी में एक तेल रिसाव साफ करने वाले पोत और छोटी नौका

की टक्कर से बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 लोग अब भी लापता हैं। चीन की सरकारी मीडिया के अनुसार, यह हादसा विगत दिवस तब हुआ, जबकि 19 लोग पानी में गिर गए। इनमें से तीन लोगों को उसी दिन बचा लिया गया। हादसा उस जगह हुआ, जहां नदी की गहराई 60 मीटर (200 फुट) से अधिक और चौड़ाई 500 मीटर (1600 फुट) है। राहत एवं बचाव दल लापता लोगों की तलाश में जुटा हुआ है। घटना के संबंध में एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें दिखाया गया कि शांत पानी में तेल रिसाव साफ करने वाला एक बड़ा पोत नौका को पीछे से टक्कर मारता है, जिससे नौका पलट जाती है।

ट्रंप से पंगा जेलेंस्की को पड़ेगा महंगा अमेरिका मदद देना कर सकता है बंद

कीव, 02 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के बीच विवाद हो गया है। कैमरे के सामने दोनों में खूब बहस हुई, जिसने काफी खराब रुख अख्तियार कर लिया। यहां तक कि ट्रंप ने जेलेंस्की को वहां से जाने तक का कह दिया। अब इस विवाद से यूक्रेन और अमेरिका के रिश्ते पर भी असर पड़ेगा। ये विवाद ऐसे समय हुआ है, जब यूक्रेन को रूस से युद्ध में अमेरिकी मदद की जरूरत है। ऐसा माना जा रहा है कि अमेरिका अब यूक्रेन को मदद कम कर सकता है और जेलेंस्की का यूक्रेन को नाटों में शामिल करने का सपना भी टूट सकता है। यूक्रेन को जेलेंस्की का ट्रंप से उलझना काफी महंगा पड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जेलेंस्की अमेरिका के साथ एक खनिज सौदे पर बातचीत करने और युद्ध में समर्थन देने के लिए वॉशिंगटन आए थे। जेलेंस्की का कहना है कि ओवल ऑफिस में ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ बातचीत दो ऐतिहासिक रूप से सहयोगी राष्ट्रों के नेताओं के बीच तीखी बहस में बदल गई, जिसका उन्हें अफसोस है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों के बीच संबंधों को सुधारा जा सकता है। यूक्रेन के लिए फिलहाल बड़ा मुद्दा अमेरिका के साथ अपने संबंधों को बचाना है। ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका का समर्थन खोना उसके लिए बहुत नुकसान साबित हो सकता है। यूक्रेन फिलहाल रूसी सेनाओं के हमले का सामना कर रहा है। युद्ध की शुरुआत से ही जेलेंस्की नाटो में यूक्रेन की एंट्री पर जोर दे रहे हैं। इस घटना के बाद ट्रंप यूक्रेन के लिए नाटो के दरवाजे पूरी तरह से बंद कर सकते हैं। यूक्रेन के सामने युद्ध के बाद भी अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। इस बहस के बाद ट्रंप की ओर से प्रस्तावित खनिज समझौता भी अधर में लटक गया है। इससे यूक्रेन को अमेरिकी हथियारों का भुगतान करने के लिए संघर्ष करना पड़ा सकता है। यूक्रेन और जेलेंस्की को इस विवाद के बाद यूरोप का खुला समर्थन मिला है। इस विवाद के बाद यूरोपीय यूनियन की विदेश नीति प्रमुख ने कहा कि हम यूक्रेन के साथ हैं। हम यूक्रेन के प्रति अपना समर्थन बढ़ाएंगे ताकि वे रुस से लड़ना जारी रखे। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी और दूसरे यूरोपीय नेताओं ने कहा है कि वह जेलेंस्की को समर्थन जारी रखेंगे। इस विवाद में अब तक, जर्मनी, स्पेन, फ्रांस, पोलैंड, स्वीडन, नॉर्वे, मोल्दोवा, आयरलैंड, लक्जमबर्ग, नीदरलैंड, डेनमार्क, एस्टोनिया, लिथुआनिया, लातविया, चेक गणराज्य, फिनलैंड, पुर्तगाल, क्रोएशिया, यूरोपीय संसद, यूरोपीय आयोग और यूरोपीय परिषद के नेताओं के बयान आ चुके हैं।

जो असली बच्चा नहीं, उसे भी महिला ने लगाए रखा है कलेजे से

लंदन। हाल ही में एक महिला ने खुलासा किया है कि उसके दो शिशुओं में से एक असली नहीं है। कई महिलाएं अपना बच्चा पैदा होने के बाद गोद लिए हुए बच्चे को खुद से दूर कर देती हैं, वहीं इस महिला ने तो उसे भी अपने कलेजे से रखा है जो असली नहीं है, जिसकी वजह भी हैरान करने वाली है। ऐसा नहीं है कि असल में मां बनने से पहले ही मैडी ने डॉल अपनाई थी। वे केवल 18 साल की थीं, जब उनकी पहली संतान हुई थी। नन्हीं बच्ची ओफेलिया ने उनके जीवन में खुशियां भर थी। लेकिन जल्दी ही वे 18 महीने की हो गईं और मैडी नवजात शिशु की कमी फिर से महसूस करने लगीं। लेकिन मैडी ने अपनी समस्या का अनूठा समाधान निकाला, वह एक नन्हीं सी डॉल की भी देखभाल ओफेलिया के साथ ही करती है। वे खुद को इस रीबॉर्न डॉल की रीबॉर्न मॉम कहती हैं। डॉल का नाम फॉरेस्ट है। दिलचस्प बात ये है कि मैडी फॉरेस्ट को बिलकुल जिंदा इंसान की तरह रखती हैं। यहां तक कि उसके अलग से कपड़े, चेंजिंग एरिया और बॉटल भी है। अगर आपको शायद यह काफी नहीं लग रहा तो, बात यहीं तक नहीं है। जब फॉरेस्ट पोस्ट से आई थी, तो उसके साथ उसका बर्थ सर्टिफिकेट, जन्म की तारीख, पैदाइश के समय का वजन, सारी जानकारी आई थी और साथ ही उसके कपड़ों पर लिखा था, आई लव माय मम्मी! इस तरह की डॉल को रीबॉर्न बेबीज कहते हैं। मैडी को इनकी जानकारी एक टीवी डॉक्यूमेंट्री से मिसी थी और उसी के बाद से उन्होंने इन्हें अपनाने का फैसला कर लिया था।रीबॉर्न बेबी की कीमत 33 हजार रुपयों से लेक 22 लाख रुपयों से भी ज्यादा तक होती है।

कुत्ते के अनोखे आकार की वजह से तेजी से वायरल हो तस्वीर

शंघाई, 02 मार्च (एजेंसियां)।

चीन के शख्स ने नदी किनारे एक पहाड़ की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है जिसके अनोखे कुत्ते के आकार की वजह से तेजी से वायरल हो गई। शंघाई के रहने वाले गुओक्विंगशान ने चीनी सोशल मीडिया मंच जिआओहोंग्शू जिसे रेडनोट के नाम से भी जाना जाता है, पर यह तस्वीर शेयर की।

उन्होंने हुबेई प्रांत के यीचैंग से वैलेंटाइन डे के मौके पर जो तस्वीर खींची थी। उनकी तस्वीर देख लोगों को होश यूं उड़े उसमें पहाड़ देख ऐसा लग रहा था कि जैसे कि कोई कुत्ता यांग्त्जी नदी के किनारे बैठा है। डिजाइनर गुओ की भी हैरानी की ठिकाना नहीं रहा जब उन्होंने देखा कि उनकी पोस्ट को 10 दिन के अंदर ही एक लाख 20 हजार से अधिक लाइक मिले।

उन्होंने भी माना कि तस्वीर वाकई जादुई और बहुत ही सुंदर है। उसे देखकर एक मासूम से कुत्ते की याद आती है। उसे खोजने के बाद उनकी खुशी की ठिकाना नहीं रहा था।तब से अब तक वीडियो को लाखों बार देखा जा चुका है। खास बात ये है कि यह तस्वीर डॉग लवर्स को ज्यादा पसंद आ रही है। यह भी पहाड़ पपी माउंटेन के नाम से मशहूर है। गुओ ने भी अपनी पोस्ट में जोड़ा कि आकृति ऐसी है जैसे लग है कि पपी पानी पी रहा है या किसी मछली की तलाश में है। खुद चीन में इस तस्वीर को देख कर यहां आकर इस पपी माउंटेन को देखा है। एक यूजर ने यह तक लिखा कि अब जब भी संभव होता है तो वह हमेशा ही अपने कुत्ते के साथ ही इस पहाड़ की यात्रा करती हैं। पपी माउंटेन और उनके कुत्ते में काफी समानता है।

इंस्टाग्राम पर भी लोगों ने नजारे को अपनी अपनी तरह से बताया है। किसी को यह बहुत कूल लगा तो किसी को यह नजारा किसी फिल्म के कुत्ते जैसा लगा है। यीचांग की आबादी 39 लाख से अधिक है। शहर अपे 3 गॉर्जेस और गेझोउबा डैम के लिए मशहूर है। बता दें कि दुनिया में बहुत ही भूआकृतियां हैं जो अनूठे नजारे बना कर चौंका देती हैं। पर कई बार कुछ नजारों को देख कर यकीन नहीं होती है कि यह वाकई कोई कुदरती संरचना है या फिर इंसानों ने ही इसे आकार दिया है।

दक्षिण-पश्चिम पाकिस्तान में वाहन में विस्फोट

दक्षिण-पश्चिम पाकिस्तान के क्वेटा में एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट के दौरान क्षतिग्रस्त वाहन की जांच करते सुरक्षाकर्मी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत में बम विस्फोट होने से सुरक्षाकर्मियों सहित दस लोग घायल हो गए।

भारत में चल रहे ट्रांसजेंडर क्लीनिक बंद, एलन मस्क ने कसा तंज

सैन फ्रांसिस्को, 02 मार्च (एजेंसियां)।

भारत में ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए शुरू किए गए तीन क्लिनिक बंद हो गए हैं। सूत्रों के मुताबिक अमेरिकी एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट द्वारा दी जाने वाली फंडिंग पर रोक लगने के बाद यह कदम उठाया गया है। इस फंडिंग में कटौती से करीब पांच हजार लोगों की स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी में सभी विदेशी सहायता पर रोक लगा दी थी। यह फैसला उनकी अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत लिया गया, जिसके अंतर्गत अमेरिकी करदाताओं के पैसे से वित्त पोषित सभी परियोजनाओं की समीक्षा की जा रही है।

ट्रंप ने पहले भी इस संस्था द्वारा भारत में मतदाता जागरूकता पर 21 मिलियन डॉलर खर्च करने की आलोचना की थी। भारत सरकार ने पिछले सप्ताह इस मामले की जांच शुरू करने की बात कही थी। इस घटना ने भारत और अमेरिका दोनों में राजनीतिक बहस छेड़ दी है। ट्रंप के सहयोगी एलन मस्क और रिपब्लिकन सीनेटर जॉन केनेडी ने इस तरह की फंडिंग की आलोचना की है। मस्क ने सोशल मीडिया एक्स पर तंज कसते हुए कहा कि अमेरिकी करदाताओं के पैसों से ये सब हो रहा था।

बता दें कि इन क्लिनिकों का नाम मित्र क्लिनिक रखा गया था, जो मुख्य रूप से ट्रांसजेंडर समुदाय के डॉक्टरों, काउंसलरों और अन्य कर्मचारियों द्वारा संचालित की जाती थीं। ये क्लिनिक हैदराबाद, कल्याण और पुणे शहरों में स्थित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इन क्लिनिकों ने करीब पांच हजार लोगों को सेवाएं प्रदान कीं, जिनमें हार्मोन थेरेपी, मानसिक स्वास्थ्य परामर्श, एचआईवी और अन्य यौन संचारित रोगों से संबंधित काउंसलिंग, कानूनी सहायता और सामान्य चिकित्सा देखभाल शामिल है। मीडिया रिपोर्ट में एक सूत्र ने बताया कि हर क्लिनिक को सालाना करीब 30 लाख रुपए की जरूरत थी और इनमें औसतन 8 कर्मचारी काम करते थे। फंडिंग बंद होने के बाद अब ये क्लिनिक वैकल्पिक स्रोतों से धन जुटाने की कोशिश कर रहे हैं।

चीन के हाथ लगा बड़ा खजाना, बिजली की टेंशन होगी खत्म, भारत पहले से ही मालामाल

बीजिंग, 02 मार्च (एजेंसियां)।

चीन के एक राष्ट्रीय सर्वे में चीन के पास थोरियम के अथाह भंडार का पता चला है। कुछ विशेषज्ञों के अनुमान के अनुसार, पूरी तरह से दोहन किए जाने पर बायन ओबो खनन परिसर दस लाख टन थोरियम पैदा कर सकता है, जो चीन को 60,000 वर्षों तक ईंधन देने के लिए पर्याप्त है। खास बात ये है कि भारत के पास भी थोरियम का बहुत बड़ा भंडार है। रिपोर्टों के अनुसार, वर्तमान में भारत का थोरियम भंडार दुनिया में सबसे बड़ा है।

भारत के परमाणु ऊर्जा विभाग ने देश में उपलब्ध थोरियम के विशाल भंडार को दीर्घकालिक विकल्प के रूप में इस्तेमाल की योजना बनाई है। रिपोर्ट में बताया है कि यह रेडियोधर्मी धातु अकेले वैश्विक ऊर्जा उत्पादन में क्रांति ला सकती है, जिससे जीवाश्वम ईंधन पर दुनिया भर की निर्भरता खत्म हो सकती है। चीन के पास पहले ही बड़ा थोरियम भंडार मौजूद है।

हालांकि, 2020 में किए गए सर्वे की क्लासीफाइड रिपोर्ट के अनुसार, यह वास्तव में पिछले अनुमानों से कई गुना अधिक हो सकते हैं। जनवरी में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, इनर मंगोलिया में एक लौह अयस्क साइट से केवल पांच साल के खनन अपशिष्ट में इतना थोरियम है कि अमेरिका की घरेलू ऊर्जा की मांगों को 1000 से अधिक वर्षों तक पूरा कर सकता है।

खास बात ये है कि भारत के पास भी थोरियम का बहुत बड़ा भंडार है। रिपोर्टों के अनुसार, वर्तमान में भारत का थोरियम भंडार दुनिया में सबसे बड़ा है।

भारत के परमाणु ऊर्जा विभाग ने देश में उपलब्ध थोरियम के विशाल भंडार को दीर्घकालिक विकल्प के रूप में इस्तेमाल की योजना बनाई है।थोरियम एक चांदी के रंग की धातु है जिसका नाम पुराने स्कैंडिनेवियन देवता थोर के नाम पर रखा गया है।

यह यूरेनियम की तुलना में 200 गुना अधिक ऊर्जा पैदा करता है। यूरेनियम रिएक्टरों के विपरीत थोरियम मोल्टेन-साल्ट रिएक्टर छोटे होते हैं। पिघल नहीं सकते और उन्हें पानी से ठंडा करने की आवश्यकता भी नहीं होती है। इसके अलावा वे रेडियोधर्मी अपशिष्ट भी कम मात्रा में छोड़ते हैं।

योगराज ने युवकों की मदद नहीं करने पर की पाकिस्तानी पूर्व दिग्गजों की आलोचना

कहा- पाकिस्तानी एक्सपर्ट्स में जुनून नहीं वह पैसे के लिए देश का दुरुपयोग करते हैं

चंडीगढ़, 02 मार्च (एजेंसियां)। भारत के पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने देश के युवा वर्ग को मदद नहीं करने के लिए पाकिस्तान के दिग्गजों की आलोचना की और कहा है कि वे केवल पैसा कमाने के उद्देश्य से अपने ही देश का दुरुपयोग करते हैं। पाकिस्तान ने चैंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप स्टेज का अपना आखिरी मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ खेलना था, लेकिन यह बारिश की भेंट चढ़ गया। इसके साथ पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गया। उन्हें केवल एक ही अंक मिला। पाकिस्तान में 29 सालों में पहला आईसीसी टूर्नामेंट हो रहा था लेकिन उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा।

योगराज ने कहा कि पाकिस्तान के साथ समस्या यह है कि उनके पास वसीम अकरम, शोएब अख्तर, वकार यूनिस या इंजमाम-उल-हक जैसे महान सेवानिवृत्त खिलाड़ी हैं। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं लेकिन जो गलत है वह गलत है। भारत और पाकिस्तान के बीच अंतर यह है कि राहुल द्रविड़, लक्ष्मण और युवराज सिंह जैसे खिलाड़ियों ने भविष्य के भारतीय खिलाड़ियों को विकसित करने में मदद की है। मैं अपने देश से प्यार करता हूं, यही वजह है कि मैं अपने बेटे की बलि देने के लिए तैयार था, जिसे कैंसर था, लेकिन पाकिस्तानी एक्सपर्ट्स में वह जुनून नहीं है। वे अपनी तुलना भारत से करते हैं लेकिन अपने देश से इतना प्यार नहीं करते कि कहें कि हमने काफी पैसा कमा लिया है और युवा पीढ़ी को प्रशिक्षित करना शुरू कर दें। इमरान खान ने इन सभी खिलाड़ियों के लिए मंच तैयार किया था लेकिन उन्हें जेल भेज दिया गया। वे उस तरह के लोग हैं जो पैसों के लिए अपने देश को गालियां देते हैं।

योगराज ने पाकिस्तान टीम को कोचिंग देने की भी बात कही। 75 साल पहले हम साथ हुआ करते थे, बिछड़ गए लेकिन प्यार नहीं मिटता। कोई भी टीम जो पतन की ओर है, मुझे अपनी सेवाएं प्रदान करने में खुशी होगी।

न्यूज ब्रीफ

गावस्कर ने लगाई इंग्लिश दिग्गजों की क्लास, कहा - भारत पर टिप्पणी से पहले अपनी टीम पर ध्यान दें

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन और माइकल एथरटन ने हाल ही में दावा किया था कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत को फायदा मिल रहा है क्योंकि टीम को एक ही स्थान पर खेलने का अवसर मिल रहा है, जबकि बाकी टीमों को लगातार सफर करना पड़ रहा है, जिससे उनके प्रदर्शन पर असर पड़ रहा है। इस बयान पर भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने करारा जवाब दिया है। गावस्कर ने इंग्लिश दिग्गजों को फटकार लगाते हुए कहा, आप हर वक्त भारत के बारे में ही क्यों सोचते हैं क्या आपको अपने देश की परवाह नहीं है भारत को क्या मिला, भारत को क्या नहीं मिला, यही सब कहने से बेहतर है कि आप अपनी टीम पर ध्यान दें। आपकी टीम टूर्नामेंट से बाहर क्यों हुई, उस पर गौर करें। उन्होंने आगे कटाक्ष करते हुए कहा, इंग्लैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई, लेकिन ये लोग भारत की स्थिति पर टिप्पणी करने में व्यस्त हैं। उन्हें समझना चाहिए कि उनका वेतन भी उसी से आता है जो भारत क्रिकेट की दुनिया में लाता है। गौरतलब है कि भारत अब तक चैंपियंस ट्रॉफी में अपने सभी मुकाबले जीत चुका है और 2 मार्च को उसका सामना न्यूजीलैंड से होगा। भारत के सभी मैच दुबई में खेले जा रहे हैं, क्योंकि बीसीसीआई ने पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया था, जिसके चलते टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में आयोजित किया जा रहा है।

दुनिया के सबसे उम्रदराज क्रिकेटर दक्षिण अफ्रीकी के रॉन ड्रेपर का निधन

नई दिल्ली। सबसे उम्रदराज टेस्ट क्रिकेटर ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। ये टेस्ट क्रिकेटर रॉन ड्रेपर थे, जिनका निधन 98 साल और 63 दिनों की उम्र में हुआ। 28 फरवरी 2025 को उनके निधन की पुष्टि हुई। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज और विकेटकीपर रहे रॉन ड्रेपर ने 1950 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के लिए दो टेस्ट मैच खेले थे। ऑस्ट्रेलिया टीम में उनके एक प्रतिद्वंद्वी रहे नील हार्वे अब 96 वर्ष की आयु में सबसे बुजुर्ग जीवित टेस्ट खिलाड़ी हैं। पिछले दोनों सबसे उम्रदराज टेस्ट क्रिकेटर दक्षिण अफ्रीकी के ही थे। इनमें एक नॉर्मन गॉर्डन का नाम शामिल है, जिनका 2016 में 103 साल की आयु में निधन हुआ था और जॉन वॉटकिंस 98 साल तक जीवित रहे। उन्होंने 2021 में अंतिम सांस ली थी। रॉन ड्रेपर का जन्म 24 दिसंबर 1926 को हुआ था। उन्होंने अपने 19वें जन्मदिन पर ऑरेंज फ्री स्टेट के खिलाफ ईस्टर्न प्रोविंस के लिए प्रथम श्रेणी में पदार्पण करते हुए शतक बनाया था। 1949-50 में दौरे पर आई ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ प्रोविंस के लिए 86 रन बनाने के बाद उन्हें मेहमान टीम के खिलाफ आखिरी दो टेस्ट मैचों के लिए साउथ अफ्रीका की टीम में चुना गया था, लेकिन उन्होंने तीन पारियों में केवल 25 रन ही बनाए थे। इसके विपरीत हार्वे, जो उस समय 21 साल के थे और अपने शानदार टेस्ट करियर के शुरुआती दौर में थे, उन्होंने दोनों मैचों में शतक लगाया था।

साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया, सेमी फाईनल में बनाई जगह

कराची। साउथ अफ्रीका ने चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। साउथ अफ्रीका ने शनिवार को ग्रुप-बी के आखिरी मुकाबले में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया। अफ्रीकी टीम ने 180 रन के लक्ष्य को 29.1 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। इंग्लैंड की टीम 38.2 ओवर में 179 रन पर ऑलआउट हो गई। इंग्लैड के बल्लेबाज जो रूट ने सबसे ज्यादा 37 रन बनाए। वहीं, जोस बटलर ने 21 और जोफ्रा आर्चर ने अपनी टीम के लिए 25 रन का योगदान दिया। अफ्रीकी गैंदबाज मार्को यानसन और वायन मुल्डर ने 3-3 विकेट लिए वहीं, लुंगी एनगिडी, कगिसो रबाडा ने 1-1 विकेट लिया और केशव महाराज ने 2 विकेट लिये।

भारत ने न्यूजीलैंड को 44 रन से हराया

सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला, न्यूजीलैंड साउथ अफ्रीका से खेलेगी

दुबई, 02 मार्च (एजेंसियां)। श्रेयस अय्यर (79) की अर्धशतकीय पारी के बाद वरुण चक्रवर्ती (42/5) की मिस्ट्री गेंदों के कमाल से भारत ने न्यूजीलैंड को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के आखिरी लीग मैच में हरा दिया है। मैच में पहले गेंदबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने भारत को 9 विकेट पर 249 रन पर रोक दिया था। न्यूजीलैंड की पूरी टीम 45.3 ओवर में सभी विकेट खोकर 205 रन बना सकी। ऐसा लग रहा था कि छोटा स्कोर है तो न्यूजीलैंड के बल्लेबाज आसानी से लक्ष्य हासिल कर लेंगे, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। भारतीय गेंदबाजों ने कमाल की गेंदबाजी की और लगातार न्यूजीलैंड पर दबाव बनाए रखा। केन विलियमसन को छोड़ दिया जाए तो कोई भी कीवी बल्लेबाज मैदान पर भारतीय गेंदबाजों को झेल नहीं सका। अब भारतीय टीम 4 मार्च को ऑस्ट्रेलिया के साथ पहला सेमीफाइनल इसी दुबई स्टेडियम में खेलेगी, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड की भिड़ंत साउथ अफ्रीका के साथ 5 मार्च को है।

आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी कीवी टीम की शुरुआत खराब रही। रचिन रविंद्र 6 रन बनाकर हार्दिक पंड्या की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद तो धड़ाधड़ विकेट गिरते रहे, जबकि केन विलियमसन चट्टान की तरह मैदान पर अड़े रहे। टी20 विश्व कप 2021 में इसी दुबई के मैदान पर खराब प्रदर्शन की वजह से भारतीय टीम से बाहर होने वाले वरुण चक्रवर्ती ने कमाल की गेंदबाजी की। उन्होंने पहला विकेट विल यंग (22) को क्लीन बोल्ड करते हुए लिया। इसके बाद तो विकेटों की झड़ी लगा दी।डेरिल मिचेल (17) को कुलदीप यादव ने डइथ किया तो टॉम लाथम को रविंद्र जडेजा ने 14 रनों के स्कोर पर चलता किया। फील्डिंग से कोहराम मचाने वाले ग्लेन फिलिप्स को वरुण चक्रवर्ती की नाचती गेंद के आगे असहाय दिखे और 12 रन पर आउट हो गए। माइकल ब्रेसवेल 2 रन पर आउट हुए तो रही सही कसर केन विलियमसन के 81 रनों पर आउट होते ही पूरी हो गई। उन्होंने 120 गेंदों में 7 चौके जड़े, जबकि अक्षर पटेल की गेंद पर वह आउट हुए।इससे पहले हेनरी ने 8 ओवर में 42 रन देकर पांच विकेट लिए। उन्हें टीम के दूसरे गेंदबाजों अच्छा साथ मिला। न्यूजीलैंड के लिए काइल जैमीसन, विलियम ओ'राउरकी, कप्तान मिचेल सेंटनर और रचिन रविंद्र ने एक-एक विकेट लिए।

भारत ने शुरुआती सात ओवर में 30 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे लेकिन अय्यर ने 98 गेंद की पारी में चार चौके और दो छक्के की मदद से 79 रन की संयमित पारी खेलने के अलावा अक्षर पटेल (42) के साथ चौथे विकेट के लिए 136 गेंद में 98 रन की साझेदारी कर टीम को खराब शुरुआत से उबारा। उन्होंने लोकेश राहुल (23) के साथ भी 42 गेंद में 44 रन की साझेदारी की।अक्षर ने 61 गेंद की पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया। आखिरी ओवर में हार्दिक पंड्या ने 45 गेंद में चार चौके और दो छक्के की मदद से 45 रन बनाकर टीम को 250 रन के करीब पहुंचाया। मैच में रोहित शर्मा ने मैट हेनरी के खिलाफ आक्रामक अंदाज में चौका और छक्का लगाए, लेकिन इस तेज गेंदबाज ने शुभमन गिल (2) को चलता कर भारत का पहला झटका दिया। काइल जैमीसन के खिलाफ बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में रोहित (15) विल यंग को कैच देकर पवेलियन लौट गए। पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद शतक जड़ने वाले विराट कोहली भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। हेनरी की गेंद पर पॉइंट की दिशा में ग्लेन फिलिप्स ने शानदार कैच लपक कर 14 गेंद में उनकी 11 रन की पारी को खत्म किया।बीच के ओवर्स में भारत के स्पिनर्स ने शिंकजा कसा। एक छोर पर केन विलियमसन टिके रहे लेकिन दूसरी तरफ से विकेट गिर रहे थे। डैरेल मिचेल 17, टॉम लाथम 14 और ग्लेन फिलिप्स 12 रन बनाकर स्पिनर्स का शिकार बने। माइकल ब्रेसवेल तो 2 रन ही बना सके।वरुण चक्रवर्ती चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अपना पहला ही मुकाबला खेल रहे हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के ओपनर विल यंग को बोल्ड किया। कप्तान रोहित शर्मा ने उन्हें कुलदीप यादव से पहले गेंदबाजी अटैक पर लेकर आए थे।न्यूजीलैंड के लिए रचिन रविंद्र ने पिछले मैच में शतक लगाया था। बांग्लादेश के खिलाफ वह जीत के हीरो थे लेकिन इस मैच में हार्दिक पंड्या ने उन्हें नहीं चलने दिया। चौथे ओवर में हार्दिक की गेंद पर अक्षर ने उनका कमाल का कैच लिया।भारतीय के लिए सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल बेहतरीन फॉर्म चल रहे हैं। उन्होंने पहले दोनों मैचों में कमाल की बैटिंग की थी लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ उनका पहला नहीं चला। वह सिर्फ दो रन बनाकर आउट हुए।ग्लेन फिलिप्स दुनिया के सबसे बेहतर फील्डर में गिने जाते हैं।

ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, मैथ्यू शॉर्ट सेमीफाइनल से हो सकते हैं बाहर

करांची, 02 मार्च (एजेंसियां)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में बिना कोई मैच जीते सेमीफाइनल में पहुंच चुकी ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़ा झटका लग सकता है। टीम के सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट चोटिल हो गए हैं और उनके आगामी मुकाबले में खेलने पर संशय बना हुआ है। शॉर्ट को अफगानिस्तान के खिलाफ लाहौर में खेले गए मैच के दौरान चोट लगी थी, जिसके कारण वह सेमीफाइनल से बाहर हो सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने इस पर चिंता जताते हुए कहा कि शॉर्ट अभी संघर्ष कर रहे हैं और उनके ठीक होने के लिए कुछ दिन काफी कम हैं। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि उनकी जगह कौन सा खिलाड़ी प्लेइंग इलेवन में शामिल होगा, लेकिन माना जा रहा है कि जेक फ्रेजर-मैकगर्क को मौका मिल सकता है। मैथ्यू शॉर्ट ने अफगानिस्तान के खिलाफ 15 गेंदों पर 20 रन बनाए थे, जिसमें तीन चौके और एक छक्का शामिल था। उन्होंने टूर्नामेंट में अब तक 102 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 83 रन बनाए हैं, जिससे वह टीम के अहम बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी लाइनअप पर असर पड़ सकता है।

अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में ऑस्ट्रेलिया 274 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही थी और 13 ओवर में एक विकेट खोकर 109 रन बना चुकी थी। लेकिन इसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा और करीब एक घंटे की देरी के बाद अंपायरों ने गीली पिच की वजह से मैच रद्द करने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया फिलहाल ग्रुप बी की अंक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है। टीम को अब यह जानने के लिए रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले मुकाबले का इंतजार करना होगा कि उसका सेमीफाइनल मुकाबला 4 मार्च को दुबई में होगा या 5 मार्च को लाहौर में।

मोइनाबाद, अजीज नगर स्थित हैदराबाद पोलो राइडिंग क्लब में चल रहे पोलो चैम्पियनशिप का फाइनल मैच का आनंद लेते हुए एचपीआरसी प्रशासन सचिव शेख रियाज अहमद दम्पति।

बटलर के बाद कौन होगा इंग्लैंड का कप्तान टीम में हैं तीन मजबूत दावेदार

नई दिल्ली

इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर होने के बाद टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। मैच के बाद उन्होंने कहा था कि वे इस बारे में सोचेंगे, लेकिन अगले ही दिन उन्होंने वनडे टीम की कप्तानी से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया। वे चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के टीम के आखिरी लीग मैच में साउथ अफ्रीका के खिलाफ कप्तानी करते नजर आएंगे, लेकिन इसके बाद इंग्लैंड की व्हाइट बॉल टीम का कप्तान कौन होगा इंग्लैंड की टीम की कप्तानी हैरी ब्रूक ने कुछ महीने पहले की थी। वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की वनडे सीरीज में कप्तान रह चुके हैं और वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को उनकी टीम ने 3-2 से हराया था। मौजूदा समय में इंग्लैंड के बाहर उनसे रन नहीं बन रहे हैं। इसके बावजूद उनकी दावेदारी कप्तानी के लिए मजबूत लग रही है।

इंग्लैंड के ओपनर बेन डकेट की लोकप्रियता भी कम नहीं है। इंग्लैंड की टीम को कई बार बेन डकेट ने संघर्षों से बाहर निकाला है। उन्होंने मध्य क्रम में भी कुछ अच्छी पारियां खेली हैं। वह तीनों फॉर्मेट में खेलते हैं और एक सीनियर प्लेयर हैं। उनके साथ समस्या है कि जब भी वह बोलते हैं तो इंग्लैंड के प्रशंसकों को परेशान कर देते हैं। उन्होंने हाल ही में बयान दिया था कि भारत के खिलाफ वनडे सीरीज जीतने से अच्छा है कि चैंपियंस ट्रॉफी जीते, लेकिन ऐसा नहीं कर पर पाए। इसमें कुछ बुरा नहीं है। अगर इंग्लैंड की भारत से पहले की सीरीज देखें तो वहां लियाम लिविंगस्टोन ने प्रभावित किया था और एक शतक जड़ा था। वे मैच्योर प्लेयर हैं और सीधे साफ बोलने के लिए मशहूर हैं। वे शॉर्ट फॉर्मेट में उनकी टीम में जगह भी फिलहाल पक्की है। ऐसे में वे कप्तानी के दावेदार हैं। इसके अलावा जो रूट और बेन स्टोक्स भी ब्रैंडन मैकुलम के साथ सीमित ओवरों की टीम की कप्तानी करते नजर आ सकते हैं।

अ.भा. गोल्डकप फुटबॉल स्पर्धा : राजमोहल्ला इलेवन व महू एकेडमी मुख्य दौर में पहुंची

क्वालीफाई करने वाली छह टीमें अब देश की दिग्गज टीमों के साथ खेलेगी

इन्दौर, 02 मार्च (एजेंसियां)। सेंट्रल जिमखाना क्लब की मेजबानी में आयोजित प्रकाश सोनकर व सुरेश ऐरन स्मृति अ.भा. मोयरा गोल्ड कप फुटबॉल स्पर्धा के मुख्य दौर का आगाज रविवार से हो रहा है, पहले चरण के अंतिम मैचों में राजमोहल्ला इलेवन व महू एकेडमी ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे चरण के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इन्दौर व महू की क्वालीफाई करने वाली छह टीमों को अब देश की दिग्गज टीमों के साथ खेलने का मौका मिलेगा।

स्पर्धा संयोजक भारत मथुरावाला ने बताया कि मोयरा सरिया, खेल विभाग व नगर पालिक निगम इन्दौर के सहयोग से आयोजित की जा रही इस स्पर्धा के तहत शनिवार को पहला मुकाबला राजमोहल्ला इलेवन व मालवा स्पोर्ट्स के मध्य खेला गया, मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए तेज गति के खेल का प्रदर्शन किया। दर्शकों को कई शानदार मूव देखने को मिले। मैच के 35वें मिनट में अनिकेत ने तीन खिलाड़ियों को छकाते हुए 25 गज की दूरी से शक्तिशाली प्रहार करते हुए शानदार गोल दाग दिया व राजमोहल्ला इलेवन को 1-0 से आगे कर दिया। इसके बाद मालवा स्पोर्ट्स ने दूसरे हॉफ में पहटवार करते हुए कई हमले बोले लेकिन राजमोहल्ला इलेवन की सशक्त डिफेंस व गोलकीपर ने सभी हमलों को नाकाम कर दिया और राजमोहल्ला की टीम 1 मात्र गोल से जीत हासिल कर मुख्य दौर के लिए क्वालीफाई कर गई। शनिवार को दूसरा मैच महू एकेडमी व एस.एफ. बायज के मध्य खेला गया। एस.एफ बायज ने कई दिग्गज टीमों को हराकर अंतिम दौर में प्रवेश किया था, लेकिन उसे कड़े संघर्ष के बाद महू एकेडमी से 2-1 से मात खाना पड़ी। इस मैच के 10वें मिनट में ही एस.एफ. बायज की ओर से आदित्य ने सुंदर मैदानी गोल दागा, लेकिन इसके बाद इस मैच के हीरो विपिन ने 17वें तथा 27वें मिनट में लगातार दो गोल दागकर महू एकेडमी को निर्णायक बढ़त हासिल करवा दी। हालाकि एस.एफ. बायज ने वापसी के कई प्रयास किए लेकिन रैफरी की अंतिम सिटी बजने तक बाजी महू एकेडमी के पक्ष में 2-1 से आ गई थी। मैचों के दौरान अपेक्स बैंक के वाइस प्रेसिडेंट पवन बाकलीवाल, संजय लुणावत, रमेश मूलचंदानी, पार्षद पूजा पाटीदार तथा पुलिस विभाग के काईम हुसैन रिजवी ने परिचय प्राप्त कर खिलाडियों की हौसला अफजाई की। अतिथियों का स्वागत भारत मथुरावाला, के.के. गोयल, महेश दलोद्रा, जितेन्द्र गर्ग, विष्णु बिंदल, अरविन्द तिवारी, संजय विजयवर्गीय, मनोहर मस्ताना, अतुल अग्रवाल, रमेश खंडेलवाल, बी.के. गोयल, रविंद्र राठी, पवन सिंघल, अजय रांवका, अज्जू बडजात्या, मनीष मित्तल, जमना सिलावट, नारायण खरबड़ीकर, शेख हमीद ने किया।

मुख्य दौर में मुकाबले

- 1. यंग आदिवासी इन्दौर वि. साई धाम युनाईटेड महू
- 2. आदिवासी ए इन्दौर वि. डे बोर्डिंग महू ।

जीएसटी कलेक्शन फरवरी में बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रहा

नई दिल्ली, 02 मार्च (एजेंसियां)।

भारत का गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) कलेक्शन फरवरी में सालाना आधार पर 9.1 प्रतिशत बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपये हो गया है। हाल ही में जारी हुए सरकारी डेटा से यह जानकारी मिली। यह लगातार 12वां महीना है, जब जीएसटी कलेक्शन 1.7 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। कलेक्शन में वृद्धि की वजह घरेलू स्तर पर जीएसटी राजस्व 10.2 प्रतिशत बढ़ना है, जो कि फरवरी में 1.42 लाख करोड़ रुपये रहा है। हालांकि, आयात पर लगने वाले से आय 5.4 प्रतिशत बढ़कर 41,702 करोड़ रुपये रही है।

फरवरी में सेंट्रल जीएसटी कलेक्शन 35,204 करोड़ रुपये, स्टेट जीएसटी कलेक्शन 43,704 करोड़ रुपये और इंटीग्रेटेड जीएसटी कलेक्शन 90,870 करोड़ रुपये रहा है। वहीं बीते महीने 13,868 करोड़ रुपये का सेस एकत्रित किया गया है। रिफंड को निकाल दिया जाए तो फरवरी 2025 में शुद्ध जीएसटी कलेक्शन 8.1 प्रतिशत बढ़कर 1.63 लाख करोड़ रुपये रहा है। बीते महीने 20,889 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि से 17.3 प्रतिशत अधिक था। कलेक्शन में कमी की वजह फरवरी में 28 दिनों का होना था।

भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी देखने को मिल रही है। देश की रियल जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में बढ़कर 6.2 प्रतिशत हो गई है, जो कि इससे पहले की तिमाही में 5.6 प्रतिशत (संशोधित अनुमान) थी। सरकार द्वारा जारी किए गए अनुमानों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की रियल जीडीपी ग्रोथ 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

साइबर हमला: भारतीय कंपनियों को 20000 करोड़ के नुकसान की आशंका; खुदरा-ई-कॉमर्स को 5800 करोड़ की चपत की संभावना

नई दिल्ली । साइबर अपराधों के कारण इस साल भारतीय संस्थाओं को 20,000 करोड़ रुपये का नुकसान होने की आशंका है। साइबर सुरक्षा खुफिया फर्म क्लाइड सेक ने रिपोर्ट में कहा, उसने विभिन्न क्षेत्रों की 200 कंपनियों, 5,000 से अधिक डोमेन और लगभग 16,000 ब्रांड दुरुपयोग के डाटा साइबर अपराध पैटर्न और वित्तीय प्रभावों आदि का विश्लेषण कर यह अनुमान लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार, 20,000 करोड़ रुपये में से 9,000 करोड़ रुपये अकेले ब्रांड नाम के दुरुपयोग के कारण है। सभी साइबर अपराध की घटनाओं में से एक तिहाई में ब्रांड का दुरुपयोग शामिल है। करीब 70 फीसदी साइबर अपराध उच्च मूल्य वाले सेगमेंट में होते हैं। साइबर अपराध की शिकायतें 25 लाख से अधिक होने की उम्मीद है। इनमें से 5 लाख शिकायतें ब्रांड से जुड़ी हो सकती हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ट्रंप के बयान...

वह कृषि और अन्य कार्यक्रमों से जुड़ी सात परियोजन-ाओं के लिए थी। केंद्रीय वित्त मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट में यह बात सामने आ चुकी है। उसमें वोटर टर्नआउट का उल्लेख नहीं है। फिर 21 मिलियन डॉलर की फंडिंग का मामला क्या था?डिपार्टमेंट आफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) के प्रमुख एलन मस्क ने यूएसएड के माध्यम से दी जाने वाली सहायता राशि की कई खेप रद्द करने की बात कही है। इसमें 21 मिलियन डॉलर भी शामिल हैं। इससे यह साबित हो गया कि इंडियन एक्सप्रेस द्वारा प्रकाशित और प्रसारित खबर फर्जी थी। उसने रिपोर्ट इस तरह से लिखी थी कि उसे पढ़कर लोग यह मान लें कि ऐसी कोई राशि भारत में आने वाली नहीं थी। ट्रंप ने गलती से बांग्लादेश की जगह भारत का नाम लिया है।

इंडियन एक्सप्रेस के इस फेक न्यूज को बिना देर किए सोशल मीडिया पर साझा करने वालों में फंडिंग लाभान्वित गिरोह के कई फैक्ट चेकर भी थे। वे इंडियन एक्सप्रेस के फेक न्यूज से इतने अभिभूत थे कि उन्होंने इसका फैक्ट चेक करना जरूरी नहीं समझा। इनमें राजदीप सरदेसाई, पूर्व पत्रकार एवं वर्तमान राज्यसभा सांसद सागरिका घोष, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण, वेबसाइट मॉडरेटर मोहम्मद जुबैर, पत्रकार सबा नकवी, यूट्यूबर संकेत उपाध्याय, साकेत गोखले, सुशांत सिंह, परंजॉय गुहा ठाकुरता, केसी सिंह जैसे लोग शामिल थे। दरअसल, अंग्रेजी अखबार की खबर भारत के आंदोलनजीवियों और कांग्रेसियों के लिए राहत की सांस बनकर आई थी, इसलिए पूरा इकोसिस्टम तेजी से सक्रिय हो गया।

सरल शब्दों में मतदाता प्रतिशत बढ़ाने के लिए यूएसएड की प्रस्तावित फंडिंग की प्रस्तावना को राहुल गांधी के उस बयान से समझा जा सकता है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे इंडियन स्टेट से लड़ रहे हैं। इस लड़ाई के लिए यूएसएड से पैसे मिल रहे थे। लेकिन ट्रंप के कारण अमेरिकी डीप स्टेट की कलई खुल गई कि भारत में मौजूदा सरकार को अस्थिर करके एक नई सरकार को गद्दी पर बिठाने के लिए यूएसएड मोटी रकम निवेश करने को तैयार था। 2024 लोकसभा चुनाव बुरी तरह हारने के बाद भी कांग्रेस आईटी सेल के प्रमुख पवन खेड़ा पूरे आत्मविश्वास से कहते दिखते थे कि यह सरकार अधिक समय तक चल नहीं पाएगी। यह डीप स्टेट के धन से हासिल विश्वास ही था।

पिछले साल दिसंबर में फ्रांसीसी ऑनलाइन समाचारपत्र मीडियापार्ट ने एक खुलासा किया था। इसमें कांग्रेस और उसके प्रथम परिवार पर भारत विरोधी अंतरराष्ट्रीय शक्तियों से साठगांठ की बात कही गई थी। कांग्रेस उपाध्यक्ष सोनिया गांधी पर जॉर्ज सोरोस से निकटता और कांग्रेस पर उसके एजेंडे के अनुसार काम करने के आरोप लगे थे। इसमें सोरोस द्वारा वित्त पोषित संस्था फोरम आफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन एशिया पैसिफिक (एफडीएल-एपी) का नाम भी आया था, जिसमें सोनिया गांधी को सह-अध्यक्ष बताया गया था। एफडीएल-एपी पाकिस्तान समर्थक और भारत विरोधी संस्था है, जो कश्मीर के स्वतंत्र बनाने की वकालत करती है।डीओजीई में प्रस्तावित राशि थी, उसमें भारत के लिए 21 मिलियन डॉलर और बांग्लादेश के लिए 29 मिलियन डॉलर था। लेकिन इंडियन एक्सप्रेस की खोजी रिपोर्ट में भारत भेजे जाने वाले पैसे का जिक्र छिपाया गया। यूएसएड ने 2020 से भारत में लगभग 650 मिलियन डॉलर भेजे हैं, जो 2001 के बाद से 2.86 बिलियन डॉलर के कुल वित्तपोषण का लगभग पांचवां हिस्सा है।उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान एनजीओ को होने वाली एफसीआरए फंडिंग बढ़ गई थी। केयर इंटरनेशनल और सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च (सीपीआर), ये दोनों आक्सफैम इंडिया से जुड़ी संस्थाएं हैं। आक्सफैम को वित्त पोषण अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस करता है। भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सोरोस की नफरत किसी से छिपी नहीं है। वह साफ शब्दों में कह चुका है कि वह भारत की मोदी सरकार को अस्थिर करने की मंशा रखता है। कथित थिंक टैंक सीपीआर को कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर की बेटी यामिनी अय्यर चलाती हैं। नियमों के उल्लंघन पर गृह मंत्रालय ने पिछले वर्ष जनवरी में इसका एफसीआरए रद किया था। वर्ल्ड विजन इंटरनेशनल से असम के पूर्व कांग्रेसी मुख्यमंत्री तरुण गोगोई का संबंध रहा है। इसे 71.89 मिलियन डॉलर की मदद मिली। वर्ल्ड विजन का भी एफसीआरए लाइसेंस रद्द हुआ है। विदेशी पैसों में हेरा-फेरी के मामले में अब तक लगभग 2,000 एनजीओ पर कार्रवाई हो चुकी है, जिसमें राजीव गांधी फाउंडेशन भी शामिल है। जब संदिग्ध गतिविधियों और एफसीआरए खातों में विसंगतियों वाले सभी एनजीओ पर कार्रवाई हो रही है, ऐसे में यूएसएड को भारत में मतदान की प्रक्रिया को प्रभावित करने के अपने प्रयास में निराशा मिली है तो इसमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए। अब तो अमेरिका भी कह रहा है कि भारत को इस मदद की आवश्यकता नहीं है। कांग्रेस के राज में गोरी चमड़ी वाले भारत को न केवल सपेरों और मदारियों का देश समझते थे, बल्कि ऐसा लिखते और बोलते भी थे। अब वैश्विक पटल पर भारत की छवि बदल रही है, तो उनकी दृष्टि भी बदल रही है।

वामपंथी इकोसिस्टम के लिए पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने यूएसएआईडी नाम से एक ऐसा डेमोक्रेटिक औजार स्थापित किया, जो कागज पर स्वतंत्र एजेंसी के तौर पर काम कर रही थी, लेकिन उसकी वैचारिकी और निष्ठा डेमोक्रेट सरकार के प्रति थी। इस बीच, कई बार रिपब्लिकन सरकार अमेरिका में आई, लेकिन यूएसएड का तंत्र नहीं बदला। कैनेडी के बाद रिचर्ड निक्सन, गेराल्ड फोर्ड, रोनाल्ड विलसन रीगन, एच.डब्ल्यू. बुश, जॉर्ज डब्ल्यू. बुश जैसे ताकतवर अमेरिकी रिप-ब्लिकन राष्ट्रवादी राष्ट्रपति हुए, लेकिन उन्होंने यूएसएआईडी को मनमानी करने दी। यूएसएआईडी दुनियाभर के वामपंथी संगठनों की पहचान करके उन्हें महिला स्वास्थ्य, साफ पानी, जलवायु के नाम पर संसाधन उपलब्ध कराता रहा और बड़ी चालाकी से पैसा एक खास विचारधारा वाले लोगों के पास पहुंचाता रहा। जब डोनाल्ड ट्रंप पहली बार रिपब्लिकन नेता के तौर अमेरिका के राष्ट्रपति बने तो उन्हें एनजीओ और मीडिया से कुछ उसी तरह के विरोध का सामना उन्हें करना पड़ा, जैसा भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को करना पड़ा था। डोनाल्ड ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में ही यह समझ गए थे कि अमेरिका में सरकार भले ही रिपब्लिकन की हो, पर तंत्र डेमोक्रेटका चल रहा है। इसलिए जब अमेरिका में यूएसएआईडी पर कार्रवाई हुई, तो दुनियाभर के लिबरल सड़क पर उतर आए।दरअसल, यूएसएड की स्थापना शीत युद्ध के दौरान 1961 में सोवियत प्रभाव को कम करने के लिए की गई थी ताकि अमेरिकी नैरेटिव के प्रचार के लिए दुनिया भर में इको सिस्टम खड़ा किया जा सके। इसे ध्यान में रखकर ही विदेशी सहायता कार्यक्रम चलाया गया, पर यह सिर्फ सहायता नहीं थी, बल्कि अमेरिका इन पैसों के जरिये डेमोक्रेटिक घुसपैठ कर रहा था। इसका परिणाम भारत जैसे देश में यह हुआ कि कुछ पत्रकार, प्राध्यापक, सामाजिक कार्यकर्ता, वंचित समाज से आने वाले लोग कांग्रेस के कार्यकर्ता की तरह काम करने लगे। लेकिन जैसे ही इन लोगों ने कांग्रेस की आलोचना की या भाजपा की तरफ झुकाव दिखाया, एक बड़े गिरोह ने उन पर गोदी मीडिया या बिका हुआ का लेबल चिपका दिया। रिपोर्टर विदाउट बॉर्डर ने खुलासा किया है कि 2023 में यूए-सएआईडी ने 30 से अधिक देशों के 6,200 पत्रकारों, 707 मीडिया आउटलेट्स और 279 मीडिया केंद्रित एनजीओ को आर्थिक सहायता दी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने वैचारिकी के इस वैश्विक संघर्ष को वाशिंगटन में सीपीएसी 2025 सम्मेलन में समझाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा,वामपंथी घबराए हुए हैं और ट्रंप की जीत के साथ उनकी चिड़चिड़ाहट उन्माद में बदल गई है। न केवल इसलिए कि राष्ट्रवादी जीत रहे हैं, बल्कि इसलिए कि राष्ट्रवादी अब विश्व स्तर पर सहयोग कर रहे हैं। जब बिल क्लिंटन और टोनी ब्लेयर ने 90 के दशक में वामपंथियों का वैश्विक उदारवादी नेटवर्क बनाया, तो उन्हें राजनीतिज्ञ कहा जाने लगा। आज, जब ट्रंप, मेलोनी और मोदी बात करते हैं, तो उन्हें लोकतंत्र के लिए खतरा कहा जाता है। यह दोहरा मापदंड है, लेकिन हम इसके आदी हैं और अच्छी खबर यह है कि लोग उनके झूठ पर अब विश्वास नहीं करते हैं। चाहे वे हम पर जितना कीचड़ उछालते रहें, उसके बावजूद देश के नागरिक हमें वोट दे रहे हैं।डोज ने सीईपीपीएस को भारत के लिए दाता एजेंसी के रूप में नामित किया है, जिसका वित्तपोषण यूए-सएआईडी करता है। डोज द्वारा यूएसएआईडी की गतिविधियों पर रोक लगाने के आदेश के बाद से यूए-सएआईडी और सीईपीपीएस, दोनों वेबसाइटों को हटा दिया गया है। यदि सब कुछ इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट की तरह निर्मल और पावन था, तो दि कॉन्सोर्टियम फॉर इलेक्शंस एंड पॉलिटिकल प्रॉसेस स्ट्रेंथनिंग (सीईपीपीएस) का एक्स खाता बंद क्यों किया गया? सीईपीपीएस एक वैश्विक संस्था है, जो दुनिया भर में लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने और चुनावी प्रक्रिया के सुधार के लिए नेशनल डेमोक्रैटिक इंस्टिट्यूट (एनडीआई) और इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर इलेक्टोरल सिस्टम्स (आईएफईएस) के साथ मिलकर काम करता है। इस समूह ने पिछले साल मार्च में भारत का नक्शा प्रकाशित किया था, जिसमें लद्दाख और कश्मीर गायब थे। इन्हें जॉर्ज सोरोस का समर्थन हासिल है। मतलब जॉर्ज सोरोस के हाथ में डोर है और वह इसे पकड़ कर कई सारी कठपुतलियां भारत के अंदर नचा रहा है। कौन कौन इशारे पर नाच रहा है, समय रहते उनकी पहचान करनी होगी। भारत में सीईपीपीएस का स्थानीय सहयोगी सीएसडीएस लोकनीति है। यह बात सामने आ गई है। कोई बताए कि बांग्लादेश में इसका स्थानीय सहयोगी कौन है?

सोमनाथ समेत...

3 मार्च को प्रधानमंत्री गिर राष्ट्रीय उद्यान में जंगल सफारी का आनंद लेकर अपने दिन की शुरुआत करेंगे। जंगल सफारी से लौटने के बाद पीएम मोदी वन्य जीवों के मुद्दे पर अहम बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे। प्रधानमंत्री नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्ड लाइफ (एनबीडब्ल्यूएल) की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में वन्यजीवों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। एनबीडब्ल्यूएल में 47 सदस्य हैं, जिनमें सेना प्रमुख, विभिन्न राज्यों के सदस्य, इस क्षेत्र में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, मुख्य वन्यजीव वार्डन और विभिन्न राज्यों के सचिव शामिल हैं। देश के प्रधानमंत्री एनबीडब्ल्यूएल के पदेन अध्यक्ष होते हैं।

पीएम मोदी के गृह राज्य में होने के अलावा भी आस्था का बड़ा केंद्र सोमनाथ देश के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में सबसे पहला माना जाता है। इस तीर्थ से प्रधानमंत्री की आस्था का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब तक 163 से अधिक गणेश प्रतिमाएं सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट को सौंप चुके हैं। ये सभी गणेश प्रतिमाएं ट्रस्ट के अधीन चलने वाले श्री राम मंदिर में रखी हुई हैं। ये गणेश प्रतिमाएं उन्हें देश-विदेश की यात्रा के दौरान लोगों के द्वारा उन्हें दी जाती हैं। समय-समय पर प्रधानमंत्री इन मूर्तियों को सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट को सौंप देते हैं।सोमनाथ सनातन आस्था का बड़ा केंद्र इसलिए भी है क्योंकि महादेव के अलावा यहां से श्रीकृष्ण की लीलाएं भी जुड़ी हैं। यही कारण है कि सोमनाथ को एक आध्यात्मिक तीर्थ की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है। सोमनाथ पहुंचने वाले तीर्थयात्रियों के लिए उन मंदिरों का दर्शन भी सुलभ हो जाता है जहां भगवान कृष्ण ने अपनी इहलीला का अंत किया था और उनके बैकुंठ लोक जाने के बाद उनके बड़े भाई बलराम ने एक गुफा के रास्ते से पाताल लोक गमन किया था। ये सभी पुण्य स्थल सोमनाथ के आसपास ही हैं और कोई भी तीर्थयात्री आसानी से इनके दर्शन कर सकता है।

कांग्रेस की...

मामले को लेकर कहा कि हिमानी की मां ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। यह बहुत ही गंभीर मामला है। कांग्रेस के लोग पहले भी ऐसा करते रहे हैं। आगे बढ़ने के लिए दूसरों को पीछे धकेलना इनकी पुरानी आदत है। पुलिस इसकी गहराई से जांच कर रही है। जो भी इस मामले की सच्चाई होगी, उसे अंजाम तक पहुंचाया जाएगा।

पुलिस ने बताया कि हिमानी के हाथों में मेहंदी लगी हुई थी और गले में दुपट्टा बंधा हुआ था। होठों पर खून के धब्बे थे और चेहरा नीला पड़ा हुआ था। हिमानी हरियाणा के रोहतक में विजयनगर इलाके की रहने वाली थी। उन्होंने वैश्य कॉलेज से एमबीए और कानून की पढ़ाई की थी। पुलिस को संदेह है कि हिमानी नरवाल की हत्या दुपट्टे से गला घोंटकर की गई। हत्या के पहले हिमानी को बेहद क्रूरता से पीटा गया, इसके बाद दुपट्टे से गला घोंटकर मारा गया। पुलिस पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट की प्रतीक्षा कर रही है। सोशल मीडिया पर हिमानी नरवाल और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की कई तस्वीरें पोस्टेड हैं। इनमें कई तस्वीरें भारत जोड़ो यात्रा की भी हैं। इसके अलावा, हिमानी नरवाल की हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बेटे एवं कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा के अलावा पार्टी विधायक भरत भूषण बत्रा के साथ भी कई तस्वीरें हैं।

इस घटना को कांग्रेस ने चौंकाने वाला बताया है। हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि हिमानी नरवाल की बर्बर हत्या चौंकाने वाली है। उन्होंने घटना की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग की है। विधायक भरत भूषण बत्रा ने भी हत्याकांड की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की मांग की है। हिमानी के बड़े भाई की भी 12 साल पहले हत्या कर दी गई थी। 10 साल पहले हिमानी के पिता शेर सिंह नरवाल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद हिमानी की मां उसे और उसके छोटे भाई जतिन को लेकर दिल्ली चली गई थी। पांच माह से हिमानी रोहतक में अकेली रह रही थी।बताया गया तीन दिन पहले हिमानी रोहतक के एक गांव में शादी में गई थी। शादी के बाद से ही वह लापता थी। पुलिस फिलहाल इलाके की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, ताकि संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिल सके। हिमानी का मोबाइल फोन भी गायब है। पुलिस फिलहाल उसकी जांच कर रही है।

हिमानी नरवाल की मां सविता नरवाल ने कहा कि चुनाव और पार्टी ने मेरी बेटी की जान ले ली। पार्टी में वो आगे बढ़ रही थी, इसी वजह से उसके कुछ दुश्मन भी बन गए। उन्होंने कहा कि हत्या के अपराधी कांग्रेस पार्टी से भी हो सकते हैं, उसके दोस्त भी हो सकते हैं। हिमानी का मां सविता ने बताया कि 28 फरवरी को वह घर पर थी। हमें पुलिस स्टेशन से घटना के बारे में फोन आया। उन्होंने कहा कि मेरी बेटी भूपिंदर सिंह हुड्डा की पत्नी आशा हुड्डा के बहुत करीब थी।

सविता ने कहा, मेरे बड़े बेटे की 2011 में हत्या कर दी गई और हमें कभी न्याय नहीं मिला। इसलिए, मैं अपने दूसरे बेटे को उसकी जान बचाने के लिए बीएसएफ कैंप ले गई। चुनाव के बाद हिमानी पार्टी से थोड़ा निराश हो गई थी। उसने कहा था कि उसे नौकरी चाहिए और वह पार्टी के लिए ज्यादा काम नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा कि हिमानी पिछले 10 सालों से कांग्रेस से जुड़ी हुई थी। वह शादी करने के लिए भी राजी हो गई थी। मैंने सुबह आशा हुड्डा को फोन किया था, लेकिन मेरा फोन रिसीव नहीं हुआ। मृतका के भाई जतिन ने बताया कि मेरी बहन ने रागुल गांधी के साथ भारत जोड़ो पदयात्रा की थी।मृतक हिमानी नरवाल की मां सविता कहती हैं कि प्रशासन यहां है। वे क्या करेंगे? वे जो कर सकते हैं, करेंगे। हमें लगता है कि यह (अपराधी) कांग्रेस पार्टी से जुड़ा कोई व्यक्ति हो सकता है। राहुल गांधी की पदयात्रा के ठीक बाद से ही वह कुछ लोगों के लिए एक दुखती रग बन गई थी। कुछ लोगों को आश्चर्य हुआ कि वह इतनी कम उम्र में इतनी जल्दी कैसे आगे बढ़ गई। यह बात आशा हुड्डा जानती थीं, बत्रा साहब और हुड्डा साहब भी जानते थे। यह बात सभी जानते थे।सविता ने बताया कि चुनाव के दौरान उनकी बेटी रात 2 बजे तक काम करती थी। आज एक बार भी भूपिंदर सिंह हुड्डा हमारे पास नहीं आए। मैंने आशा हुड्डा (भूपिंदर सिंह हुड्डा की पत्नी) को फोन किया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। मैं 27 फरवरी को शाम 4 बजे तक उनके साथ थी। उन्होंने मुझे बताया कि वे शाम 4 बजे दिल्ली के लिए निकलीं और दिल्ली बाईपास से बस पकड़ी। मैंने उस रात फिर उनसे बात की। उन्होंने मुझे बताया कि अगले दिन हुड्डा साहब का कार्यक्रम है और वे बात नहीं कर पाएंगी। उन्होंने कहा कि वे मुझे एक बार फोन करेंगी। मैंने पूरा दिन इंतजार किया लेकिन जब मैंने उसे रात में फोन किया, तो उसका नंबर बंद था। जब मैंने अगली सुबह उसे फोन किया, तो यह दो बार चालू हुआ और फिर बंद हो गया। फिर मुझे दोपहर 3 बजे पीएस से फोन आया।

हिमानी नरवाल के भाई जतिन ने बताया कि जब तक अपराधी पकड़े नहीं जाते हम बॉडी नहीं लेंगे। आज हरियाणा में चुनाव है, आज तो प्रशासन अलर्ट पर होता है फिर भी कोई पकड़ा नहीं जा रहा है। जिस बैग में बॉडी मिली वो हमारे घर का ही है। प्रशासन साथ नहीं दे रहा है, अगर प्रशासन साथ दे रहा होगा तो अब तक अपराधी पकड़े जा चुके होते। अभी तक कांग्रेस से कोई हमसे मिलने नहीं आया। मेरे पिता की मृत्यु हो गई भाई की हत्या हो गई और अब मेरी बहन की हत्या हो गई बस मैं और मेरी मां बचे हैं।

हिमानी मर्डर केस पर हरियाणा के मंत्री अनिल विज ने कहा कि उनकी मां के आरोप गंभीर हैं। कांग्रेस के लोग पहले भी ऐसा करते आए हैं। जल्दी तरक्की करने के लिए दूसरों को पीछे ढकेलना कांग्रेस की पुरानी आदत है। पुलिस गहराई से इसकी जांच कर रही है। जो भी सच्चाई निकलेगी उसको अंजाम तक पहुंचाया जाएगा।कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि एक बार फिर हरियाणा की कानून व्यवस्था की चौपट स्थिति को दर्शाता हुआ ये मामला देशवासियों के समाने है। हमारी मांग है कि सरकार तुरंत कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे। एसआईटी से उचित जांच कराई जाए। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि हमारे तमाम नेताओं ने सरकार से मांग की है कि इसकी तुरंत और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए जिससे सच सामने आए कि किस तरह से हमारे कांग्रेस कार्यकर्ता की निर्मम हत्या हुई। बहुत ही भयावह घटना है ये। हम उम्मीद करते हैं कि सरकार तुरंत कार्रवाई करेगी।

पूर्व सेबी...

आदेश में कहा गया है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की निष्क्रियता के कारण सीआरपीसी (आपराधिक प्रक्रिया संहिता) के प्रावधानों के तहत न्यायिक हस्तक्षेप की जरूरत है शिकायतकर्ता ने घोटाले की जांच की मांग की थी, जिसमें बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी, विनियामक उल्लंघन और भ्रष्टाचार शामिल है। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि सेबी के अधिकारी अपने वैधानिक कर्तव्य में विफल रहे, बाजार में हेरफेर को बढ़ावा दिया, तथा निर्धारित मानदंडों को पूरा नहीं करने वाली कंपनी को सूचीबद्ध करने की अनुमति देकर कॉरपोरेट धोखाधड़ी के लिए रास्ता खोला। शिकायतकर्ता ने कहा कि कई बार पुलिस स्टेशन और संबंधित नियामक निकायों से संपर्क करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। अदालत ने रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री पर विचार करने के बाद एसीबी वर्ली मुंबई क्षेत्र को आईपीसी, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, सेबी अधिनियम और अन्य लागू कानूनों के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। भारत की पहली महिला सेबी प्रमुख बुच पर अमेरिका स्थित शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने हितों के टकराव के आरोप लगाए थे। उसके बाद राजनीतिक तनाव के बीच बुच ने शुक्रवार को अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा किया।माधबी पुरी बुच ने 2 मार्च 2022 को सेबी चेयरपर्सन के तौर पर पदभार संभाला था। वह सेबी की पहली महिला अध्यक्ष बनी थीं और निजी क्षेत्र से आने वाली पहली शख्सियत भी थीं। उन पर अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग ने अनियमितता के कई गंभीर आरोप लगाए थे। विपक्षी दलों की ओर से भी उन पर समय-समय पर कई आरोप लगते रहे हैं। पिछले सप्ताह उनका कार्यकाल खत्म हुआ है। उनकी जगह ओडिशा कैडर के 1987 बैच के आईएएस अधिकारी तुहिन कांत पांडे को सेबी का प्रमुख नियुक्त किया गया है।इस शिकायत में कई हाईप्रोफाइल लोगों के नाम शामिल हैं। इनमें पूर्व सेबी चीफ माधबी पुरी बुच, अश्विनी भाटिया, अनंत नारायण और कमलेश चंद्र वार्ष्णेय शामिल हैं। इसके अलावा, बीएसई के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल और सीईओ सुंदररामन राममूर्ति को भी प्रतिवादी के तौर पर लिस्टेड किया गया है।कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पिछले फैसलों का हवाला दिया और कहा, आरोपों की गंभीरता, लागू कानूनों और स्थापित कानूनी मिसालों पर विचार करते हुए यह कोर्ट सीआरपीसी की धारा 156 (3) के तहत जांच का निर्देश देना सही समझती है। कोर्ट के आदेश के अनुसार, जांच की निगरानी कोर्ट के द्वारा की जाएगी और 30 दिन के अंदर स्टेटस रिपोर्ट भी कोर्ट को सौंपी जानी चाहिए। कोर्ट के आदेश पर सेबी ने भी प्रतिक्रिया दी है। सेबी ने आरोप लगाया कि अधिकारी प्रासंगिक समय पर अपने संबंधित पदों पर नहीं थे और कहा कि कोर्ट ने रेगुलेटरी बॉडी को तथ्यों को रिकॉर्ड पर रखने की इजाजत दिए बिना आवेदन को इजाजत दी थी। सेबी की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया कि आ-वेदक को तुच्छ और आदतन मुकदमेबाज के तौर पर जाना जाता है और पिछले आवेदनों को कोर्ट की तरफ से खारिज कर दिया गया था और कुछ मामलों में जुर्माना भी लगाया गया था।

अपनी संभावनाओं ...

धनखड़ ने कहा कि भारत के सबसे महान सपूतों में से एक पी. परमेश्वरन की स्मृति में यह स्मारक व्याख्यान है। वे इस सदी में हिंदू विचार प्रक्रिया के अग्रणी विचारकों में से एक हैं। हम इस व्याख्यान के माध्यम से सामाजिक कार्यों के लिए प्रतिबद्ध सबसे बेहतरीन बुद्धिजीवियों में से एक का जश्न मना रहे हैं। एक सभ्यता को केवल एक बुनियादी विचार से जाना जाता है। क्या यह वास्तव में अपने महान सपूतों का सम्मान करती है? और पिछले कुछ वर्षों में यही विषय रहा है। हमारे भूले हुए नायक, गुमनाम नायक, अच्छी तरह से नहीं तो अनदेखे नायक, हमने उन्हें याद किया है।अकार्बनिक जनसांख्यिकीय परिवर्तनों पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए धनखड़ ने कहा कि जनसांख्यिकी मायने रखती है। जनसांख्यिकी को बहुसंख्यकवाद के साथ भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए। हम इन दो खेमों में विभाजित समाज नहीं बना सकते लेकिन जब जनसांख्यिकी की बात आती है तो देश को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। राष्ट्र में राजनीतिक रूप से विभाजनकारी माहौल पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम कुछ पहलुओं पर चिंताजनक परिदृश्यों से घिरे हुए हैं। राजनीति ध्रुवीकृत हो गई है, ऊर्ध्वाधर रूप से विभाजनकारी हो गई है, तापमान हमेशा उच्च रहता है। मूल राष्ट्रीय मूल्य और सभ्यतागत मूल्य केंद्रीय विषय नहीं हैं।इस देश में जहां विविधता एकता में परिलक्षित होती है, यह देश जो समावेशिता के अपने सनातन मूल्यों पर गर्व करता है, हम इन मूल मूल्यों से दूर होने और ध्रुवीकृत, विभाजनकारी गतिविधियों में शामिल होने का जोखिम नहीं उठा सकते हैं। संवाद और विचार-विमर्श के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, कि मुझे आपके साथ अपनी पीड़ा, अपना दर्द साझा करना चाहिए। संसद को लोगों के लिए आदर्श होना चाहिए। यह लोगों की आकांक्षाओं को वास्तविकता में बदलने का एक मंच है। इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति की धर्मपत्नी डॉ. सुदेश धनखड़, केरल के राज्यपाल आरवी आर्लेकर, पूर्व केंद्रीय मंत्री वी. मुरलीधरन और अन्य गण्यमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री की...

जलगांव के मुक्ताईनगर पुलिस के एसडीपीओ कृष्णगत पिंगले ने कहा, 28 फरवरी को मुक्ताईनगर तालुका के कोथली गांव में एक यात्रा थी। इसी शहर में रहने वाले अनिकेत घुई और उसके छह दोस्त भी इस यात्रा में शामिल थे। यात्रा के दौरान अनिकेत और उसके दोस्तों ने तीन-चार लड़कियों का पीछा कर उनके साथ छेड़खानी की। पिंगले ने बताया कि पीड़िता नाबालिग है। इसलिए पुलिस ने छेड़छाड़ करने के आरोप में पॉक्सो कानून के तहत मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि पॉक्सो के अलावा आईटी एक्ट की धाराओं के तहत भी आरोप लगाए गए हैं। एक आरोपी को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने तीन टीमों का गठन किया है।केंद्रीय मंत्री रक्षा खड़से ने बताया कि उन्होंने महाराष्ट्र पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई है। मुक्ताईनगर में पत्रकारों से बात करते हुए खड़से ने कहा, हर साल महाशिवरात्रि के अवसर पर उनके इलाके में संत मुक्ताई यात्रा निकलती है। दो दिन पहले उनकी बेटी यात्रा में शामिल होने गई। वहां कुछ युवकों ने उसे परेशान किया, जिनके खिलाफ जलगांव पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता केंद्रीय मंत्री के अलावा महाराष्ट्र में पूर्व मंत्री रहे एकनाथ खड़से की नातिन भी है। एकनाथ खड़से ने कहा, उन्होंने पुलिस महानिरीक्षक से बात की है। उन्होंने कहा कि जलगांव पुलिस के पास शिकायत के लिए जब वे थाने गए तो उन्हें दो घंटे तक बिठा कर रखा गया। पुलिस ने लड़कियों से जुड़े मामले का हवाला देकर शिकायत दर्ज कराने के इरादे पर दोबारा विचार करने की नसीहत दी। बकौल खड़से, युवकों ने पुलिस के साथ मारपीट भी की है। ऐसे में कल्पना करना आसान है कि राजनीतिक संरक्षण के कारण आपराधिक मानसिकता के ये लोग किस हद तक जा सकते हैं।जलगांव के मुक्ताई नगर के एक मेले में मंत्री की बेटी अपनी सहेलियों के साथ झूले पर बैठी थी। इसी दौरान कुछ लड़के छेड़खानी करने लगे और उनका वीडियो बनाने लगे। वे किसी के साथ वीडियो कॉल भी कर रहे थे। इस दौरान बेटी के पुलिस सुरक्षाकर्मी ने उन्हें रोकने की कोशिश की। जब लड़के नहीं माने तो सुरक्षाकर्मी ने उनका मोबाइल जब्त कर लिया। इसके बाद आरोपित लड़कों ने सुरक्षाकर्मी का कॉलर पकड़ लिया और धमकी देने लगे। सुरक्षाकर्मी ने इन अराजक तत्वों को ये भी बताया कि यह लड़की केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा नेता की रिश्तेदार हैं, फिर भी वे नहीं मानें। इस मामले में केंद्रीय मंत्री शिकायत दर्ज कराने के लिए खुद थाने पहुंचीं। यह घटना 28 फरवरी की बताई जा रही है।

जम्मू कश्मीर...

जम्मू-कश्मीर कैबिनेट द्वारा पारित राज्य के दर्जे के प्रस्ताव पर एलजी ने कहा, प्रदेश कैबिनेट मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और सरकार में किसी से भी मिलने का अधिकार देती है।

यह मेरे पास अटका हुआ नहीं है। इसमें हमें रोकना क्या है। मैंने इसे मंजूरी दे दी है। पिछले साल अक्टूबर में अपनी पहली बैठक में जम्मू-कश्मीर कैबिनेट ने सर्वसम्मति से जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था। एलजी ने कहा, हम कश्मीर और जम्मू दोनों जगहों पर नियमित रूप से सुरक्षा समीक्षा कर रहे हैं। हमने एक नई बात यह की है कि सभी वर्टिकल, एसएसपी और उससे ऊपर के अधिकारियों को भी समीक्षा के लिए बुलाया जाता है। गृह मंत्रालय ने भी अपनी समीक्षा की है। स्थानीय भर्ती 30 साल से भी ज्यादा समय में सबसे कम है। अभी किसी भी आतंकवादी संगठन का कोई शीर्ष कमांडर प्रदेश में मौजूद नहीं है।

13 अप्रैल तक वक्री रहेगा प्रेम का कारक शुक्र ग्रह

वैदिक ज्योतिष शास्त्र में ग्रह के राशि परिवर्तन, मार्गी व वक्री अवस्था में आने का सीधा असर मानव जीवन पर पड़ता है। ज्योतिष शास्त्र में ग्रह के मार्गी होने का अर्थ सीधी चाल और वक्री चाल का मतलब उल्टी चाल होती है। भाग्य के कारक व भौतिक सुख प्रदान करने वाले शुक्र ग्रह 02 मार्च को अपनी उच्च राशि मीन में वक्री हो गए हैं।शुक्र को सुख, वैभव, भोगविलास और सौंदर्य का कारक ग्रह माना जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि शुक्र ग्रह 2 मार्च को सुबह 6:02 पर वक्री हुए और 13 अप्रैल को सुबह 6:36 पर मार्गी होंगे। शुक्र ग्रह मीन राशि में वक्री होंगे। इस ग्रह की अच्छी स्थिति होने से जीवन में कई सुख-सुविधाएं मिलती हैं। वैवाहिक जीवन में भी शुक्र का असर पड़ता है। कुंडली में ये ग्रह मजबूत हालत में हो तो दांपत्य जीवन सुखद रहता है। वहीं शुक्र की कमजोर स्थिति वैवाहिक जीवन को खराब कर सकती है। शुक्र का प्रभाव इनकम, खर्चा, शारीरिक सुख-सुविधाएं, शौक और भोग-विलास पर होता है। इस ग्रह के कारण विवाह, पत्नी, अपोजिट जेंडर और सुख संबंधी मामलों में शुभ-अशुभ बदलाव देखने को मिलते हैं। इसके अशुभ प्रभाव से खांसी और कमर के निचले हिस्सों में बीमारी होती है। शुक्र सभी ग्रहों में सबसे ज्यादा चमकदार है। इसका राशि बदलना ज्यादातर लोगों के लिए शुभ ही होता है।

शुक्र जब वक्री स्थिति में आते हैं, तो जातक को मिले-जुले परिणाम देते हैं। इसकी वजह से भौतिक सुखों में कमी आ सकती है, प्रेम संबंधों में तनाव आ सकता है या रिश्तों में तनाव पैदा हो सकता है। कोई भी ग्रह विशेष जब अपनी सामान्य दिशा की बजाए उल्टी दिशा यानि विपरीत दिशा में चलना शुरू कर देता है तो ऐसे ग्रह की इस गति को वक्री कहा जाता है। दरअसल, ग्रहों का पथ अंडाकार होने से पृथ्वी की गति से जब अन्य ग्रहों की गति कम होती है, तब वे विपरीत दिशा में चलते हुए प्रतीत होते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार वक्री चाल

चलते समय ग्रह अपने नियत स्वभाव के अनुसार फल देने की बजाय उससे अलग फल भी देते हैं। जब भी कोई ग्रह वक्री होता है तो पृथ्वी के करीब होने की वजह से इसका सीधा प्रभाव राशियों पर पड़ता है।

ज्योतिष में शुक्र

शुक्र या वीनस को ज्योतिष में स्त्री ग्रह भी माना जाता है। ये वृष और तुला राशि का स्वामी है। शुक्र लाभ के साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि का भी कारक होता है। व्यक्ति की कलात्मकता का भी विकास होता है। किसी की कुंडली में ये ग्रह कमजोर या मजबूत हो, दोनों ही स्थिति में काफी मायने रखता है। ज्योतिष में शुक्र अच्छे कपड़े, विवाह, आमदनी, नारी, ब्राह्मण, पत्नी, यौन जीवन का सुख, फूल, वाहन, चांदी, आनंद, कला, वाद्ययंत्र और राजसी प्रवृत्ति का कारक ग्रह है। शुक्र के राशि परिवर्तन होने से इन मामलों संबंधी बदलाव देखने को मिलते हैं। शुक्र को रचनात्मकता रोमांटिक अहसास प्रेम सौंदर्य विवाह आदि का कारक ग्रह माना जाता है इसलिए शुक्र के गोचर को वैदिक ज्योतिष में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। शुक्र को सभी ग्रहों में सबसे चमकदार ग्रह माना जाता है। चूंकि शुक्र एक शुभ ग्रह है इसलिए कुंडली में इसकी अच्छी स्थिति से जातकों को जीवन में कई सुख सुविधाएँ मिलती हैं लेकिन मुख्य रुप से प्रेम, भौतिक सुखों में इसकी मजबूती से वृद्धि होती है। शुक्र की उच्च राशि मीन है, वहीं धनु राशि में शुक्र का होना सामान्य माना जाता है। हालांकि, शनि, और केतु के साथ शुक्र की मित्रता होती है। वहीं ये बृहस्पति के साथ सामान्य फल देने वाला ग्रह है।

मौसम में अचानक बदलाव

शुक्र की चाल बदलने से खाने की चीजों की कीमतें सामान्य रहेंगी। समुद्री तूफान की आशंका बन रही है। सब्जियां, तिलहन और दलहन की कीमतें कम होंगी। देश में कुछ जगहों पर हल्की बारिश से ठंड बढ़ सकती है। सोना-चांदी और कीमती धातुओं में तेजी आ सकती है। मशीनरी समान महंगे हो सकते हैं। दूध से बनी चीजों का उत्पादन बढ़ सकता है। सुख-सुविधाओं की चीजों में बढ़ोत्तरी भी हो सकती है। देश की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ रहेगा। अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना आंदोलन हिंसा धरना प्रदर्शन हड़ताल उपद्रव आगजनी की स्थिति बनेगी। पर्यावरण को लेकर महत्वपूर्ण बैठकें होंगी। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। बड़े नेताओं से दुख समाचार मिलने की संभावना।

6 राशियों को रहना होगा संभलकर

सिंह राशि में शुक्र की चाल बदलने से कर्क, सिंह, कन्या, मकर, कुंभ और मीन राशि वालों को नुकसान हो सकता है। इन राशियों के लोगों को लेन-देन और निवेश में संभलकर रहना होगा। शुक्र के कारण इनके कामकाज में बदलाव हो सकता है। सेहत संबंधी परेशानी हो सकती है। अपोजिट जेंडर वालों से तनाव बढ़ सकता है। विवाद होने की भी आशंका है। सुख-सुविधाओं में कमी आ सकती है। दौड़-भाग भी बनी रहेगी। लव लाइफ या दांपत्य जीवन में उतार-चढ़ाव रहेगा। अनचाहे खर्चे भी होने के योग बन रहे हैं। कामकाज में लापरवाही और जल्दबाजी करने से भी बचना चाहिए।

6 राशियों के लिए अच्छा समय

शुक्र की चाल बदलने से मेष, वृष, मिथुन, तुला, वृश्चिक और धनु राशि वालों के लिए समय अच्छा रहेगा। इन राशि वाले लोगों को किस्मत का साथ मिल सकता है। प्रॉपर्टी और आर्थिक मामलों में फायदा मिल सकता है। जॉब और बिजनेस में तरक्की मिल सकती है। सेहत के लिए समय अच्छा रहेगा। सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। रुका हुआ पैसा मिलने के भी योग बन रहे हैं। अपोजिट जेंडर वालों के साथ समय बीतेगा। उनसे मदद मिल सकती है। कई मामलों में फायदे वाला समय रहेगा।

शुक्र ग्रह इस राशि में हुए वक्री, इन चार राशियों की चमकेगी किस्मत

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सभी ग्रह एक अवधि के बाद राशि परिवर्तन करते हैं, जिसका असर राशि के जातकों पर अलग-अलग से तरह से पड़ता है। शुक्र ग्रह को सुख और वैभव का कारक माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि शुक्र ग्रह की विधिपूर्वक पूजा करने से धन में वृद्धि होती है।

ज्योतिष गणन के अनुसार, शुक्र ग्रह आज यानी 02 मार्च को सुबह 05 बजकर 10 मिनट पर मीन राशि में वक्री हो गए हैं। इससे राशि के जातकों को नौकरी में लाभ मिलेगा और नए कारोबार की शुरुआत के लिए प्लान बना सकते हैं। शुक्र के वक्री होने से किन राशियों की किस्मत चमकने वाली है?

मेष- शुक्र के वक्री होने से मेष राशि के जातकों को शुभ फल की प्राप्ति होती है। जीवन में सभी तरह के सुखों की प्राप्ति होगी। साथ ही नौकरी में आ रही समस्या दूर होगी। मनचाहा पार्टनर मिल सकता है। इसके अलावा संतान से जुड़ी समस्या से छुटकारा मिलेगा।

मिथुन- मिथुन राशि के जातकों को करियर को लेकर गुड न्यूज मिलेगी। करियर में की गई मेहनत का फल जल्द मिलेगा। धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में अगर आप शुभ फल की प्राप्ति चाहते हैं, तो श्रद्धा अनुसार मंदिर या फिर गरीब लोगों में सफेद चीजों का दान करें।

सिंह - शुक्र वक्री से सिंह राशि के जातकों को परिवार में माहौल अच्छा देखने को मिलेगा। साथ ही आपको करियर में अधिक मेहनत करनी की जरुरत है। घर के बुजुर्गों का खास ध्यान रखें। किसी को पैसे उधार के रूप में न दें। जीवन में सुख-समृद्धि में वृद्धि के लिए अन्न और धन का दान करना शुभ माना जाता है।

वृश्चिक - वृश्चिक राशि के जातकों का झुकाव धर्म के कामों की तरफ होगा। रुके हुए काम जल्द पूरे होने के योग बनेंगे, जिससे आपका मन प्रसन्न होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। शुक्र के वक्री होने से सफेद चीजों का दान करना शुभ माना जाता है।

शुक्र के उपाय

मां लक्ष्मी अथवा मां जगदम्बा की पूजा करें। भोजन का कुछ हिस्सा गाय, कौवे और कुत्ते को दें। शुक्रवार का व्रत रखें और उस दिन खटाई न खाएं। चमकदार सफेद एवं गुलाबी रंग का प्रयोग करें। श्री सूक्त का पाठ करें। शुक्रवार के दिन सफेद वस्त्र, दही, खीर, ज्वार, इत्र, रंग-बिरंगे कपड़े, चांदी, चावल इत्यादि वस्तुएं दान करें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

नकारात्मक ऊर्जा या टोना-टोटका हर संकट से बाहर निकाल देगा यह उपाय! चल पड़ेगा बंद व्यापार

हर व्यक्ति अपने जीवन में कठिनाइयां परेशानियां नजर दोष आदि से परेशान है उसे लगता है कि उसके ऊपर किसी ने कुछ कर दिया है जिसकी वजह से वह अपने जिगर जीवन में प्रगति नहीं कर पा रहा है उसके बनते हुए कार्य बिगड़ते जा रहे हैं। भूत प्रेत बढ़ाओ जादू टोना आदि की प्रभाव से अच्छे खासे लोगों के जीवन में दुख भरा जाता है ज्योतिष शास्त्र और शाबर ग्रंथों में इन वाधाओं से मुक्ति के लिए अनेक उपाय बताए गए हैं। जब भी हम पूजन आदि धार्मिक कार्य करते हैं वह आसुरी शक्तियां अवश्य अपना प्रभाव दिखाती है। इसलिये इन उपायों को करते समय हमें सावधानी रखनी चाहिए।

* अशोक के वृक्ष के सात पत्ते मंदिर में रखकर पूजा करें। उनके सूखने पर फिर से नए पत्ते रखें एवं पुराने पत्तों को पीपल के पेड़ के नीचे रख दें। यह क्रिया नियमित रूप से करें घर पर भूत प्रेत, बाधा, नजर दोष आदि से छुटकारा मिल जाएगा।

* एक कटोरी चावल का दान रोज करें और भगवान श्री गणेश को एक साबूत सुपारी रोज चढ़ाएं। यह क्रिया एक वर्ष तक करें। नजर दोष, भूत प्रेत बाधा आदि के कारण वाधित हो रहे कोई भी कार्य पूरे होना शुरू हो जाएंगे।

* किसी भी टोना टोटका या किसी भी वाधा को काटने के लिये अपने बाएं हाथ में पीली सरसों या चावल लेकर दाहिने हाथ से ढक देना चाहिए। उसे अपनी रक्षा की कामना करते हुए सभी दिशाओं में गोल-गोल घूमाते हुए उछालते हुए फेंक देना चाहिए।

* यदि आपको लगता है कि ऑफिस या व्यवसाय स्थल पर आपके लिए किसी ने बंधन कर दिया है।जिसकी वजह से आपकी नौकरी और व्यापार आदि में दिक्कत है आ रही है। आप इस बंधन को खोलने के लिए नियमित रूप से ऑफिस और व्यवसाय स्थल पर दीप जलाकर पूजा करें एवं एक मुट्ठी नमक पूजा स्थल से बार कर दरवाजे के बाहर फेंक दें। अपनी दुकान अथवा व्यवसाय स्थल पर शाम को नित्य रूप से नमक छिड़क कर झाड़ू से साफ कर दें। इसके अलावा यदि आप हिंदू है तो गूगल की धूप दें। यदि आप मुस्लिम है तो लोबान की धूप दें इससे आपकी समस्या खत्म हो जाएगी।

ग्रहों-नक्षत्रों का योग व्यक्ति के जीवन के उतार-चढ़ाव प्रभाव डालता है

प्रेमानंद जी महाराज एक महान संत और विचारक हैं जो जीवन का सच्चा अर्थ समझाते और बताते हैं। प्रेमानंद जी के अनमोल विचार जीवन को सुधारने और संतुलन बनाएं रखने में मार्गदर्शन करते हैं।

प्रेमानंद जी महाराज का मानना है कि अगर भगवान से हमारा लगाव नहीं है, नाप जप नहीं कर रहें और भगवान की आराधना नहीं कर रहे तो ग्रह नक्षत्र जो विपरित हैं वो अपना प्रभाव जरुर दिखाएंगे। यदि आप भगवान का नाम जप कर रहे हैं तो कुछ ऐसा नहीं होगा। प्रेमानंद जी महाराज कहते हैं कि ''जानकी नाथ सहाय करें जब कौन बिगाड़ करे नर तेरो।'' यदि कृष्ण चरण में मन अर्पित हैं तो नव ग्रह नक्षत्र कुछ नहीं बिगड़ सकते। जब हम भगवत विमुख होते हैं तो हमारे कर्म खोटे हो जाते हैं तो ग्रह नक्षत्र विपरित हो जाते हैं। जब हम भगवान के समुख होते हैं और हमारे कर्म अच्छे होते हैं तो ग्रह विपरित होते हुए भी हमारा मंगल करेंगे।

शनि, राहु, केतु, मंगल, गुरु यह सभी ग्रह भगवान के शासन में हैं। जब हम भगवान का चिंतन करेंगे तो इनके द्वारा कुछ अनिष्ट नहीं होगा। अगर हम इनकी आर-ाधना कर देते हैं तो कुछ समय के लिए शांत हो जाएंगे और फिर अनिष्ट करेंगे। अगर भगवान का भजन करेंगे तो बिलकुल शांत हो जाएंगे। भले ही शनि की साढ़ेसाती चल रही हो अगर आप आराधना कर रहे हैं तो आपका कोई बाल भी बांका कर सकता है आपका मंगल ही होगा। अगर आप किसी का बुरा चाहेंगे या करेंगे आप दूसरों का शोषण करेंगे फिर आप चाहे आप जितना भी तेल चढ़ाओं आपका भला नहीं होगा। भगवान की आराधना से समस्त ग्रह, देवी-देवताओं को प्रसन्न किया जा सकता है। अगर भगवान का नाम जप कर रहे हैं तो कोई भूत-प्रेत हमे स्पर्श नहीं कर सकता। भगवान का नाम जपते रहो और आपका कल्याण होगा।

मार्च में कब-कब है प्रदोष व्रत?

प्रदोष व्रत का पर्व देवों के देव महादेव और मां पार्वती को प्रसन्न करने के लिए शुभ माना जाता है। इस व्रत को हर महीने के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर किया जाता है। साथ ही पूजा के दौरान शिवलिंग का अभिषेक और महादेव को हलवा, दही और खीर समेत आदि चीजों का भोग लगाना चाहिए। शिव पुराण के अनुसार, प्रदोष व्रत के दिन इन शुभ कामों को करने से व्यक्ति को करियर में आ रही समस्या से जल्द छुटकारा मिलता है। साथ ही लंबी आयु का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

मार्च में कब-कब है प्रदोष व्रत?

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस महीने में पहला प्रदोष व्रत 11 मार्च को है। वहीं, इस माह का आखिरी प्रदोष व्रत 27 मार्च को किया जाएगा।

प्रदोष व्रत डेट और शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 11 मार्च को सुबह 08 बजकर 13 मिनट पर शुरू हो रही है और तिथि का समापन 12 मार्च को सुबह 09 बजकर 11 मिनट पर होगा। ऐसे में 11 मार्च को प्रदोष व्रत किया जाएगा।इस दिन महादेव की पूजा करने का शुभ मुहूर्त शाम को 06 बजकर 27 मिनट से 08 बजकर 53 मिनट तक है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 27 मार्च को देर रात को 01 बजकर 42 मिनट से होगी। वहीं, तिथि 27 मार्च को रात 11 बजकर 03 मिनट पर समाप्त हो रही है। इस प्रकार 27 मार्च को प्रदोष व्रत किया जाएगा। इस दिन गुरुवार पड़ रहा है, तो इस वजह से इसे गुरु प्रदोष व्रत के नाम से जाना जाएगा। इस दिन भगवान शिव की पूजा करने का शुभ मुहूर्त शाम को 06 बजकर 36 मिनट से 08 बजकर 56 मिनट तक है।

प्रदोष व्रत के दिन इन बातों का रखें ध्यान

प्रदोष व्रत के दिन किसी के बारे में गलत न सोचें और न ही किसी से वाद-विवाद करें।

सात्विक भोजन का सेवन करें।

विधिपूर्वक व्रत के नियम का पालन करें।

अन्न और धन का दान करें।

विशेष चीजों के द्वारा शिवलिंग का अभिषेक करें।

शीतला अष्टमी पर क्यों खाते हैं बासी खाना?

शीतला अष्टमी को बसौड़ा के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व हर साल चैत्र मास में कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि यानी होली के आठ दिन बाद मनाया जाता है। आमतौर पर मार्च या अप्रैल के महीने में होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल शीतला अष्टमी का व्रत शनिवार, 22 मार्च 2025 के दिन रखा जाएगा। यह तिथि पूर्ण रूप से मां शीतला की पूजा के लिए समर्पित है।कहते हैं कि इस दिन देवी की आराधना करने से सभी प्रकार के रोग-दोष से मुक्ति मिलती है।

मां शीतला को क्यों लगाया जाता है बासी खाने का भोग?

धार्मिक मान्यताओं और पौराणिक कथाओं के अनुसार, शीतला अष्टमी पर बासी खाना खाने की परंपरा है, जिसे बसौड़ा या बसियौरा भी कहते हैं। यह दिन ठंड के समाप्त होने का प्रतीक है। कहा जाता है कि इस दिन शीतला माता को बासी खाने का भोग लगाना चाहिए और खुद भी बासी खाना ही प्रसाद के रूप में खाना चाहिए।

ऐसे में एक दिन पहले पवित्रता का ध्यान रखते हुए खाना बनाएं और व्रत वाले दिन देवी को यह खाना अर्पित करें। इसके साथ ही खुद भी खाएं। ऐसा करने से माता रानी प्रसन्न होती हैं और निरोगी काया का आशीर्वाद देती हैं। साथ ही सभी इच्छाओं को पूरा करती हैं।

शीतला माता शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, चैत्र महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 22 मार्च को सुबह 04 बजकर 23 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन 23 मार्च को सुबह 05 बजकर 23 मिनट पर होगा। उदया तिथि को देखते हुए इस साल शीतला अष्टमी का व्रत शनिवार, 22 मार्च 2025 को रखा जाएगा। वहीं, इसका पारण अगले दिन सुबह पूजा-पाठ करने के बाद किया जाएगा।

आमलकी एकादशी पर इन खास चीजों का धन करने से धन-दौलत में होगी वृद्धि

आमलकी एकादशी का उपवास हर साल फाल्गुन महीने में रखा जाता है। यह दिन भगवान विष्णु की पूजा के लिए समर्पित है। कहा जाता है कि इस दिन व्रत रखने से सभी दुखों का अंत होता है। इसके साथ ही सभी मनाकामनाओं की पूर्ति होती है। हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल यह एकादशी 10 मार्च को मनाई जाएगी। वहीं, इस दिन दान करने की भी मान्यता है, तो चलिए यहां जानते हैं कि इस मौके पर क्या दान करना चाहिए?

आमलकी एकादशी पर करें ये दान

आमलकी एकादशी के दिन धन, आंवले, पीले चीजें (फल व वस्त्र आदि), धन, गुलाल और अन्न का दान करना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा कहते हैं कि इस दिन इन चीजों का दान किसी जरूरतमंद व्यक्ति को ही करना चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति का सौभाग्य बढ़ता है। इसके साथ विष्णु जी खुश होते हैं और घर में माता लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है।

आमलकी एकादशी शुभ मुहूर्त

इस पर्व पर सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 06 बजकर 36 मिनट से अगले दिन मध्य रात्रि 12 बजकर 51 मिनट तक रहेगा। विजय मुहूर्त दोपहर 02 बजकर 30 मिनट से 03 बजकर 17 मिनट तक रहेगा। इसके साथ ही अमृत काल शाम 06 बजकर 12 मिनट से 07 बजकर 52 मिनट तक रहेगा।

वहीं, अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 08 मिनट से 12 बजकर 55 मिनट तक रहेगा। इस दौरान पूजा करने से अक्षय फलों की प्राप्ति होती है।

पूजा मंत्र

1. ॐ नमोः भगवते वासुदेवाय नमः।
2. शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं, विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम् लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्यम, वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम्।।

छावा पर भारी पड़ी सोहम शाह की क्रेजी? तुम्बाड से निकली एक कदम आगे

बॉक्स ऑफिस के मैदान में पिछले 15 दिनों से राज कर रहे छावा को मजा चखाने के लिए मैदान में एक सस्पेंस थ्रिलर उतर आई है। सोहम शाह स्टारर फिल्म क्रेजी बीते शुक्रवार 28 फरवरी को सिनेमाघरों में उतरी। तुम्बाड की री-रिलीज सक्सेस के बाद से ही क्रेजी फिल्म का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा था।

सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर क्रेजी मूवी ज्यादा बढ़ी नहीं है, लेकिन कहानी ऐसी है कि आपको आखिर तक बांधे रखती है। 93 मिनट की इस फिल्म में मुख्य भूमिका सोहम शाह ने निभाया है। उनकी परफॉर्मेंस उम्दा रही। क्रिटिक्स ने फिल्म की सराहना की है, लेकिन बॉक्स ऑफिस की परीक्षा में इस सराहना का कोई असर हुआ है या नहीं, यह पहले दिन के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन ने साफ कर दिया है।

छावा को पछाड़ पाई क्रेजी?

सोहम शाह स्टारर क्रेजी को लेकर दर्शकों के बीच एक्साइटमेंट तो थी, लेकिन छावा के आगे शायद यह फीकी पड़ गई। इसने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर बहुत सुस्त शुरुआत की है। हालांकि, सात साल पहले रिलीज हुई तुम्बाड से क्रेजी ने ज्यादा कारोबार किया है। शायद छावा से भिड़ंत क्रेजी के लिए नुकसानदायक हो गई।

पहले दिन क्रेजी का हुआ ये हाल

सैकनिल्क के अर्ली ट्रेड के मुताबिक, सोहम शाह स्टारर फिल्म क्रेजी ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन सिर्फ 90 लाख रुपये से खाता खोला है। फिल्म को लेकर जिस तरह का बज दिख रहा था, कमाई वैसी नहीं हुई है। बाकी शनिवार और रविवार पर क्रेजी का भविष्य टिका है। अगर यह वीकेंड पर अच्छी कमाई कर लेती है तो शायद इसका हाल तुम्बाड जैसा नहीं होगा।

तुम्बाड को छोड़ दिया पीछे

2018 में रिलीज हुई तुम्बाड ने पहले दिन क्रेजी से कम कमाया था। उस वक्त इसका कलेक्शन सिर्फ 65 लाख रुपये हुई थी। सात साल पहले तुम्बाड बुरी तरह फ्लॉप हुई थी, लेकिन पिछले साल ही इसे री-रिलीज किया गया था और इसने जबरदस्त कलेक्शन किया था। इसने करीब 35 से 40 करोड़ रुपये का री-रिलीज में कारोबार किया था।

क्रेजी की कहानी और कास्ट

क्रेजी एक सस्पेंस थ्रिलर फिल्म है जिसमें एक पिता अपनी बेटी को बचाने के लिए एक उतार-चढ़ाव भरे सफर पर निकल पड़ता है। टी-सीरीज के बैनर तले बनी फिल्म का निर्देशन गिरीश कोहली ने किया है। इसमें सोहम शाह, उन्नति सुराणा, शिल्पा शुक्ला जैसे कलाकार अहम भूमिका में हैं।

माधुरी दीक्षित की हरकत से चिढ़कर गोविंदा ने उनके साथ काम करने से किया था इनकार, राजेश खन्ना बने थे पीसमेकर

हद कर दी आपने से लेकर कुली नंबर 1, आंटी नंबर 1, राजा बाबू, हम, आंखें, बड़े मियां छोटे मियां सहित कई यादगार फिल्में देने वाले अभिनेता गोविंदा 90 के सबसे लोकप्रिय अभिनेताओं से एक है। 90 के दशक में उन्हें हिट मशीन माना जाता था। रवीना टंडन से लेकर महिमा चौधरी, रानी मुखर्जी और नीलम कोठारी सहित जिस भी एक्ट्रेस ने उनके साथ काम किया, उसके करियर ने उस दौरान ऊंचाइयों को छुआ। डायरेक्टर डेविड धवन तो उनके बिना कोई फिल्म बनाने के बारे में सोचते भी नहीं थे।

माधुरी दीक्षित की कामयाबी में कहीं न कहीं गोविंदा का बहुत बड़ा हाथ रहा है। दोनों ने साथ में पाप का अंत, महासंग्राम, इज्जतदार और बड़े मियां छोटे मियां जैसी फिल्मों में काम किया और सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। हालांकि, एक समय ऐसा आया जब माधुरी दीक्षित की एक हरकत के कारण गोविंदा को ये लगा कि एक्ट्रेस ने उन्हें धोखा दिया है, उसके बाद गोविंदा ने उनके साथ काम करने से साफ इनकार कर दिया और कभी काम न करने की कसम खाई। हालांकि, उस दौरान दोनों के झगड़े को सुलझाने का जिम्मा राजेश खन्ना ने उठाया। माधुरी दीक्षित से किस बात को लेकर खफा हुए थे गोविंदा, नीचे पढ़ें बॉलीवुड का ये थ्रो-बैक किस्सा:

ऐसा कहा जाता है कि जब माधुरी दीक्षित इंडस्ट्री में नई-नई आई थीं, तो गोविंदा ने उनके करियर में एक्ट्रेस का काफी साथ दिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, धक-धक गर्ल को साल 1986 में रिलीज हुई फिल्म 'सदा सुहागन' ऑफर की गई थी, जिसमें रेखा-जितेंद्र और गोविंदा मुख्य भूमिका में थे। इस फिल्म में उन्हें गोविंदा के अपोजिट रोल ऑफर किया गया था, लेकिन उसी दौरान एक्ट्रेस की मुलाकात बॉलीवुड के शोमैन सुभाष घई से हुई थी।

माधुरी दीक्षित को देखकर सुभाष घई ने उन्हें साल 1987 में रिलीज हुई अपनी फिल्म 'उत्तर दक्षिण' में मेन लीड ऑफर किया। उत्तर दक्षिण में जैकी श्रॉफ और रजनीकांत ने मुख्य अभिनेता के तौर पर काम किया था। सुभाष घई उस समय का जाना-माना नाम थे, ऐसे में माधुरी दीक्षित ने गोविंदा की फिल्म 'सदा सुहागन' का ऑफर ठुकरा दिया और उत्तर दक्षिण में काम किया।

माधुरी की ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही और सदा सुहागन सुपर डुपर हिट हुई। हालांकि, उनके ऐसा करने से गोविंदा को बहुत ठेस पहुंची थी और गोविंदा ने ये ठान लिया था कि वह उनके साथ कभी भी काम नहीं करेंगे।

राजेश खन्ना के समझाने के बाद माधुरी संग काम करने को हुए तैयार

इसके बाद साल 1989 में फिर एक बार माधुरी दीक्षित को फिल्म 'पाप का अंत' में गोविंदा के साथ काम करने का मौका मिला, लेकिन इस बार गोविंदा तैयार नहीं हुए। विजय रेड्डी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राजेश खन्ना और हेमा मालिनी ने भी मुख्य भूमिका निभाई थी।

रिपोर्ट्स की मानें तो गोविंदा ने अपने निर्देशक विजय रेड्डी को ये साफ शब्दों में कह दिया था कि या तो माधुरी दीक्षित इस फिल्म में काम करेंगी या फिर वह इस फिल्म का हिस्सा होंगे। जब गोविंदा निर्देशक की बात भी सुनने को तैयार नहीं हुए, तो हिंदी सिनेमा के पहले सुपरस्टार राजेश खन्ना को बीच में आना पड़ा। गोविंदा राजेश खन्ना की बहुत ज्यादा इज्जत करते थे, इसलिए वह उनकी बात को नहीं टाल सके और उन्होंने माधुरी के साथ काम करने के लिए हामी भर दी। पाप का अंत बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी और दोनों की जोड़ी को बेहद पसंद किया गया था।

चोरी हो गया था इस हॉलीवुड अभिनेत्री फ्रांसिस मैकडोरमैंड का ऑस्कर चार बार जीत चुकी हैं एकेडमी अवॉर्ड्स

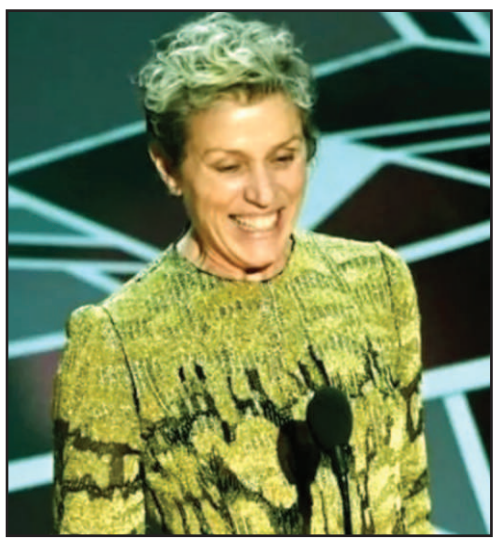

किसी कलाकार को अगर ऑस्कर अवॉर्ड मिल जाए तो मतलब उसकी सालों की मेहनत का मीठा फल मिल गया। फिल्मी दुनिया से ताल्लुक रखने वाले सितारे एकेडमी अवॉर्ड्स यानी ऑस्कर अवॉर्ड पाने की चाह रखते हैं जिनमें से कुछ का ही ये ख्वाब पूरा भी होता है। जब ऐसा होता है तो सितारे उसे अपनी आंखों से ओझल नहीं होने देते हैं। मगर क्या हो, जब एक हीरोइन का ऑस्कर अवॉर्ड ही चोरी हो जाए?

दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित अवॉर्ड समारोह एकेडमी अवॉर्ड्स को होस्ट हुए 97 साल हो गए हैं और हर साल कुछ न कुछ ऐसा होता है जो हर किसी को चौंका देता है। कभी ट्रक में लदा ऑस्कर अवॉर्ड चोरी हो गया तो कभी बिना कपड़ों के अवॉर्ड प्रेजेंट किया गया। एक बार तो एक हॉलीवुड अदाकारा का बेस्ट एक्ट्रेस का ऑस्कर अवॉर्ड ही चोरी हो गया था। इस मामले ने खूब लाइमलाइट बटोरी थी।

पार्टी से चोरी हो गया था ऑस्कर

बात साल 2018 की है, जब हॉलीवुड की दिग्गज अदाकारा फ्रांसिस मैकडोरमैंड अपना बेस्ट एक्ट्रेस का ऑस्कर अवॉर्ड लेकर पार्टी में शरीक हुईं। जब वह पार्टी में खाने का लुत्फ उठा रही थीं और दोस्तों के साथ गपशप कर रही थीं, तभी एक शख्स ने टेबल पर रखे उनके ऑस्कर अवॉर्ड को उड़ा ले गया है। गनीमत हो एक रिपोर्टर का जिसने इस पल को अपने कैमरे में कैद कर लिया और चोरी की सूचना पुलिस को दे दी। जैसे ही फ्रांसिस को ऑस्कर अवॉर्ड चोरी होने का पता चला, वो फूट-फूटकर रोने लगीं। हालांकि, कुछ घंटे बाद उन्हें अपना ऑस्कर अवॉर्ड मिल गया था। अवॉर्ड चुराने के कुछ समय बाद टेरी ब्रायंट डीजमाटारी नाम का एक व्यक्ति ऑस्कर के साथ एक वीडियो भी पोस्ट किया था और कहा था कि यह उसका अवॉर्ड है। खैर, बाद में फ्रांसिस का अवॉर्ड चुराने वाला शख्स पकड़ा गया था।

ऑस्कर में जीत चुकी हैं कई अवॉर्ड्स

फ्रांसिस को यह बेस्ट एक्ट्रेस का ऑस्कर अवॉर्ड 2017 में रिलीज हुई फिल्म थ्री बिलबोर्ड्स आउटसाइड एबिंग, मिसौरी के लिए मिला था। हॉलीवुड की दिग्गज अदाकारा के नाम कई ऑस्कर अवॉर्ड हैं। वह कई बार नॉमिनेट भी हुई हैं।

ऑस्कर 1988 - बेस्ट एक्ट्रेस नॉमिनेटेड
ऑस्कर 1996 - बेस्ट एक्ट्रेस विजेता
ऑस्कर 2000 - बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस नॉमिनेशन
ऑस्कर 2005 - बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस नॉमिनेशन
ऑस्कर 2017 - बेस्ट एक्ट्रेस विजेता
ऑस्कर 2020 - बेस्ट एक्ट्रेस विजेता
ऑस्कर 2020 - बेस्ट पिक्चर विजेता (प्रोड्यूसर)
ऑस्कर 2022 - बेस्ट पिक्चर नॉमिनेशन (प्रोड्यूसर)

जोगीरा सा रा रा सुना तो भूल जाएंगे शोले का होली के दिन गीत

कब है होली? हर किसी की जुबान पर अकसर यही सवाल रहता है। होली 2025 इस साल 14 मार्च को होगी। अभी होली की दस्तक में कुछ समय बचा है लेकिन भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री में होली की धूम शुरू हो गई है, और इसी कड़ी में एक्ट्रेस-सिंगर अक्षरा सिंह का नया होली स्पेशल गाना जोगीरा सा रा रा रिलीज होते ही खूब धमाल मचा रहा है। इस गाने में टीवी एक्टर विशाल आदित्य सिंह और अक्षरा सिंह की जोड़ी नजर आ रही है, जिसे दर्शकों का खूब प्यार भी मिल रहा है। इस भोजपुरी सॉन्ग गाने को अक्षरा सिंह ने सुगम सिंह के साथ गाया है। इस भोजपुरी होली सॉन्ग में होली के रंग, मस्ती और धमाल साफ झलक रहा है, वहीं विशाल और अक्षरा की केमिस्ट्री भी फैंस को खूब लुभा रही है।

भोजपुरी होली सॉन्ग जोगीरा सा रा रा के बोल छोटू यादव ने लिखे हैं और इसका संगीत लक्ष्मीकांत एल।के ने तैयार किया है। गाने के निर्देशक मोहित यादव हैं। कोरियोग्राफी मोहित यादव की है। इस भोजपुरी सॉन्ग के रिलीज के मौके पर अक्षरा सिंह ने कहा, 'कहते हैं, एक बिहारी सब पर भारी। जब सारे बिहारी साथ हों तो धमाल तय है। यही जोश और मस्ती आपको इस गाने में देखने को मिलेगी।' वहीं, पहली बार भोजपुरी सॉन्ग में नजर आ रहे विशाल आदित्य सिंह ने कहा, 'भोजपुरी सिनेमा और म्यूजिक का क्रेज हर दिन बढ़ रहा है। अक्षरा सिंह के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा, और मुझे खुशी है कि दर्शक इस गाने को पसंद कर रहे हैं।' भोजपुरी होली सॉन्ग जोगीरा सा रा रा को अक्षरा सिंह के यूट्यूब चैनल पर सुना जा सकता है।

सुजैन खान द्वारा निर्मित भारत के अग्रणी लक्जरी इंटीरियर और फर्नीचर ब्रांड द चारकोल प्रोजेक्ट ने हैदराबाद में अपनी दूसरी रिटेल गैलरी का अनावरण किया। हैदराबाद के जुबली हिल्स में द चारकोल प्रोजेक्ट के भव्य अनावरण में कई मशहूर हस्तियाँ, अभिनेता, अभिनेत्री, जीवनशैली और डिज़ाइन के पारखी शामिल हुए। गौरी खान, ऋतिक रोशन, सुजैन खान, अदार पूनावाला, सोनाली बेंद्रे, कुणाल कपूर, शालिनी पासी और कई अन्य प्रसिद्ध हस्तियाँ हैदराबाद में द चारकोल प्रोजेक्ट के भव्य उद्घाटन में शामिल हुईं।

बागबान के लिए हेमा मालिनी की जगह तब्बू को साइन करना चाहते थे मेकर्स

रवि चोपड़ा की फैमिली ड्रामा फिल्म बागबान ने कई लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया था। फिल्म की कहानी इतनी इमोशनल थी कि देखने वालों की आंखों में आंसू आ गए थे। हेमा मालिनी और अमिताभ बच्चन अभिनीत इस इमोशनल ड्रामा फिल्म ने लोगों को एक बड़ा पॉवरफुल मैसेज दिया।

फिल्म में कौन-कौन आया था नजर

फिल्म में अमन वर्मा, महिमा चौधरी, रिमी सेन, परेश रावल, समीर सोनी, दिव्या दत्ता और अन्य ने भी अभिनय किया। वहीं सलमान खान का फिल्म में स्पेशल अपीयरेंस था। फिल्म अभी भी कई लोगों के दिलों में बसी हुई है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हेमा मालिनी फिल्म में मुख्य महिला की भूमिका निभाने के लिए पहली पसंद नहीं थीं? जी हां, सही सुना आपने निर्देशक रवि चोपड़ा के दिमाग में बागबान के लिए पहली च्वाइस एक दूसरी अभिनेत्री थीं। उन्होंने उन्हें स्क्रिप्ट भी सुनाई थी और स्क्रिप्ट पसंद आने के बावजूद उन्होंने फिल्म ठुकरा दी थी।

तब्बू में रिजेक्ट कर दी थी फिल्म

बता दें कि अभिनेत्री कोई और नहीं बल्कि तब्बू हैं। पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में रवि चोपड़ा की पत्नी रेनू चोपड़ा ने यह खुलासा किया। उन्होंने कहा कि तब्बू ने स्क्रिप्ट सुनने पर जोर दिया और रोईं क्योंकि उन्हें कहानी बहुत पसंद आई। मेकर्स को लगा था कि वह फिल्म के लिए हां जरूर कहेंगी। हालांकि, किसी ने रेनू को बताया कि जब तब्बू स्क्रिप्ट सुनकर रोती हैं तो वह वह फिल्म कभी नहीं करतीं। बाद में तब्बू ने यह ऑफर ठुकरा दिया। जब उनसे इसका कारण पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह चार बच्चों की मां का किरदार नहीं निभाना चाहती थीं। उन्होंने कहा, 'मेरा पूरा करियर मेरे आगे पड़ा है, इसलिए रवि जी, मुझे माफ कर दो।'

फैमिली के साथ फिल्म देखने गई थीं एक्ट्रेस

फिल्म की रिलीज के बाद तब्बू ने इसे हैदराबाद में अपने परिवार के साथ देखा। उन्होंने अपनी आंटी को जब ये बताया कि उन्हें हेमा मालिनी का रोल ऑफर हुआ था लेकिन उन्होंने मना कर दिया तो उनकी आंटी ने उनकी डांट लगाई। रेनू ने बताया, इस बातचीत के दो साल बाद जब फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई, तब तब्बू हैदराबाद में थीं और वह अपनी चाची और चाचा के साथ फिल्म देखने गईं। उन्होंने उन्हें बताया कि उन्हें फिल्म की पेशकश की गई थी लेकिन उन्होंने भूमिका से इनकार कर दिया। उनकी चाची ने उन्हें डांटते हुए कहा, 'ये चप्पल निकालके तुम्हारे सिर पे मारूंगी। तुमने इस फिल्म के लिए मना क्यों किया?

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप–रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू ज़िंदगी सुकूनभरी और ख़ुशगनुमा रहेगी। यात्रा के चलते रुमानी संबंध को बढ़ावा मिलेगा। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं। आपके घर का कोई सदस्य आज आपसे प्यार से जुड़ी कोई समस्या शेयर कर सकता है। आपको उन्हें उचित सलाह देनी चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपको आर्थिक फ़ायदा होगा । पुरखों की जायदाद की ख़बर पूरे परिवार के लिए ख़ुशी ला सकती है। खाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दुर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। मुमकिन है कि आज आपका जीवनसाथी ख़ूबसूरत शब्दों में यह बताए कि आप उनके लिए कितने क़ीमती हैं। ज़िन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कुछ लोग सोचते हैं कि वैवाहिक जीवन ज़्यादातर झगड़ों और सेक्स के इर्द–गिर्द ही घूमता है, लेकिन आज आपके सब कुछ शान्त रहने वाला है। धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। गृह–प्रवेश के लिए शुभ दिन है। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम–से–कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें– अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। परिवार के लिए किसी अच्छे और ऊँचे लक्ष्य को हासिल करने के नज़रिए से समझ–बूझकर थोड़ा ख़तरा उठाया जा सकता है। चूके मौक़ों की वजह से डरें नहीं। आपकी बातें घरवालों को परेशान कर सकती हैं लेकिन इन बातों का हल अवश्य निकलेगा। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज आप हर तरफ़ प्यार–ही–प्यार फैलाएंगे। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। थोड़ी–सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है। आज आप किसी दोस्त या करीबी रिश्तेदार से अपने दिल के गम साझा कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार–चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। आपका बदला हुआ बर्ताव उनके लिए ख़ुशी का सबब साबित होगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ख़ुद को सेहतमंद और दुरुस्त रखने के लिए वसायुक्त और तली–भुनी चीज़ों से दूर रहें। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं– लेकिन अपने साथी को छोटी–छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें। आज काफ़ी दिमागी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। अकेलापन कई बार काफ़ी दिक़्क़त भरा हो सकता है, ख़ास तौर से उन दिनों में जब कि आपके पास ज़्यादा कुछ करने के लिए न हो। इससे छुटकारा पाने की कोशिश करें और अपने दोस्तों के साथ थोड़ा समय व्यतीत करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। आपको अपने रोज़मर्रा के कामों से छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ घूमने का कार्यक्रम बनाना चाहिए। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। अपने प्रिय के साथ पर्याप्त समय बिताने की संभावना है। ऐसा हो भी क्यों न, ऐसे पल ही तो किसी संबंध को प्रगाढ़ बनाते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। आपको अपनी भावनाओं को नियन्त्रित करने में कठिनाई होगी, लेकिन आस–पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आपका अपने जीवनसाथी के साथ तनावपूर्ण संबंध रह सकता है। जहां तक सम्भव हो बात को बढ़ने न दें। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 03 मार्च 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी सायं 06:04 तक
नक्षत्र : रेवती प्रातः 06:39 तक
योग : शुक्ल प्रातः 08:56 तक
करण : वणिज प्रातः 07:33 तक
चन्द्रराशि : मीन प्रातः 06:39 तक
सूर्योदय : 06:33 , सूर्यास्त 06:23 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:34 , सूर्यास्त 06:28 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:27 , सूर्यास्त 06:21 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:24 , सूर्यास्त 06:14 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में चार गिरफ्तार

जयपुर,02 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जान से मारने की धमकी देने के मामले में जयपुर पुलिस ने चार आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है।आरोपी पहले दौसा जेल में बंद थे, जिन्हें विधायकपुरी थाना पुलिस ने हिरासत में लेकर शनिवार को अदालत में पेश किया, जिसके बाद उन्हें दो दिन के रिमांड पर लिया गया।

थाना प्रभारी बनवारी लाल मीना के अनुसार गिरफ्तार रिंकू उर्फ रंडवा (28) निवासी हरसौरा अलवर, शहजाद खान उर्फ साजिद (28) निवासी उन्नाव, उत्तर प्रदेश, वर्तमान में संजय नगर–ई, झोटवाड़ा में रहते हैं। इसी प्रकार जयनारायण (32) और राकेश जोशी (45) सदर दौसा के निवासी हैं। रिंकू और शहजाद खान उर्फ साजिद पहले से ही पॉक्सो एक्ट के तहत दौसा जेल में बंद थे।

जांच में पता चला कि सात दिन पहले दौसा के श्यालवासा सेंट्रल जेल में बंद रिंकू उर्फ रंडवा ने जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम में दो बार फोन करके भजनलाल शर्मा को जान से मारने की धमकी दी थी। उसने कहा था, मैं तुम्हें आधी रात से पहले जान से मार दूंगा। जांच में पता चला कि आरोपी जयनारायण ने अपने नाम से 1,500 रुपये में एक सिम कार्ड खरीदा था, जिसे बाद में कंपाउंडर राकेश जोशी ने उसे जेल के अंदर रिंकू को सौंप दिया था।

अधिकारियों ने बताया कि जयपुर पुलिस द्वारा मामले की जांच चल रही है और जांच का ध्यान इस बात पर केंद्रित है कि सिम कार्ड की तस्करी जेल में कैसे हुई और क्या आरोपियों के कोई बाहरी साथी भी थे।पुलिस ने बताया कि 21 फरवरी को दौसा की जेल से एक कैदी ने मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी दी थी। बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 28 वर्षीय रिंकू ने जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम में फोन करके मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी दी।धमकी भरा कॉल करने के लिए जिस मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया गया था, उसका स्थान श्यालवासा जेल में पाया गया।पुलिस ने बताया कि जेल परिसर में तड़के तीन बजे से सुबह सात बजे तक चार घंटे तक चले गहन तलाशी अभियान के बाद फोन बरामद किया गया। राज्य के गृह मंत्री जवाहर सिंह बेधम ने कहा कि जेल महानिरीक्षक विक्रम सिंह को मामले की जांच की जिम्मेदारी दी गई है।

राजस्थान सीएम ने केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में किया भ्रमण

जयपुर,02 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भरतपुर दौरे के दूसरे दिन रविवार को सुबह केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में भ्रमण किया। उन्होंने उद्यान में पक्षी व्यू प्वाइंट तक जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के साथ पैदल भ्रमण किया। इस दौरान उद्यान में भ्रमण कर रहे देशी–विदेशी पर्यटकों ने मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर खुशी जाहिर की।

शर्मा ने भी पर्यटकों से आत्मीयता से बातचीत कर केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के संबंध में उनके अनुभव जाने।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह राष्ट्रीय उद्यान पक्षियों की प्रजाति की विविधता के लिए देश और विदेश में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है, इसलिए जिला प्रशासन यहां आने वाले पर्यटकों के लिए संचालित सभी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करे। शर्मा ने राष्ट्रीय उद्यान में पक्षी व्यू प्वाइंट पर केवलादेव शिव मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली और आमजन की सुख–समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

बीकानेर में भीषण सड़क हादसा

तेज़ रफ्तार स्कॉर्पियो ने ली चार युवकों की जान

बीकानेर,02 मार्च (एजेंसियां)। बीकानेर में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने चार परिवारों की खुशियां छीन लीं। शनिवार देर रात नाल थाना इलाके में NH–11 (जैसलमेर रोड) पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने दो बाइकों को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार चारों युवकों की मौत हो गई। घटना के बाद स्कॉर्पियो ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

नाल डक्ज विकास विश्नोई के अनुसार, मृतकों की पहचान ओमप्रकाश (29) पुत्र गंगाराम, राहुल (25) पुत्र चोरूराम, कोजुराम उर्फ श्यामलाल (18) पुत्र बिरजूराम और गोरधन (30) पुत्र चोरूराम के रूप में हुई है। ये सभी किसी शादी समारोह से काम निपटाकर अपने गांव नाल लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी।

हादसा इतना भयानक था कि तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक को गंभीर हालत में बीकानेर के झइच् अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो और दोनों बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं, यहां तक कि स्कॉर्पियो के पहिए तक निकल गए।दुर्घटना की खबर मिलते ही मृतकों के परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां उनका रो–रोकर बुरा हाल था। रविवार दोपहर चारों का अंतिम संस्कार नाल गांव में किया गया।

डॉ. किरोड़ीलाल मीणा का सरकारी बंगला निरस्त

मंत्री पद के बावजूद निजी आवास में रहने का फैसला

जयपुर,02 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा को आवंटित सरकारी बंगले का आवंटन निरस्त कर दिया है। उन्हें फरवरी 2024 में जयपुर की हॉस्पिटल रोड स्थित बंगला नंबर–3 आवंटित किया गया था, लेकिन उन्होंने खुद ही सामान्य प्रशासन विभाग से इसे निरस्त करने का आग्रह किया था।

गौरतलब है कि किरोड़ीलाल मीणा ने मंत्री बनने के बाद से ही सरकारी बंगले में रहने के बजाय अपने निजी आवास को प्राथमिकता दी। यही नहीं, उन्होंने सरकारी गाड़ी भी लौटा दी थी। लोकसभा चुनाव के बाद जब उन्होंने इस्तीफे की पेशकश की थी, तब से ही वह अपनी ही सरकार के खिलाफ लगातार मुखर रहे हैं। पिछले साल सरकार ने सबसे पहले सिविल लाइंस में बंगला नंबर–14 उन्हें आवंटित किया था, लेकिन उसमें पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत का परिवार रह रहा था। इसके बाद हॉस्पिटल रोड पर बंगला नंबर–3 आवंटित किया गया, जो पहले पूर्व मंत्री ममता भूपेश को दिया गया था।

सामान्यत: मंत्रियों को सिविल लाइंस, हॉस्पिटल रोड और गांधी नगर में सरकारी बंगले दिए जाते हैं। इनमें सिविल लाइंस के बड़े बंगले सबसे अधिक मांग में रहते हैं।लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद किरोड़ीलाल मीणा ने मंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी थी। हालांकि, उनका इस्तीफा मुख्यमंत्री ने स्वीकार नहीं किया। उन्होंने 4 जुलाई 2024 को जयपुर में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान मीडिया को बताया कि उन्होंने 8 और 25 जून को इस्तीफा भेजा था।

इस्तीफे के बाद उन्होंने सरकारी गाड़ी छोड़ दी और इसके बाद से वे लगातार सरकार की आलोचना कर रहे हैं। वे विधानसभा की कार्यवाही में भी भाग नहीं ले रहे हैं और एसआई पेपर लीक जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरते रहे हैं।

पिछले महीने ही उन्होंने सरकार पर फोन टैपिंग के आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा कि सरकार उनकी जासूसी करा रही है और फोन टैप करवा रही है। इसके बाद पार्टी ने उन्हें नोटिस जारी किया था, जिसका जवाब देते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि मुझसे गलती हुई थी। लेकिन इसके बावजूद, उन्होंने 7 दिन पहले फिर से फोन टैपिंग के आरोप दोहराए हैं।

सरकारी सुविधाओं को ठुकराने और अपनी ही सरकार के खिलाफ मुखर रहने की उनकी रणनीति उनकी स्वतंत्र राजनीतिक स्थिति को दर्शाती है। एक ओर वे अपने निर्णयों से खुद को एक सरकारी संसाधनों से दूर रहने वाले ईमानदार नेता के रूप में पेश कर रहे हैं, तो दूसरी ओर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलकर अपनी राजनीतिक ताकत दिखा रहे हैं।

उदयपुर का मेनार गांव जहां खेली जाती है बारूद की होली, रात भर चलती हैं तोपें

उदयपुर,02 मार्च (एजेंसियां)। फिल्म आई थी गोलियों की रासलीला। बड़ी चली, हट कर टाइटल था। राजस्थान के एक गांव में भी ऐसा ही कुछ हट कर होता है होली पर! यहां रंगों की नहीं बारूद की होली खेली जाती है। रात भर तोप गरजती है, आग उगलती है और लोग झूमने लगते हैं।

वीरों की भूमि से जुड़ी कहानी भी दिलचस्प है। यह परंपरा राजस्थान के उदयपुर जिले के मेनार गांव में करीब 500 साल से चली आ रही है। होली के अगले दिन जमरा बीज पर इसे गोली–बारूदों के शोर के बीच मनाया जाता है। इसकी कहानी शौर्य और हार न मानने की जिद की कहानी है। मेनारिया ब्राह्मणों के मुगलों के सामने डटकर खड़े रहने की कहानी है। कहा जाता है कि मेवाड़ में महाराणा अमर सिंह के शासनकाल में मेनार गांव के पास मुगल सेनाओं की एक चौकी थी। गांव वाले परेशान थे। पता चला कि मुगल सेना हमला करने की फिराक में है। फिर क्या था, ग्रामीणों को भनक लगी और उन्होंने मुगल सेना को रणनीति बना खदेड़ दिया। मेनारिया समाज की जीत हुई। बस तभी से उस जीत की खुशी का गांव जश्न मनाता है।

देर शाम पूर्व रजवाड़ों के सैनिकों की पोशाक धोती–कुर्ता और कसुमल पाग से सजे–धजे ग्रामीण अपने–अपने घरों से निकलते हैं। अलग–अलग रास्तों से ललकारते हुए तलवार लहराते और बंदूक से गोलियां दागते हुए गांव के ओंकारेश्वर चौक पर पहुंचते हैं। आतिशबाजी होती है।

हरियाणा निकाय चुनाव

सुस्त मतदान और चुनावी गड़बड़ियों के बीच सम्पन्न हुआ मतदान

चंडीगढ़,02 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा में निकाय चुनाव को लेकर जिस जोश और उत्साह की उम्मीद थी, वह पूरी तरह से गायब रहा। तमाम विवादों और हंगामे के बीच राज्य के नौ नगर निगमों और नगर पालिकाओं में मतदान संपन्न हुआ, लेकिन मतदान प्रतिशत सिर्फ 40% रहा। इससे पता चलता है कि इस बार चुनावों में जनता की बहुत ज्यादा दिलचस्पी नहीं थी। अब 12 मार्च को नतीजे घोषित किए जाएंगे, जिससे पता चलेगा कि जनता ने किसे अपना प्रतिनिधि चुना है।

मतदान सुबह 8:00 बजे शुरू हुआ, लेकिन कई जगहों पर ईवीएम में खराबी की शिकायतें सामने आईं, जिससे मतदान प्रक्रिया बाधित हुई। गुरुग्राम, हिसार और चार अन्य जिलों में तकनीकी खामियों के कारण मतदान रोकना पड़ा, हालांकि ईवीएम बदले जाने के बाद प्रक्रिया फिर से शुरू हुई। वहीं गुरुग्राम और करनाल में वोटर लिस्ट से नाम गायब होने की शिकायतें आईं, जिसके चलते कई मतदाता वोट नहीं डाल पाए।कैथल और करनाल में ईवीएम के बटन को लेकर विवाद हुआ, जिसके चलते माहौल तनावपूर्ण हो गया। मतदान के दौरान

कुछ जगहों पर छिटपुट घटनाएं भी देखने को मिलीं, लेकिन प्रशासन ने जल्द ही स्थिति पर काबू पा लिया।शाम 6:00 बजे मतदान समाप्त होने के बाद सभी ईवीएम को भारी सुरक्षा के बीच स्ट्रांग रूम में रखवा दिया गया। इस बीच पानीपत नगर निगम के लिए 9 मार्च को मतदान होना है। मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो, इसके लिए चुनाव आयोग ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।अब सबकी निगाहें 12 मार्च पर टिकी हैं, जब नतीजे घोषित होंगे और पता चलेगा कि निकाय चुनाव में किसने बाजी मारी।

हिमानी हत्याकांड: भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने पुलिस से की सख्त कार्रवाई की मांग

चंडीगढ़,02 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हिमानी हत्याकांड को लेकर एसपी से बात कर बात की है। उन्होंने कहा है कि पुलिस व सरकार पीड़ित परिवार के लिए जल्द न्याय सुनिश्चित करे। दोषी को जल्द से जल्द कानून के शिकंजे में लाया जाए और उसे कड़ी से कड़ी सजा मिले। कांग्रेस पार्टी दुख की इस घड़ी में हिमानी के परिवार संग खड़ी है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में बढ़ता अपराध, खासतौर पर महिलाओं के विरुद्ध वारदातें गंभीर चिंता का विषय बनी हुई हैं। कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी की हत्या के बाद प्रदेश की कानून व्यवस्था पर एकबार गंभीर सवाल उठ रहे हैं। कुछ दिन पहले ही मुख्यमंत्री के गृहक्षेत्र नारायणगढ़ में भी एक बसपा नेता की हत्या हुई थी। इससे पहले बहादुरगढ़ में इनेलो नेता और हांसी में जेजेपी नेता की हत्याएं हो चुकी हैं। प्रदेश में आधा दर्जन से ज्यादा विधायक फिरौती की वारदातों के शिकार हो चुके हैं। कानून व्यवस्था का इस कद्र दिवाला पिट चुका है कि खुद बीजेपी के नेता और पुलिस वाले भी सुरक्षित नहीं हैं।यही वजह है कि प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सामाजिक प्रगति सूचकांक रिपोर्ट में हरियाणा को देश का सबसे असुरक्षित राज्य बताया गया है। एनसीआरबी की रिपोर्ट चीख–चीखकर गवाही देती है कि 2022 में एक साल के भीतर प्रदेश में 1020 हत्याएं यानी रोज 3 हत्याएं हुईं। 2022 के दौरान ही हरियाणा में 1786 रेप की वारदातें हुईं यानी रोज 4–5 रेप हुए। महिलाओं के विरुद्ध अपराध की बात की जाए तो 1 साल के भीतर 16,743 केस सामने आए। यानी रोज 46 केस दर्ज हुए।

हरियाणा हाउसिंग बोर्ड होगा खत्म, नायब सरकार ने गठित की कमेटी

चंडीगढ़,02 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने हाउसिंग बोर्ड को खत्म करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हाउसिंग बोर्ड को हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) में विलय को मंजूरी दी है।

राज्य सरकार हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण में हाउसिंग बोर्ड को मर्ज करने का आधिकारिक फैसला जल्द लेगी। सरकार ने फिलहाल हाउसिंग बोर्ड को एचएसवीपी में विलय किए जाने को सैद्धांतिक मंजूरी दी है। 31 मार्च से पहले हाउसिंग बोर्ड को एचएसवीपी में शामिल कर दिया जाएगा।

1 अप्रैल 2025 से आवास बोर्ड का अस्तित्व प्रदेश में खत्म होगा। हालांकि, इससे पहले सरकार ने हाउसिंग बोर्ड के कर्मचारियों के लिए एक कमेटी का गठन किया है। हाउसिंग फॉर ऑल विभाग के आयुक्त एवं सचिव मोहम्मद शाईन ने टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) एके सिंह को इस मामले में पत्र भी लिखा है। इस पत्र में आवास बोर्ड को हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण में शामिल करने की जानकारी दी गई है। बता दें कि हरियाणा में हाउसिंग बोर्ड को साल 1971 में तत्कालीन सीएम स्वर्गीय चौधरी बंसी लाल ने बनाया था। प्रदेश में लंबे समय से हाउसिंग बोर्ड विभाग चल रहा है।

हाउसिंग बोर्ड का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस), निम्न आय वर्ग, मध्यम आय वर्ग और गरीबी रेखा से नीचे आने वाले लोगों को किफायती आवास उपलब्ध कराना है। यह योजना समाज के हर वर्ग के लिए घर का सपना साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

2025 में बिहार में बनेगी तेजस्वी यादव के नेतृत्व में सरकार : लालू यादव

जहानाबाद (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव रविवार को अपने करीबी सहयोगी रहे दिवंगत डॉ. चंद्रिका प्रसाद यादव की श्रद्धांजलि सभा में शामिल होने जहानाबाद जिले के मीरा बीघा टेंपल सिटी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने तेजस्वी यादव के नेतृत्व में 2025 में बिहार में सरकार बनने का दावा किया और कहा कि जनता का पूरा समर्थन राजद के साथ है।

लालू यादव के आगमन की सूचना मिलते ही जहानाबाद बॉर्डर पर राजद विधायक सुदय यादव के नेतृत्व में सैकड़ों समर्थकों ने फूल-मालाओं से उनका भव्य स्वागत किया। समर्थकों की भारी भीड़ ने राजद सुप्रीमो के समर्थन में जोरदार नारे लगाए। इसके बाद

उनका काफिला टेहटा थाना क्षेत्र के मीरा बीघा टेंपल सिटी गांव पहुंचा, जहां उन्होंने श्रद्धांजलि सभा में शिरकत की।

मीरा बीघा पहुंचकर लालू प्रसाद यादव ने दिवंगत चंद्रिका प्रसाद यादव के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने दिवंगत नेता के परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और कहा कि चंद्रिका बाबू का योगदान समाज और जिले के विकास में अमूल्य था।

गौरतलब है कि दिवंगत चंद्रिका प्रसाद यादव राजद सुप्रीमो लालू यादव के कॉलेज के साथी रहे थे। वे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी रहे और अपने जीवनकाल में समाज सेवा और जिले के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लालू यादव ने इस मौके पर कहा कि चंद्रिका बाबू का व्यक्तित्व प्रेरणादायक था और उन्होंने हमेशा गरीबों व वंचितों की आवाज उठाई।

श्रद्धांजलि सभा के दौरान जब सी-वोटर सर्वे को लेकर लालू यादव से सवाल किया गया, तो उन्होंने आत्मविश्वास के साथ कहा कि 2025 में बिहार में तेजस्वी यादव के नेतृत्व में सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि जनता मौजूदा सरकार से पूरी तरह ऊब चुकी है और बदलाव चाहती है। लालू यादव ने कहा कि बिहार की जनता अब एक नई सरकार चाहती है, जो उनके हितों की रक्षा कर सके। तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राजद सरकार बनाएगी और बिहार को आगे ले जाने का काम करेगी।

जब उनसे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के राजनीति में आने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने संक्षिप्त जवाब में कहा कि हां, आ रहे हैं।

हालांकि इस पर उन्होंने ज्यादा विस्तार से कुछ नहीं कहा, लेकिन उनके इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं को तेज कर दिया।

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का दिवंगत चंद्रिका प्रसाद यादव के सुपुत्र संजय यादव और चंद्र प्रकाश ने अपने पैतृक गांव में गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान कार्यक्रम में राजद के कई वरिष्ठ नेता, स्थानीय विधायक और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छह मार्च को सुपौल जिले के वीरपुर आएंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत

सुपौल (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत छह मार्च को सुपौल जिले के वीरपुर आएंगे। वे सरस्वती विद्या मंदिर के नए भवन का उद्घाटन करेंगे। संघ के कार्यकर्ता, पदाधिकारी और स्थानीय प्रशासन उनकी यात्रा को सफल बनाने में जुटे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, अपने एक दिवसीय कार्यक्रम के दौरान मोहन भागवत विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों, स्वयंसेवकों और आमजन से समाज व राष्ट्र निर्माण से जुड़े मुद्दों पर संवाद करेंगे। संघ कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों, शिक्षकों, छात्रों और आम जनता में इस दौरे को लेकर खासा उत्साह है। स्वयंसेवक उनके स्वागत की तैयारियों में लगे हैं। स्थानीय प्रशासन और संघ पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। सुरक्षा और स्वागत की विशेष तैयारियां की जा रही हैं।संघ के क्षेत्र संगठन मंत्री ख्यालीराम ने कहा कि

विश्व के सबसे बड़े संगठन के प्रमुख का वीरपुर आगमन गौरव की बात है। मोहन भागवत के स्वागत और कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर संघ पूरी तरह तत्पर है। संघ प्रमुख का यह दौरा पहले 2020 में तय हुआ था, लेकिन कोरोना महामारी के कारण स्थगित कर दिया गया था।

अब चार साल बाद वह वीरपुर आ रहे हैं। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर का नया भवन आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा। इससे छात्रों को बेहतर शैक्षिक माहौल मिलेगा। संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों का कहना है कि मोहन भागवत के आगमन से विद्यालय को नई पहचान मिलेगी। शिक्षा और संस्कार के प्रचार-प्रसार को भी नई ऊर्जा मिलेगी। इस ऐतिहासिक दौरे से संघ की गतिविधियों को और बल मिलेगा। संघ वर्षों से शिक्षा, संस्कार और समाजसेवा के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। उनके आगमन से क्षेत्र में संघ की सक्रियता और प्रभाव और अधिक बढ़ सकता है। छह मार्च को वीरपुर में होने वाले इस कार्यक्रम में संघ के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, स्थानीय नेता, शिक्षाविद और प्रबुद्धजन उपस्थित रहेंगे। पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल है। मौके पर क्षेत्र प्रचार प्रमुख विद्या भारती बिहार एवं झारखंड नवीन सिंह परमार, लोक शिक्षा समिति कोसी विभाग प्रमुख रमेश चंद्र शुक्ला, क्रीड़ा भारती प्रांतीय सदस्य मुकल कुमार दास, क्रीड़ा भारती रामवतार मेहता, क्रीड़ा भारती उत्तर बिहार प्रांतीय उपाध्यक्ष सुमन चंद्र, सुरेश चंद्र, सुबोध कुमार शर्मा समेत अन्य लोग मौजूद थे।

बिहार में बदलाव की लहर, जनता नया नेतृत्व चाहती है : कांग्रेस

पटना (एजेंसियां)।

बिहार की राजनीति में 2025 विधानसभा चुनाव से पहले सियासी हलचल तेज हो गई है। भागलपुर से कांग्रेस विधायक अजीत शर्मा ने बड़ा बयान देते हुए दावा किया है कि आगामी चुनाव से पहले जदयू और भाजपा में भगदड़ मचेगी। उन्होंने कहा कि कई नेता अपनी पार्टी छोड़कर कांग्रेस और महागठबंधन में शामिल होने के इच्छुक हैं।

अजीत शर्मा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सिर्फ उन्हें यूज कर रही है और 2025 में उन्हें मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं बनाएगी। उन्होंने नीतीश कुमार से महागठबंधन में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि यदि वे

बिहार का विकास चाहते हैं तो कांग्रेस और सहयोगी दलों के साथ आकर काम करें।

विधायक अजीत शर्मा ने कहा कि बिहार की जनता अब बदलाव चाहती है और किसी नए चेहरे को मौका देना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के नेतृत्व में राज्य को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिला और विकास की गति धीमी रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि 2025 में महागठबंधन की सरकार बनेगी, जो महंगाई को नियंत्रित करेगी, युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराएगी और बिहार के विकास को प्राथमिकता देगी।

बिहार में सियासी हलचल के बीच महागठबंधन और विपक्षी दलों के बयान लगातार राजनीतिक माहौल को गरमा रहे हैं। अब देखना होगा कि आगामी चुनावों में किस दल को जनता का समर्थन मिलता है।

बिहार में अब नहीं चलेगा लालू मॉडल : गिरिराज सिंह

पटना (एजेंसियां)।

रविवार को गया शहर के सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि लालू यादव अपने बेटे को लांच किया है। इनको मुख्यमंत्री बनाओगे तो बिहार में जगमग होगा। मैंने यह किया, वह किया। असली बात तो नहीं बताएं। 30 और 35 साल के लड़के और लड़कियां है। उनको भी मालूम हो गया है कि राजद के शासनकाल में शादी करके पति-पत्नी लौटते थे तो उनको उतार कर गाड़ी ले लिया जाता था। क्या विकास का मॉडल यही होगा।

लालू यादव जी आपने बेटे को लॉन्च करना चाहते हैं। अपने डीएनए पर क्योंकि बेटा का तो अपनी कमाई कुछ भी नहीं है। आपके डीएनए में लूट, बलात्कार, डकैती, आगजनी और

फिरौती है। यह सारे आपके रोजगार के मॉडल है। बिहार में डबल इंजन की सरकार नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार की सरकार है। जो पूरे उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार जोड़ने का पहले एक पुल था, अब 17 पुल है। बक्सर से लेकर साहिबगंज तक है। बदलता हुआ बिहार है, सड़कों का जाल हो गया है। बिजली की उपलब्धता है। गया में आने वाले दिनों में टेक्सटाइल नया रूप लेगा। क्योंकि अब बड़ी-बड़ी मशीनें आएगी। इस ढंग से नया कायाकल्प होगा। बिहार एक बढ़ता हुआ बिहार होगा।

वहीं केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि अब लालू जी का मॉडल आज का नौजवान कोई स्वीकार नहीं करेगा। पहले लोग कहते थे बेटा सो जाओ गब्बर सिंह आज जाएगा। अब वैसे ही लोग कहेंगे कि बेटा भूल कर के भी लालू जी के मॉडल को नहीं देखना। नहीं तो बिहार में शाम से पहले घर वापस आना पड़ेगा। यही इनका असली मॉडल है।

वहीं तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार को 20 साल पुराना खटारा गाड़ी बताया। इस सवाल पर उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को समझ में नहीं आ रहा है। क्योंकि उन्होंने गाड़ी देखी ही नहीं है। वह तो बैलगाड़ी वाले थे। यह गाड़ी खटारा नहीं है। बिहार की सरकार नीतीश कुमार की सोच और नरेंद्र मोदी का स्पोर्ट वाली सरकार है। जैसे बिहार में सड़कों का जाल बिछ गया है। बिहार में जितने लाइन थे सबको डेवलप कर दिया गया है।नवादा-किउल जैसे लाइन को डबल लाइन कर दिया गया है। बिजली लग गई है। अब लोग धकाधक चल रहे हैं, और फटाफट काम कर रहे हैं। तेजस्वी यादव जी आपके कहने से बिहार की जनता फिर से अंधेरे में नहीं रहेगा। लालटेन युग में। अब लोग उजाले में हैं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने राहुल गांधी को शिव भक्त कहा क्योंकि राहुल गांधी मानसरोवर जाकर शिव का दर्शन और पूजा किया। इस सवाल पर उन्होंने कहा भगवान उन्हें सद्बुद्धि दे और जो इतना बड़ा कुंभ मेला हुआ उस पर अनाप-शनाप नहीं बोला। वहीं सी वोटर द्वारा बताया गया कि बिहार में इस बार तेजस्वी की सरकार बनेगी,इस सवाल पर उन्होंने कहा कि किसी को बताने में हम रोक नहीं रहे हैं। लेकिन खोदा पहाड़ निकली चुहिया। अब एमवाय समीकरण रिजेक्ट हो चुका है। गलतफहमी में है कि जो बता रहे हैं। यहां एनडीए की सरकार है और एनडीए की सरकार बनेगी। वहीं बिहार के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा। इस पर उन्होंने कुछ विशेष तो नहीं बोला लेकिन, इतना जरूर कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में हम लोग चुनाव लड़ेंगे।

रंग देख बदल गया पति, चार साल बाद गर्भवती पत्नी को छोड़ विदेशी गोरी को लेकर भागा

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले के औराई थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। शादी के चार साल बाद एक पति अपनी गर्भवती पत्नी को छोड़कर नेपाल की लड़की के साथ फरार हो गया। पीड़िता ने अपने पति चितरंजन ठाकुर, सास-ससुर और ननद पर गंभीर आरोप लगाते हुए थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

पीड़िता नेहा कुमारी ने बताया कि उसकी शादी वर्ष 2021 में औराई के मधुवन बैसी गांव के चितरंजन ठाकुर से हिंदू रीति-रिवाजों के साथ हुई थी। शुरुआती छह महीने तक सबकुछ ठीक-ठाक चला, लेकिन उसके बाद ससुराल वालों की ओर से पैसों की मांग और प्रताड़ना बढ़ने लगी।

नेहा का आरोप है कि सास

और ससुर उसकी रंगत को लेकर उसे ताने मारते थे। वे अक्सर कहते थे कि तुम्हारा रंग अच्छा नहीं है, इसलिए एक गोरी लड़की को रख लेंगे। धीरे-धीरे पति नेहा से दूर होता गया और उसके व्यवहार में भी बदलाव आने लगा।

नेहा ने आगे बताया कि जब ससुराल पक्ष ने प्रताड़ना बढ़ाई तो मामला पंचायत तक पहुंचा। पंचायत के फैसले के बाद सस-ुराल वाले नेहा को लेकर नेपाल चले गए, जहां उन्होंने छह महीने तक रखा। इसी दौरान दुकान के पास रहने वाली एक नेपाली लड़की से चितरंजन की नजदीकियां बढ़ने लगीं।

पीड़िता के अनुसार, पहले वह लड़की उसे भैया कहकर पुकारती थी और घर आती-जाती थी। लेकिन धीरे-धीरे दोनों के बीच संबंध बढ़ गए और सास-ससुर ने भी नेपाली लड़की को पसंद करना शुरू कर दिया। कुछ ही दिनों बाद चितरंजन ठाकुर नेपाली लड़की को लेकर फरार हो गया और गर्भवती नेहा को अकेला छोड़ दिया। पीड़िता ने बताया कि वह छह महीने की गर्भवती है और अब न्याय के लिए पुलिस के पास गई है। उसने पति चितरंजन ठाकुर, सास, ससुर और ननद के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। नेहा ने कहा कि मेरे गर्भ में उनके बच्चे की जान है, फिर भी उन्होंने मुझे इस हाल में छोड़ दिया। मेरे सस-ुराल वालों ने कभी भी मुझे अपनाने की कोशिश नहीं की, बल्कि हमेशा मुझे नीचा दिखाते रहे। अब उन्होंने मेरा घर उजाड़ दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है और आगे की जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी पति और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। वहीं, चितरंजन ठाकुर के नेपाल भागने की खबर को लेकर पुलिस ने सीमा पार जांच कराने की योजना बनाई है।

भाकपा माले के लाल झंडे से पटा पटना

बिहार बदलने के लिए भाकपा माले का महाजुटान

पटना (एजेंसियां)।

भाकपा माले ने रविवार को पटना के गांधी मैदान में महाजुटान का आयोजन किया है। सुबह से ही गांधी मैदान लाल झंडे से पट चुका है। रात से लोग यहां पहुंचने लगे थे। बिहार के लगभग सभी जिलों से बस में भरकर वामदल के समर्थकों को लाया गया है। इधर, कार्यक्रम को लेकर भाकपा माले ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। पार्टी के राज्य सचिव कुणाल ने बताया कि यह महाजुटान 'बदलो बिहार' के संकल्प के तहत आयोजित किया गया है। इसमें बिहार की जनता का महाजुटान हो रहा है। इसमें विभिन्न जनसंगठनों और आंदोलनकारी ताकतों की भागीदारी है। इस मंच पर हर समुदाय और वर्ग के लोग अपनी बात रखेंगे। यह सभा

बिहार के आगामी चुनाव का एजेंडा तय करेगी।

महाजुटान में माले के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य, स्वदेश भट्टाचार्य और पड़ोसी राज्यों के पार्टी नेता पटना पहुंच चुके हैं। इसके अलावा, आंदोलन कर रहे संगठनों के कई प्रतिनिधि भी मंच पर मौजूद होंगे। पार्टी के राज्य सचिव कुणाल ने बताया कि इस रैली में शाहाबाद, मगध, तिरहुत, मिथिलांचल, सीमांचल, अंग प्रदेश और अन्य दूर-दराज क्षेत्रों से कार्यकर्ता पहुंचे हैं। महाजुटान का उद्देश्य बिहार के लोगों को एकजुट करना और राज्य के भविष्य के लिए एक नई दिशा निर्धारित करना है। बिहार की जनता डबल इंजन वाली सरकार से तंग आ चुकी है।

पत्नी ने पति पर लगाया घिनौना आरोप, बेटी के साथ दुष्कर्म किया

रोहतास (एजेंसियां)।

रोहतास जिले के दावथ थाना क्षेत्र स्थित एक गांव से बड़ा हीं सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक महिला ने अपने पति पर हीं बेटी के साथ दुष्कर्म करने का गंभीर आरोप लगाया है। हालांकि इस मामले में पिता ने मां के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह मनगढ़ंत बताया है। दरअसल इस मामले में बच्ची की मां की शिकायत पर दावथ थाने की पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है तथा मामले की विस्तृत जांच में जुट गई है। पुलिस को दिए गए आवेदन में महिला ने बताया कि एक सप्ताह पूर्व उसके पति ने मारपीट कर उसे घर से बाहर निकाल दिया था। जिसके बाद पत्नी घर छोड़कर डेहरी स्थित अपने मायके चली गई और अपनी 11 साल की बेटी को भी पति के पास हीं छोड़ दिया। जिसका फायदा उठाते हुए पिता ने अपनी 11 वर्षीय बेटी के साथ हीं दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पीड़िता की मां ने बताया कि उसका पति अक्सर उसके साथ मारपीट करता है।

ट्रक में नाबालिग बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म

काम दिलाने के नाम पर ले गई थी महिला

वैशाली (एजेंसियां)।

वैशाली में चलते ट्रक में नाबालिग बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। इस मामले में परिजनों ने एक महिला को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। फिलहाल पुलिस आरोपी महिला को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ कर रही है। इधर नाबालिक बच्ची को पुलिस ने मेडिकल जांच करवाना शुरू कर दी है। मामला महुआ थाना क्षेत्र की है।

इस संबंध में परिजनों का कहना है कि देह व्यापार के धंधे में संलिप्त महिला ने बच्ची को काम के बदले पैसे का प्रलोभन देकर घर से ले गई थीं और एक ट्रक में ही बच्ची को डालकर महिला फरार हो गई।

चलते ट्रक में रेप की घटना को अंजाम देने के बाद बच्ची को ट्रक से उतार कर आरोपी मौके से फरार हो गए। इसके बाद बच्ची अपने घर पहुंची और घटना की जानकारी अपनी मां को दी। इसके बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और घर के लोगों ने महिला को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया।

घटना के संबंध में महुआ थाना अध्यक्ष सुभाष प्रसाद ने बताया कि लड़की से पूछताछ में यह बात सामने आई है कि एक महिला बच्ची को काम दिलाने के नाम पर उसे घर से ले गई थी। बच्ची को एक ट्रक में चढ़ाकर दोनों युवकों को सौंप दिया। ट्रक में ही दोनों युवकों ने बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। उन बदमाशों ने जिसके बाद बच्ची को ट्रक से हाकिमपुर मंदिर के पास उतार कर भाग गये। बच्ची के बयान पर मामला दर्ज कर लिया गया है। गिरफ्तार की गई आरोपी महिला मुजफ्फरपुर जिले के बरियारपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहम्मद निसार के पत्नी पातिजा खातून उर्फ फूलो देवी देवी है। पुलिस उससे घटना के बारे में पूछताछ कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com